वर्ष -06
अंक -01
जनवरी-2024
पृष्ठः 8
सहयोग मूल्य
11 रूपये
Follow Us

हिन्दी मासिक

चन्दौली-वाराणसी से सम्पूर्ण भारत के लिए प्रकाशित व प्रसारित

अनिवार्य प्रश्न

अगर पढ़िए, तो सिर्फ सच पढ़िए!

हर कलम बिकती नहीं!

RNI UPHIN/2019/80493

www.anivaryaprashna.in

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने ...6

भारतीय संसद में सुरक्षा चूक और कार्यवाही

अनिवार्य प्रश्न। संवाद।

नई दिल्ली। भारतीय संसद में 13 दिसंबर, 2023 को सुरक्षा में गंभीर चूक हुई। इस दिन, दो लोग संसद के अंदर घुस गए और रंगीन धुएं का इस्तेमाल करके प्रदर्शन करने लगे। इस घटना ने देश में सनसनी फैला दी और सरकार की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे।

घटना के बाद, दिल्ली पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया। इनमें से एक व्यक्ति का नाम मनोरंजन गौड़ा है, जो कर्नाटक के मैसूर जिले का रहने वाला है। दूसरा व्यक्ति का नाम लाजवंती है, जो उत्तर प्रदेश के लखनऊ जिले की रहने वाली है।

पुलिस ने बताया कि मनोरंजन गौड़ा एक किसान नेता है और वह किसान आंदोलन में शामिल था। वह संसद में घुसकर सरकार को किसानों की समस्याओं के बारे में जागरूक करना चाहता था। लाजवंती एक सामाजिक कार्यकर्ता है और वह महिलाओं के अधिकारों के लिए काम करती है। वह संसद में घुसकर महिलाओं के अधिकारों के बारे में बात करना चाहती थी।

घटना के बाद, सरकार ने संसद की सुरक्षा व्यवस्था को कड़ा करने के लिए कई कदम उठाए हैं। इनमें संसद के प्रवेश द्वारों पर सुरक्षा जांच को और सख्त किया गया है। आने वाले लोगों के बारे में पहले से जानकारी जुटाई जा रही है। संसद के अंदर सीसीटीवी कैमरों की संख्या भी अब बढ़ाई जा रही है। इन कदमों के अलावा, सरकार ने संसद की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा के लिए एक समिति का गठन किया है। यह समिति सुरक्षा व्यवस्था में कमियों को दूर करने के लिए सुझाव देगी।

घटना के बाद, विपक्षी दलों ने सरकार की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की सुरक्षा व्यवस्था इतनी कमजोर है कि कोई भी आसानी से संसद के अंदर घुस सकता है। विपक्षी दलों ने सरकार से संसद की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने की मांग की है।

घटना ने देश की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े किए हैं। यह घटना बताती है कि देश की सुरक्षा व्यवस्था में गंभीर चूकें हैं। सरकार को इन चूकों को दूर करने के लिए कदम उठाने की जरूरत है।

सुरक्षा चूक के कारण

भारतीय संसद में सुरक्षा चूक के कई कारण हैं। इनमें सुरक्षाकर्मियों की संख्या पर्याप्त नहीं बताई जा रही है। कहा जा रहा है कि सुरक्षाकर्मियों को पर्याप्त प्रशिक्षण नहीं दिया जाता है। इन कारणों के अलावा, सुरक्षा चूक के लिए कुछ अन्य कारक भी जिम्मेदार हो सकते हैं। इनमें आतंकवादी संगठनों की बढ़ती गतिविधियां भी हो सकती हैं। तकनीकी विकास के कारण सुरक्षा व्यवस्था की चुनौतियां बढ़ीं हैं।

जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के केंद्र के फैसले को सुप्रीम कोर्ट ने रखा बरकरार

अनिवार्य प्रश्न। संवाद।

वाराणसी। भारतीय सुप्रीम कोर्ट ने गत माह को जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के केंद्र सरकार के फैसले को बरकरार रखा। सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने सर्वसम्मति से फैसला सुनाया।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि अनुच्छेद 370 को निरस्त करना संवैधानिक था। कोर्ट ने कहा कि अनुच्छेद 370 एक विशेषाधिकार था, न कि मौलिक अधिकार। कोर्ट ने कहा कि अनुच्छेद 370 जम्मू-कश्मीर के विकास में बाधा बन रहा था।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए केंद्र सरकार ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक फैसला है। सरकार ने कहा कि यह फैसला जम्मू-कश्मीर के विकास और एकीकरण को बढ़ावा देगा। विपक्षी दलों ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि यह फैसला जम्मू-कश्मीर के स्वायत्तता के अधिकार का उल्लंघन है। विपक्षी दलों ने कहा कि यह फैसला जम्मू-कश्मीर में शांति और स्थिरता को खतरे में डालेगा।

फैसले के सम्भावित प्रभाव

भारतीय सुप्रीम कोर्ट के फैसले के कई प्रभाव होंगे। इन प्रभावों में जम्मू-कश्मीर अब एक पूर्ण राज्य होगा। जम्मू-कश्मीर के नागरिकों को संविधान के सभी प्रावधान लागू होंगे।

जम्मू-कश्मीर में अब केंद्र सरकार का सीधा नियंत्रण होगा।

भारतीय सुप्रीम कोर्ट के फैसले से जम्मू-कश्मीर का इतिहास बदल गया है। माना जा रहा है कि यह फैसला जम्मू-कश्मीर के विकास और एकीकरण को बढ़ावा देगा।

वर्ष 2023 में गुगल पर सबसे ज्यादा सर्च किया गया चन्द्रयान 3 और आर्थिक मन्दी

अनिवर्य प्रश्न। कार्यालय संवाद।

Google दुनिया का सबसे लोकप्रिय खोज इंजन है और लोग हर दिन लाखों बार Google पर खोज करते हैं। 2023 में, Google ने भारत में खोजे गए सबसे लोकप्रिय विषयों की एक सूची जारी की आईये जानते हैं कि सूची में कौन-कौन चीजें शामिल हैं:

चंद्रयान-3

चंद्रयान-3 भारत का चंद्रमा मिशन था, जिसने 2023 में सफलतापूर्वक चंद्रमा पर लैंडिंग की। यह भारत का तीसरा चंद्रमा मिशन था और यह चंद्रमा की सतह पर एक रोबोटिक लैंडर और रोवर को भेजने के लिए डिजाइन किया गया था। चंद्रयान-3 की सफलता भारत के लिए एक बड़ी उपलब्धि थी और यह देश के अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर थी।

आर्थिक मंदी

वैश्विक आर्थिक मंदी की आशंकाओं के कारण आर्थिक मंदी एक प्रमुख चिंता का विषय था। 2023 में, मुद्रास्फीति बढ़ रही थी और कई देशों में आर्थिक विकास धीमा हो रहा था। इन कारकों ने आर्थिक मंदी की आशंकाओं को बढ़ा दिया।

COVID -19 महामारी

COVID -19 महामारी अभी भी चल रही थी, लेकिन भारत में मामलों की संख्या में गिरावट आई थी। 2023 के अंत तक, भारत में COVID -19 से होने वाली मौतों की संख्या 500,000 से अधिक हो गई थी। हालांकि, भारत में टीकाकरण अभियान के कारण मामलों की संख्या में गिरावट आई थी।

राष्ट्रपति चुनाव

भारत में राष्ट्रपति का चुनाव हुआ, जिसमें द्रौपदी मुर्मू जीती। द्रौपदी मुर्मू भारत की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति बनीं। उनका चुनाव देश के सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर था।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव

अमेरिका में राष्ट्रपति का चुनाव हुआ, जिसमें जो बिडेन जीते। जो बिडेन 2020 के चुनाव में हार गए थे, लेकिन उन्होंने 2024 के चुनाव में फिर से चुनाव जीती। बिडेन की जीत ने देश में राजनीतिक स्थिरता की भावना को बढ़ावा दिया।

अन्य लोकप्रिय खोज

Google पर खोजे गए अन्य लोकप्रिय विषयों में शामिल हैं:

भारतीय क्रिकेट टीम
IPL 2023
सलमान खान
करण जौहर
द फैमिली मैन सीजन 3
द कपिल शर्मा शो सीजन 13
द बिग बॉस सीजन 16
फाइनल ऑफ आईपीएल 2023

2023 में Google पर खोजे गए विषयों से पता चलता है कि लोग वर्तमान घटनाओं, मनोरंजन और शिक्षा के बारे में जानने में रुचि रखते हैं। यह भी महत्वपूर्ण है कि भारत में क्रिकेट और बॉलीवुड बहुत लोकप्रिय हैं।

यूट्यूब पर सबसे ज्यादा देखे जाने वाले शीर्ष 10 वीडियो

अनिवर्य प्रश्न। कार्यालय संवाद।

यूट्यूब दुनिया का सबसे लोकप्रिय वीडियो-शेयरिंग प्लेटफॉर्म है। यह दुनिया भर के लोगों के लिए मनोरंजन, सूचना और शिक्षा का एक प्रमुख स्रोत है। 2023 तक, यूट्यूब पर 2.9 बिलियन से अधिक सक्रिय उपयोगकर्ता हैं। यूट्यूब पर सबसे ज्यादा देखे जाने वाले वीडियो आमतौर पर मनोरंजन या संगीत से संबंधित होते हैं। हालांकि, कुछ शैक्षिक और सूचनात्मक वीडियो भी इस सूची में शामिल हैं।

शीर्ष 10 वीडियो

"Despacito" by Luis Fonsi ft. Daddy Yankee (7.9 बिलियन दृश्य)
"Baby Shark Dance" by Pinkfong (10.5 बिलियन दृश्य)
"Johny Johny Yes Papa" by LooLoo Kids (8.9 बिलियन दृश्य)
"Shape of You" by Ed Sheeran (5.8 बिलियन दृश्य)
"Gangnam Style" by PSY (4.4 बिलियन दृश्य)
"See You Again" by Wiz Khalifa ft. Charlie Puth (5.9 बिलियन दृश्य)
"Uptown Funk" by Mark Ronson ft. Bruno Mars (5.1 बिलियन दृश्य)
"One Kiss" by Calvin Harris ft. Dua Lipa (4.5 बिलियन दृश्य)
"Perfect" by Ed Sheeran (4.5 बिलियन दृश्य)
"Bad Romance" by Lady Gaga (3.2 बिलियन दृश्य)

इन वीडियो के लोकप्रिय होने के कई कारण हैं। कुछ वीडियो संगीत के लिए लोकप्रिय हैं, जबकि अन्य बच्चों के लिए मनोरंजक हैं। कुछ वीडियो सूचनात्मक या शैक्षिक हैं। ये वीडियो दुनिया भर में सांस्कृतिक प्रभाव डाल चुके हैं।डेस्पासिटो और बच्चे शार्क डांस जैसे वीडियो ने कई भाषाओं में लोकप्रियता हासिल की है। गंगनम स्टाइल जैसे वीडियो ने दक्षिण कोरियाई संस्कृति को दुनिया भर में लोकप्रिय बनाया है।

गुजरात के द्वारका में हजार महिलाओं द्वारा किया गया गरबा, बना नया विश्व रिकॉर्ड

अनिवार्य प्रश्न। संवाद।

द्वारका। गुजरात के प्रसिद्ध तीर्थस्थल द्वारका में रविवार, 24 दिसम्बर 2023 को एक अनोखा नजारा देखने को मिला। यहां अहीर समुदाय की 37 हजार से अधिक महिलाओं ने एक साथ गरबा किया। यह न केवल एक ऐतिहासिक आयोजन था, बल्कि इसने एक नया विश्व रिकॉर्ड भी बनाया।

महारास के दौरान सभी महिलाओं ने एक जैसे लाल रंग के पारंपरिक वस्त्रों और श्रृंगार में सजकर हिस्सा लिया। महिलाओं एक साथ गरबा नृत्य करते हुए भगवान कृष्ण की भक्ति में लीन हो गईं थीं। इस भव्य आयोजन को

देखने के लिए भी बड़ी संख्या में लोग आये थे।

महारास का आयोजन अहीर समुदाय के एक संगठन द्वारा किया गया था। संगठन के अध्यक्ष ने बताया कि यह आयोजन भगवान कृष्ण की भक्ति और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए किया गया था। उन्होंने कहा कि इस आयोजन से महिलाओं में एकजुटता और आत्मविश्वास का संचार होगा।

महारास का वीडियो सोशल मीडिया पर भी खूब वायरल हो रहा है। लोग इस आयोजन की सराहना कर रहे हैं और इसे एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताया जा रहा है। कहा जा रहा है कि इस आयोजन से गुजरात के पर्यटन उद्योग को भी बढ़ावा मिलेगा। साथ ही माना जा रहा है कि यह आयोजन आने वाले दिनों में द्वारका को एक प्रमुख पर्यटन स्थल बना देगा।

यह आयोजन न केवल एक धार्मिक आयोजन था, बल्कि यह महिला सशक्तिकरण और सामाजिक एकजुटता का भी एक प्रेरक उदाहरण है। महारास का आयोजन अहीर समुदाय के एक संगठन द्वारा किया गया था। संगठन के अध्यक्ष ने बताया कि यह आयोजन भगवान कृष्ण की भक्ति और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए किया गया था। उन्होंने कहा कि इस आयोजन से महिलाओं में एकजुटता और आत्मविश्वास का संचार होगा।

क्या है महारास के पीछे की कहानी?

महारास का आयोजन अहीर समुदाय के एक संगठन, अखिल भारतीय महारास संगठन द्वारा किया गया था। संगठन के अध्यक्ष, राजेंद्र सिंह ने बताया कि यह आयोजन एक लंबे समय से योजनाबद्ध था। संगठन ने इस आयोजन के लिए कई महीनों तक तैयारी की थी।

संगठन के अध्यक्ष ने बताया कि यह आयोजन भगवान कृष्ण की भक्ति और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए किया गया था। उन्होंने कहा कि इस आयोजन से महिलाओं में एकजुटता और आत्मविश्वास का संचार होगा।

न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में खुलेगा भारत का महावाणिज्य दूतावास

अनिवार्य प्रश्न। संवाद।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट ने न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में भारत का महावाणिज्य दूतावास खोलने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। ऑकलैंड में भारत का महावाणिज्य दूतावास खुलने से भारत का राजनयिक पदचिह्न बढ़ाने में मदद मिलेगी और भारत की बढ़ती वैश्विक भागीदारी को देखते हुए भारत का राजनयिक प्रतिनिधित्व सुदृढ़ होगा। इससे भारत के रणनीतिक और वाणिज्यिक हितों को बढ़ावा देने और ऑकलैंड में भारतीय समुदाय का बेहतर ढंग से कल्याण कर पाने में भी सहायता होगी। इस वाणिज्य दूतावास के 12 महीने की समय सीमा के भीतर खोले जाने और पूरी तरह से चालू हो जाने की संभावना है।

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग का पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव को सम्मन

अनिवार्य प्रश्न। संवाद।

नई दिल्ली। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग ने पश्चिम बंगाल सरकार के मुख्य सचिव को सम्मन जारी करते हुए कहा है कि दिनांक 16.01.2024 को 11.00 बजे माननीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के समक्ष मुख्य सचिव, पश्चिम बंगाल सरकार वैयक्तिक रूप से उपस्थिति अपेक्षित और अनिवार्य है ।

पश्चिम बंगाल में सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों की दो भागों (कैटेगरी झ ए और कैटेगरी झ बी) में विभाजित किया गया है । कैटेगरी- ए मेंजातियां शामिल हैं जिसमें कुल 81 जातियां हैं, जिसमें से 73 जातियां मुस्लिम हैं कैटेगरी झ बी में जातियां शामिल हैं जिसमें कुल 98 जातियां हैं, जिसमें से 45 जातियां मुस्लिम हैं । (कैटेगरी- ए) और (कैटेगरी - बी) को मिलाकर कुल 179 जातियां हैं जिसमें से 118 जातियां मुस्लिम हैं । दिनांक 25.03.2013 की तिथि से पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य के(कैटेगरी- ए) के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया और (कैटेगरी- बी)के लिए 7 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया । पश्चिम बंगाल राज्य में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग का कुल आरक्षण का प्रतिशत 45 प्रतिशत है जिसमें से अनुसूचित जाति को 22 प्रतिशत, अनुसूचित जनाति को 6 प्रतिशत और ओबीसी को 17 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है । मण्डल मामले में माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग ने दिनांक 21.03.2023 को अनुशंसा की थी कि ओबीसी के आरक्षण को 17 प्रतिशत बढ़ाकर 22 प्रतिशत करने में कोई कानूनी बाधा नहीं है, अतएव ओबीसी के आरक्षण को 17 प्रतिशत से बढ़ाकर 22 प्रतिशत किया जाय । दिनांक 14.04.2023 को पिछड़ा वर्ग कल्याण, पश्चिम बंगाल सरकार ने आयोग को अपने लिखित उत्तर में बताया है कि राज्य सरकार ने कोई निर्णय नहीं लिया है ।

राजस्थान की गाय के देसी घी से होगी रामलला की पहला आरती

अयोध्या । नए मंदिर में रामलला की पहली आरती राजस्थान के जोधपुर से आए घी से होगी। गुरुवार को राजस्थान से 650 किलो घी अयोध्या लाया गया। खास बात यह है कि घी ट्रेन, बस या कार में नहीं, बल्कि रथ (बैलगाड़ी) से 10 दिन में 1200 किलोमीटर की दूरी तय कर लाया गया है। कारसेवकपुरम में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को यह घी समर्पित किया गया है। रथ के साथ ही 108 छोटे शिवलिंग भी लाए गए हैं। इस रथ को पंचकोसी परिक्रमा भी कराई गई। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि जिन संत महापुरुष के संकल्प से यह गो घृत अयोध्या पहुंचा है, उनके प्रति हम कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। जोधपुर की धरती को प्रणाम करते हैं। दो नवंबर 1990 को दिगंबर अखाड़ा के सामने जब गोली चली थी, उसमें दो लोग शहीद हुए थे। उनमें प्रो. महेंद्र अरोड़ा जोधपुर के थे। उनके साथ जोधपुर के मथानिया गांव का रहने वाला छोटा बालक भी था। उसका नाम सेठाराम माली था। ये गोघृत वहीं से आया है। शायद इनकी

आत्माओं ने यह प्रेरणा दी होगी। ये कहते हुए चंपत राय भावुक हो उठे। 650 किलो घी जोधपुर के बनाड़ स्थित श्रीमहर्षि संदीपनी रामधर्म गोशाला में बनाया गया है। महर्षि संदीपनी ने बताया कि उन्होंने 20 साल पहले संकल्प लिया था कि अयोध्या में जब भी राममंदिर बनेगा, उसके लिए गाय का शुद्ध देसी घी वो लेकर जाएंगे। इसी बीच वर्ष 2014 में उन्होंने गायों से भरे एक ट्रक को रुकवाया, जो जोधपुर से गोकशी के लिए ले जाया जा रहा था। ट्रक में करीब 60 गायें थीं। इन गायों को छुड़वाया और आस-पास की गोशालाओं में ले गए। सभी ने इन गायों को रखने से मना कर दिया। अंत में उन्होंने निर्णय लिया कि वे खुद गोशाला शुरू करेंगे। इन गायों को पालेंगे। ये संकल्प भी था कि जितना भी घी होगा, उसे वे बैल पर ले जाएंगे। शुरुआत में मटकी में घी एकत्र किया। गर्मी की वजह से घी पिघलकर बाहर आने लगा। मटकी में भी दरारें आने लगीं। एक दो बार तो घी भी खराब हो गया। इस पर पता चला कि पांच अलग-अलग जड़ी बूटियों के रस से घी को कई सालों तक सुरक्षित रखा जा सकता है। ऐसे में हरिद्वार से ब्राह्मी व पान की पत्तियों समेत अन्य जड़ी-बूटियां लेकर आए। इनका रस तैयार कर घी में मिलाया। इसके बाद इस घी को स्टील की टंकियों में डालकर एसी के जरिये 16 डिग्री तापमान में रखा। सुरक्षित स्टोरेज का ही नतीजा है कि नौ साल बाद भी घी पहले जैसा रहा।

व्यक्तिगत स्वतंत्रता का हनन स्वीकार्य नहीं-हाईकोर्ट

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक पीड़िता की व्यक्तिगत स्वतंत्रता से संबंधित अपने महत्वपूर्ण आदेश में कहा कि किसी पीड़िता की व्यक्तिगत स्वतंत्रता का हनन किसी भी दशा में स्वीकार्य नहीं किया जा सकता है। महिला की इच्छा के बिना उसे नारी निकेतन में नहीं रखा जा सकता है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति नीरज तिवारी की एकल पीठ ने पीड़िता को उसके नवजात शिशु सहित नारी निकेतन से मुक्त कर उसके पति को सुपुर्द करते हुए पारित किया है। इसके साथ ही सत्र न्यायालय में चल रही समूची प्रक्रिया एवं चाइल्ड वेलफेयर कमेटी, जालौन द्वारा पारित आदेश और पोक्सो एक्ट के अंतर्गत दर्ज मामले को रद्द कर दिया। कोर्ट ने माना कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता व्यक्ति का मौलिक अधिकार है। मामले के अनुसार अभियुक्त मनोज कुमार उर्फ मोनू कठेरिया के खिलाफ पीड़िता की मां द्वारा कोतवाली उरई, जिला जालौन में आईपीसी की विभिन्न धाराओं एवं पोक्सो एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी।

सीएसआर योजना के अन्तर्गत दिव्यांगजनों को निःशुल्क सहायक उपकरण वितरित

अनिवार्य प्रश्न। संवाद

चंदौली। कृषि विज्ञान केंद्र में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, पूर्वी क्षेत्र पाइपलाइन्स, बी.के.पी.एल., डी.डी.यू. नगर को सीएसआर योजना के अन्तर्गत दिव्यांगजनों के लिए निःशुल्क सहायक उपकरण वितरण शिविर का आयोजन किया गया। इसमें बैट्री चालित ट्राईसाइकिल 20, ट्राईसाइकिल 86, फोल्डिंग व्हील चेयर 15, बैसाखी 74, वाकिंग स्टिक 26, कान की मशीन 36, सुगम्य केन 06, स्मार्ट फोन 04, ए.डी.एल. किट 03, सेल फोन 03, कैलीपर्स और कृत्रिम अंग 12 का वितरण हुआ।

राज्यसभा सांसद श्रीमती दर्शना सिहं ने संबोधित करते हुए कहा कि केन्द्र सरकार के मंशानुरूप इंडियन मिल कॉरपोरेशन लिमिटेड पूर्वी क्षेत्र पाइपलाइन्स बी.के.पी.एल की सीएसआर योजना के अंतर्गत

दिव्यांगजन को दैनिक जीवन को आसान करने में बड़ी मददगार साबित होगी। उन्होंने दिव्यांगों को फूलमालाएं पहनाकर ट्राई साइकिल एवं अन्य उपकरण दीं।

विगत दिनांक 04 सितम्बर 2023 को चंदौली सदर खण्ड कार्यालय एवं दिनांक 09 सितम्बर 2023 को विकास खण्ड सकलडीहा कार्यालय में 151 एलिम्को द्वारा पूर्व चिन्हित लाभार्थियों को लगभग रुपए 25 लाख की लागत के 285 सहायक यन्त्र एवं उपकरण वितरित किया गया।

कार्यक्रम में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड से सुमन कुमार, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी चंदौली राजेश नायक, एलिम्को से मृणाल कुमार विकास कुमार और चंदन चांद आदि गणमान्य रहे।

बेसिक व माध्यमिक स्कूलों में रामायण से जुड़े प्रसंगों पर होगी प्रतियोगिता

लखनऊ । अयोध्या में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का दिव्य-भव्य मंदिर के उद्घाटन के अवसर पर जहां प्रदेश भर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। वहीं प्रदेश सरकार स्कूली बच्चों में श्रीराम के आदर्शों को उतारने का भी काम करेगी। रामायण से जुड़े प्रसंगों पर चित्रकला, लेखन, वेशभूषा व रामायण गायन आदि प्रतियोगिताएं होंगी। इसका उद्देश्य नई पीढ़ी को आध्यात्मिक रूप से समृद्ध करना है। प्रदेश सरकार की ओर से रामायण से जुड़े विभिन्न प्रसंगों पर आधारित चित्रकला, लेखन, वेशभूषा व रामायण गायन आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। यह प्रतियोगिता यूपी के सभी बेसिक व माध्यमिक स्तर के विद्यालयों में होगी। यही नहीं अयोध्या के विभिन्न घाटों व स्थलों पर रामायण से जुड़ी कलाकृतियों की स्थापना की जानी है। इन कलाकृतियों की आधुनिक रूप से साज-सज्जा प्रस्तावित है। कलाकृतियों के निर्माण का कार्य उत्तर प्रदेश राज्य ललित कला अकादमी लखनऊ के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर के कलाकारों द्वारा कराया जाना प्रस्तावित है। संस्कृति विभाग की ओर से अयोध्या में प्राण-प्रतिष्ठा के आयोजन के दृष्टिगत लगभग 100 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। रामोत्सव के अंतर्गत प्रतियोगिताओं व मूर्तिकला-चित्रकला के जरिए युवाओं को प्रेरित करने के लिए भी बजट खर्च होगा। प्रतियोगिताओं पर 4 करोड़ और मूर्तिकला-चित्रकला पर ढाई करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। युवाओं को रामायण के प्रसंग से अवगत कराने के उद्देश्य से होने वाला यह कार्यक्रम अलौकिक, दिव्य व भव्य होगा।

श्रीलंका के समुद्री क्षेत्र से 21 भारतीय मछुआरे गिरफ्तार

नई दिल्ली । श्रीलंका के समुद्री क्षेत्र से 21 भारतीय मछुआरों को अवैध तरीके से सीमा पार करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए सचिन, विराट और अमिताभ को आमंत्रण

अयोध्या। राम मंदिर के शुभारंभ और राम लला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए अतिथियों की लिस्ट को अंतिम रूप दिया जा रहा है। प्राण प्रतिष्ठा समारोह में देश की जानी-मानी हस्तियां शामिल होंगी। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट सात हजार अतिथियों को आमंत्रित कर रहा है। इनमें देश के विभिन्न परंपराओं के संत-धर्माचार्य, कलाकार, साहित्यकार, खेल जगत की हस्तियां, न्यायाधीश, उद्योगपति आदि शामिल हैं। समारोह में पीएम नरेंद्र मोदी, सीएम योगी आदित्यनाथ, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत समेत तीन हजार वीवीआईपी शामिल होंगे। सूची में क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, सिनेमा जगत से अमिताभ बच्चन, कंगना रनौत, दीपिका चिखालिया, अक्षय कुमार, गायिका आशा भोंसले, अरुण गोविल, उद्योगपति मुकेश अंबानी, गौतम अडाणी, रतन टाटा को भी आमंत्रण भेजा गया है। इसके लिए सेवानिवृत सैन्य अधिकारी, वैज्ञानिक, पद्मश्री और पद्मभूषण से सम्मानित हस्तियों को भी आमंत्रण भेजे गए हैं।श्रीराम जन्मभूमि परिसर में नवनिर्मित राममंदिर में रामलला की नई मूर्ति की पहली आरती प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही उतारेंगे।

अब लोकल फॉर ग्लोबल पर करना होगा फोकस- मोदी

प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का किया उद्घाटन

देहरादून। प्रधानमंत्री ने गत 8 दिसम्बर गुरुवार को उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का उद्घाटन किया। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि देश को अब वोकल फॉर लोकल और लोकल फॉर ग्लोबल पर फोकस करना होगा। कार्यक्रम में बोलते हुए पीएमी ने कहा, पिछले कुछ सालों में भारत का विशेष विकास हुआ है। देश की एक आबादी ऐसी थी जो हर चीज से वंचित थी। सरकार की योजनाओं की वजह से सिर्फ 5 साल में 13 करोड़ से ज्यादा लोग गरीबी से बाहर आ गए हैं। आज देश की उपभोग आधारित अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है। हमें लोकल के लिए वोकल और ग्लोबल के लिए लोकल बनना होगा। उन्होंने आगे कहा कि राज्य में बड़े विकास कार्यों ने हर निवेशक के लिए दरवाजे खोल दिये हैं। पीएम मोदी ने कहा कि, आज उत्तराखंड में ग्रामीण सड़कों पर बहुत तेजी से काम चल रहा है। वो दिन

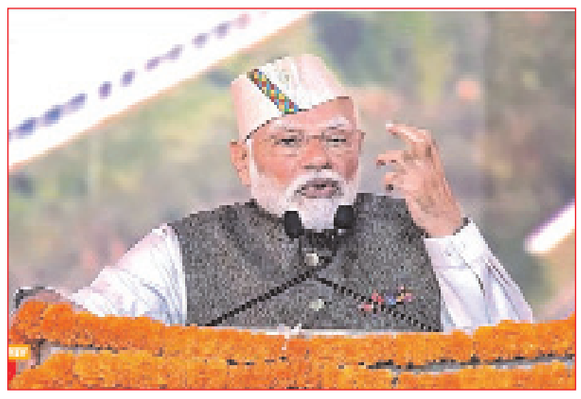

दूर नहीं जब दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे का सफर दो घंटे का होने वाला है। यहां रेल लाइन मजबूत होने वाली है। ये सब रास्ते हर निवेशक के लिए सुनहरे अवसर लेकर आए हैं। जो क्षेत्र विकास में पीछे रह गए थे उन्हें आगे लाया जा रहा है जिसका मतलब है कि उत्तराखंड में हर निवेशक को अधिकतम लाभ दिलाने की बेजोड़ क्षमता है।राज्य सशक्तिकरण का एक नया ब्रांड बनकर उभरने जा रहा है। पीएम मोदी ने कहा, यहां प्रकृति, संस्कृति, विरासत, आयुर्वेद, योग जैसी संभावनाएं हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि 21वीं सदी का तीसरा दशक उत्तराखंड का दशक है और आप सभी को राज्य की इस विकास यात्रा से जुड़ने का एक बड़ा अवसर भी मिल रहा है। पीएम मोदी ने इस बात पर भी जोर दिया, देश के पीएम के रूप में मेरे तीसरे कार्यकाल में, भारत निश्चित रूप से दुनिया की शीर्ष 3 अर्थव्यवस्थाओं में सूचीबद्ध होगा। शिखर सम्मेलन का उद्घाटन करने से पहले, पीएम मोदी ने देहरादून में एक रोड शो किया और देहरादून में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 के आयोजन स्थल पर एक प्रदर्शनी का भी निरीक्षण किया।पीएम मोदी ने कहा, मेरे पास लखपति दीदी अभियान बनाने का एक विजन है जिसमें मैं आने वाले समय में 2 करोड़ ग्रामीण महिलाओं को लखपति बनाना चाहता हूं। यह मुश्किल है लेकिन यह समिट भी मदद करेगा। मैं सभी व्यवसायियों से भी कहना चाहता हूं कि वे जिलों में जाएं राज्य की और स्थानीय उत्पादों की पहचान करें। अब इस स्थानीय आपूर्ति श्रृंखला, हमारी प्रणाली को मजबूत करने का समय है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हम अन्य देशों पर कम से कम निर्भर हों। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि संभावनाओं से भरपूर उत्तराखंड की धरती हर किसी के लिए निवेश के अनेक दरवाजे खोलने जा रही है।प्रधानमंत्री ने कार्यक्र में कहा, उत्तराखंड वह राज्य है जहां आप सम्मान और विकास दोनों को एक साथ महसूस करते हैं। आज भारत विकास और विरासत के मंत्र के साथ आगे बढ़ रहा है। आज आप देश में नीति-संचालित शासन देखेंगे। आकांक्षी भारत अस्थिरता नहीं चाहता। वह स्थिरता चाहता है।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 91वें समारोह का किया उद्घाटन

गोरखपुर । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गत चार दिसम्बर को गोरखपुर में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 91वें संस्थापक सप्ताह समारोह का उद्घाटन किया। सीएम योगी ने कहा कि महाराणा प्रताप, महंत दिग्विजयनाथ, महंत अवेद्यनाथ जैसे ऋषि मुनि और महापुरुष का एक ही ध्येय राष्ट्र प्रथम का रहा है। उन्होंने कहा कि सभी लोग भारत को विकसित बनाने का संकल्प लें। सीएम योगी ने कहा लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए हर संभव प्रयास करें। जीवन के लक्ष्य की ओर बढ़ने का प्रयास करें। राष्ट्र प्रथम के भाव से काम करने से ही सफलता हासिल होगी। सभी लोग भारत को विकसित बनाने का संकल्प लें। सीएम योगी ने कहा कि संकट में भी महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद ने हमेशा सकारात्मक काम किया है। इस बात पर हमें गर्व है। उन्होंने कहा कि हर राह किसी न किसी मंजिल तक पहुंचाती है। जरूरत सही मंजिल के लिए सही राह चुनने की है। वर्तमान में 142 करोड़ देशवासियों का लक्ष्य देश को विकसित

और दुनिया की सबसे बड़ी ताकत बनाना है। विकसित व आत्मनिर्भर भारत की राह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव में दिए गए पंच प्रण हैं। सीएम योगी ने कहा कि महाराणा प्रताप शौर्य, स्वाभिमान और स्वावलंबन की प्रतिमूर्ति हैं। देश को ऐसी ही भावनाओं से जोड़ते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आजादी के अमृत वर्ष में पंच प्रण की राह पर चलने का लक्ष्य दिया है। पंच प्रण यानी गुलामी की मानसिकता से मुक्ति, विरासत का सम्मान, महापुरुषों, लोक कलाओं परम्पराओं पर गौरव, एकता का संकल्प और नागरिक कर्तव्यों का निर्वहन। देश की 142 करोड़ आबादी यदि पंच प्रण के अनुरूप राष्ट्र प्रथम की भावना से काम करे तो विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने और देश को दुनिया की सबसे बड़ी ताकत बनने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय जाति, क्षेत्र और भाषा के नाम पर वही लोग बांटना चाहते हैं। जो भारत को दुनिया की सबसे बड़ी ताकत के रूप में नहीं देखना चाहते। उन्होंने आह्वान किया कि 142 करोड़ लोगों के भारत को एकजुट रहकर विखंडन की खाई को चौड़ा नहीं होने देना है।

बिहार कैबिनेट की बैठक में कुल 23 एजेंडों पर लगी मुहर

पटना । मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में बिहार कैबिनेट की बैठक संपन्न हो गई। इस बैठक में कुल 23 एजेंडों पर मुहर लगी है। इसमें मुख्य रूप से इलेक्ट्रिक वाहन एवं इलेक्ट्रिक वाहनों के चार्जिंग स्टेशनों को स्थापित करने के लिए बिहार इलेक्ट्रिक वाहन नीति 2023 की स्वीकृति मिली है। अब ई- गाड़ी खरीदने पर डेढ़ लाख तक की छूट मिलेगी। दो पहिया वाहन पर टैक्स में छूट दी गई है। सरकार 50 फीसदी टैक्स में राहत देगी। वहीं पहले दस हजार वाहनों के लिए पांच हजार रुपए की सब्सिडी और एससी वर्ग के लाभुकों को 7500 रुपए की सब्सिडी मिलेगी। पहले दस हजार वाहनों पर टैक्स में 75 प्रतिशत की छूट मिलेगी। तीन पहिया यात्री वाहन और माल वाहन में टैक्स में 50 फीसदी की छूट देगी। वहीं चार पहिया वाहन पर अधिकतम 1.50 लाख रुपए तक सब्सिडी मिलेगी। पहले दस हजार वाहनों पर 75 फीसदी टैक्स में राहत मिलेगी। इसके अलावा सरकारी सस्थानों में चार्जिंग स्टेशन बनेगा। साथ ही परिवहन विभाग के द्वारा बिहार के 6 प्रमुख नगर पटना, मुजफ्फरपुर, गया, भागलपुर, दरभंगा, एवं पूर्णिया नगरों के लिए 400 इलेक्ट्रिक बसों की व्यवस्था पीएम ई-बस सेवा योजना की स्वीकृति मिली है। साथ ही कला संस्कृति युवा विभाग की ओर से पश्चिमी चंपारण के बेतिया में 2000 क्षमतायुक्त प्रेक्षागृह के निर्माण के लिए 47 करोड़ 91 लाख 45 हज़ार 5 सौ राशि की स्वीकृति मिली है। इसके अलावा मोतिहारी में भी 2000 क्षमतायुक्त प्रेक्षागृह के निर्माण के लिए 47 करोड़ 77 लाख 20 हज़ार 3 सौ रुपए की राशि को स्वीकृति मिली है। इसके अलावा विधि विभाग में आईटी वर्ग में 81 पदों के सृजन की स्वीकृति मिली है। वहीं श्रम संसाधन विभाग में विभिन्न कोटि के कुल स्वीकृत 93 पदों में से 72 पदों को प्रत्यर्पित कर बिहार राज्य श्रम कल्याण समिति के प्रशासनिक नियंत्रण में संचालित होने वाली दसरथ मांझी श्रम एवं नियोजन अध्यन संस्थान में विभिन्न कोटि के कुल 33 पदों की स्वीकृति मिली हैं।

देश को विभाजित करना बन्द करे विपक्ष- पीयूष गोयल

नयी दिल्ली । केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने गत 6दिसम्बर को विपक्षी दलों से देश को उत्तर और दक्षिण भारत के आधार पर नहीं बांटने को कहा। उन्होंने यह भी पूछा कि क्या विपक्षी गठबंधन इंडिया के घटक दल द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के सांसद की हिंदी भाषी राज्यों के खिलाफ टिप्पणी का समर्थन करते हैं? लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान अपने उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय से संबंधित एक पूरक प्रश्न का उत्तर देते हुए गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक राष्ट्र, एक राशन कार्ड का विचार लेकर आए हैं, ताकि पूरे देश को सब्सिडी वाला खाद्यान्न प्राप्त करने की एकल पारदर्शी प्रणाली के माध्यम से एकजुट किया जा सके। उन्होंने विपक्ष पर तीखे हमले करते हुए कहा, हम यह नहीं पता करते कि कौन कहां से कहां 'माइग्रेट करता है। अब किसी राशन कार्ड को जेब में लेकर घूमने की आवश्यकता नहीं, बल्कि अब अंगूठा ही राशन कार्ड है। व्यक्ति देश में कहीं भी जाएगा उसे राशन मिलेगा।

कुछ विपक्षी सदस्यों की आपत्तियों के बीच उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री हमेशा लोगों को एकजुट करने के लिए काम करते हैं। लेकिन विपक्ष देश को विभाजित करने की कोशिश कर रहा है। उनमें से कुछ ने उत्तर और दक्षिण भारत के बारे में भी बात की। कृपया देश को विभाजित करना बंद करें। आपत्तियों पर सख्त रुख दिखाते हुए मंत्री ने पलटवार करते हुए पूछा, क्या आप कल इस सदन में दिए गए एक सदस्य के बयान का समर्थन करते हैं? क्या इंडिया गठबंधन के सदस्य उस सांसद के बयान का समर्थन करते हैं? हालांकि, गोयल ने विवादास्पद टिप्पणी करने वाले द्रमुक सदस्य डी एन वी सेंथिल कुमार का नाम नहीं लिया। गोयल ने कहा कि देश में 81.35 करोड़ लोगों को अब प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मुफ्त अनाज मिल रहा है। उन्होंने कहा, यह योजना कम आय वाले परिवारों के लिए केंद्र सरकार द्वारा 100 प्रतिशत वित्त पोषण के तहत पूरे भारत में लागू की गई है। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकारों ने बताया है कि हाल के दिनों में देश में भूख से किसी की मौत नहीं हुई है।

श्रीराम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की तैयारियां तेज

अनिवार्य प्रश्न। संवाद

अयोध्या । श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से श्रीराम मंदिर में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तैयारियां तेज हो गईं हैं। इस बीच ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने एक्स अकाउंट पर जारी बयान में कहा, हम नही जानते अयोध्या में 22 जनवरी को 25 हजार लोग आयेंगे या 25 लाख, लेकिन हमारा निवेदन यहीं है कि 22 जनवरी के बाद अयोध्या आएं। आप अपने स्थान पर आनंद मनाइये, भजन कीर्तन कीजिए, त्योहार मनाइये और अपने घरों के दरवाजे दीपक से प्रकाशित कीजिए। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए मेहमानों को आमंत्रण भेजने का क्रम तेज कर दिया गया है। इसी क्रम में ट्रस्ट की ओर से मंदिर आंदोलन में जान गंवाने वाले कारसेवकों के परिजनों को भी आमंत्रित किया जा रहा है। 1990 के गोलीकांड में मारे गए शरद व रामकुमार कोठारी की बहन पूर्णिमा कोठारी रविवार को अयोध्या पहुंचीं। उन्होंने श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय से मुलाकात की। रामलला के दर्शन भी किए। राममंदिर निर्माण से उनके भाइयों का सपना पूरा हो रहा है। उनके सपने को पूरा होते देखना जीवन का सबसे सुखद क्षण है। ट्रस्ट की ओर से उन्हें व परिजनों को प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए आमंत्रित किया गया है। समारोह में वे भी रामलला के भक्तों की सेवा के लिए 10 दिवसीय जलपान शिविर लगाने जा रही हैं। इसकी अनुमति ट्रस्ट की ओर से मिल गई है। यह शिविर 16 से 24 जनवरी तक लगाया जाएगा। पूर्णिमा कोठारी ने कहा कि राममंदिर आंदोलन स्वतंत्रता आंदोलन से कम नहीं था। श्रीराम के प्रति आस्था का चरम इस कदर था कि पांच सौ सालों तक चले संघर्ष में लाखों ने जान गंवाई। युवा पीढ़ी मंदिर आंदोलन को याद रखे इसलिए श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से अपील है कि संग्रहालय बनाकर आंदोलन का सुदीर्घ इतिहास संरक्षित किया जाना चाहिए।

शीतकालीन सत्र की शुरुआत के समय प्रधानमंत्री का जोरदार स्वागत

सदन में लगे मोदी-मोदी के नारे

नयी दिल्ली । तीन राज्यों में विधानसभा चुनावों की जीत से उत्साहित भाजपा के सांसदों ने गत चार दिसम्बर को संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत के समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जोरदार स्वागत किया। लोकसभा की कार्यवाही शुरू होने पर जैसे ही प्रधानमंत्री सदन में आये तो कई केंद्रीय मंत्रियों सहित भाजपा के सांसद मोदी मोदी के नारे लगाने लगे। इससे पहले संसद भवन पहुँचने पर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा का भी पार्टी के सांसदों और केंद्रीय मंत्रियों ने स्वागत किया। इसके अलावा चुनावी राज्यों से संबंध रखने वाले सांसदों को अन्य सांसद जीत की बधाई देते नजर आये। संसद भवन में जब भाजपा सांसद मोदी मोदी के नारे लगा रहे थे और तालियां बजा रहे थे तब अग्रिम पंक्ति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, परिवहन मंत्री नितिन गडकरी शांत बैठे मुस्कुरा रहे थे। इससे पहले संसद भवन परिसर में मीडिया से बात करते हुए प्रधानमंत्री ने विपक्षी दलों से आग्रह किया कि संसद के शीतकालीन सत्र में वे, विधानसभा चुनावों में मिली पराजय का गुस्सा ना निकालें बल्कि उससे सीख लेते हुए नकारात्मकता को पीछे छोड़ें और सकारात्मक रुख के साथ आगे बढ़ें। सत्र के पहले दिन मीडिया को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि यदि

विपक्षी दल 'विरोध के लिए विरोध' का तरीका छोड़ दें और देश हित में सकारात्मक चीजों में साथ दें तो देश के मन में उनके प्रति आज जो नफरत है, हो सकता है वह मोहब्बत में बदल जाए। चार राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजों को 'बहुत ही उत्साहवर्धक' करार देते हुए उन्होंने कहा, ''देश ने नकारात्मकता को नकारा है। सत्र के प्रारंभ में विपक्ष के साथियों के साथ हमारा विचार-विमर्श होता है। हमारी टीम उनसे चर्चा करती है। मिलकर के सबके सहयोग के लिए हम हमेशा प्रार्थना करते हैं। इस बार भी इस प्रकार की सारी प्रक्रियाएं कर ली गई हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, सार्वजनिक रूप से हमेशा हमारे सभी सांसदों से आग्रह करता हूं कि लोकतंत्र का यह मंदिर जन आकांक्षाओं के लिए, विकसित भारत की नयी राह को अधिक मजबूत बनाने के लिए बहुत महत्वपूर्ण मंच है। मैं सभी सांसदों से आग्रह कर रहा हूं कि वह ज्यादा से ज्यादा तैयारी करके आएं तथा सदन में जो भी विधेयक रखे जाएं, उन पर गहन चर्चा हो।'' उन्होंने कहा कि एक सांसद जब सुझाव देता है तो उसमें जमीनी अनुभव का उत्तम तत्व होता है लेकिन अगर चर्चा ही नहीं होती है तो देश को इसका नुकसान होता है। प्रधानमंत्री ने कहा, ''अगर मैं वर्तमान चुनाव नतीजे के आधार पर कहूं तो विपक्ष में जो बैठे हुए साथी हैं उनके लिए यह स्वर्णिम अवसर है। इस सत्र में पराजय का गुस्सा निकालने की योजना बनाने के बजाय, इस पराजय से सीखकर, पिछले 9 साल में चलाई गई नकारात्मकता की प्रवृत्ति को छोड़कर, इस सत्र में अगर सकारात्मकता के साथ आगे बढ़ेंगे तो देश उनकी तरफ देखने का दृष्टिकोण बदलेगा।'' प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वे विपक्ष में हैं फिर भी वह उन्हें सकारात्मक सुझाव दे रहे हैं ।

किसानों को अब कम ब्याज पर मिलेगा अधिक कर्ज

अनिवार्य प्रश्न। संवाद

बरेली । शासन ने रबी सीजन में कम ब्याज पर अधिक कर्ज देने के लिए ऋण वितरण का लक्ष्य बढ़ाया है। बीते वर्ष रबी सीजन में बरेली मंडल के किसानों को 7,426.87 करोड़ रुपये का ऋण दिया गया था। इस वर्ष 7,983.60 करोड़ रुपये ऋण देने का लक्ष्य शासन ने दिया है। अलीगढ़, आगरा और बरेली मंडल की कृषि गोष्ठी 23 नवंबर को हुई थी। इसमें कृषि सचिव राजशेखर ने आगरा और अलीगढ़ के मुकाबले बरेली मंडल में कम ऋण वितरण का मामला उठाते हुए डीएम को बैंकर्स के साथ समन्वय स्थापित कर उसे बढ़ाने का निर्देश दिया था। इसके बाद बैंकवार लक्ष्य बांटे गए। जिला कृषि अधिकारियों व सहकारिता विभाग के अधिकारियों ने बैंकर्स के साथ संवाद बढ़ाया है। किसानों को क्रेडिट कार्ड की सीमा के अनुरूप ऋण लेने के लिए प्रेरित किया है। संयुक्त निदेशक कृषि डॉ. राजेश कुमार ने बताया कि प्रस्तावित क्रेडिट प्लान के मुताबिक ऋण वितरण नहीं हुआ है। बैंकर्स व सहकारी समितियों से ऋण वितरण को रफ्तार देने का आग्रह किया गया है। शाहजहांपुर जिले में अब तक 1,460.34 करोड़ रुपये के ऋण बांटे जा चुके हैं। पीलीभीत जिले में 1,128.53 करोड़, बरेली में 492.69 करोड़ और बदायूं जिले में 364.23 करोड़ रुपये के ऋण वितरित किए गए हैं। जिला कृषि अधिकारी धीरेंद्र सिंह चौधरी ने बताया कि कृषि उपकरणों और खाद-बीज की जरूरत को पूरा करने के लिए सहकारी समितियां तीन फीसदी ब्याज पर ऋण देती हैं। व्यावसायिक बैंकों से सात फीसदी की दर पर फसली ऋण मिल रहा है।

देश एक बड़ी छलांग लगाने के लिए तैयार- प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री ने लगातार तीसरी बार सत्ता में आने का जताया विश्वास

नयी दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लगातार तीसरी बार अपने 7 लोक कल्याण मार्ग स्थित आवास पर लौटने का विश्वास जताते हुए कहा कि उनके साथी नागरिकों को यह एहसास हो गया है कि देश एक बड़ी छलांग लगाने के लिए तैयार है और वे चाहते हैं कि उनकी आकांक्षाओं को जल्द से जल्द पंख लगें। भाजपा ने तीन प्रमुख राज्यों – मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ – में जीत हासिल की है, जहां पिछले महीने विधानसभा चुनाव हुए थे, जिससे अगले साल होने वाले लोकसभा चुनावों के लिए अच्छी स्थिति और चुनावी माहौल तैयार हो गया है।

एक साक्षात्कार में पीएम मोदी ने कहा कि भारतीय अब सराहना करते हैं और स्वीकार करते हैं कि देश उड़ान भरने के कगार पर है और चाहते हैं कि इस उड़ान में तेजी लाई जाए। प्रधानमंत्री की इस टिप्पणी को अगले आम चुनाव के संदर्भ में देखा जा रहा है, जो अप्रैल और मई 2024 के बीच होने वाले हैं। पीएम मोदी ने आम आदमी के जीवन में ठोस बदलाव लाने में अपनी सरकार के ट्रैक रिकॉर्ड का हवाला देते हुए कहा कि उन्हें जीत का पूरा भरोसा है।

पीएम मोदी ने इंटरव्यू में कहा, आज भारत के लोगों की आकांक्षाएं 10 साल पहले की तुलना में बहुत अलग हैं। उन्होंने कहा, उन्हें एहसास है कि हमारा देश उड़ान भरने के कगार पर है। वे यह उड़ान चाहते हैं। इसमें तेजी लाई जानी चाहिए और वे जानते हैं कि यह सुनिश्चित करने के लिए सबसे अच्छी पार्टी वही है जो उन्हें यहां तक लेकर आई है। हाल ही में पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में, पीएम मोदी को अपने प्रचार अभियान के केंद्र में रखते हुए, भाजपा ने केंद्रीय राज्यों में शानदार जनादेश हासिल किया। इस जनादेश ने न केवल अपने प्रतिद्वंद्वियों को बल्कि कुछ चुनाव विशेषज्ञों को भी पछाड़ दिया, जिन्होंने मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में कड़े मुकाबले की भविष्यवाणी की थी।

एग्जिट पोल के कड़े मुकाबले के अनुमानों को धता बताते हुए बीजेपी ने राजस्थान में 115 सीटें जीत लीं। कांग्रेस 69 सीटों के साथ दूसरे स्थान पररही। सांगानेर से पहली बार विधायक बने भजन लाल शर्मा ने 15 दिसंबर को राजस्थान के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। दीया कुमारी और प्रेम चंद बैरवा ने भी रेगिस्तानी राज्य के उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ में, रायगढ़ निर्वाचन क्षेत्र से 1999 से 2014 तक लगातार चार बार लोकसभा में जीत हासिल करने वाले विष्णु साई ने 13 दिसंबर को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली।

छत्तीसगढ़ की 90 विधानसभा सीटों में से बीजेपी को 54 सीटें मिलीं, जबकि मौजूदा कांग्रेस की सीटें घटकर 35 रह गईं। मध्य प्रदेश में, भाजपा ने लगभग 20 वर्षों की सत्ता-विरोधी लहर से जूझने के बावजूद, 163 सीटें हासिल करके शानदार जनादेश हासिल किया, जबकि कांग्रेस की संख्या घटकर 66 सीटों पर आ गई।भाजपा विधायक मोहन यादव, जिन्हें पार्टी के शीर्ष नेताओं ने सीएम पद के लिए एक और आश्चर्यचकित कर दिया था, को भी 13 दिसंबर को पद की शपथ दिलाई गई। साथी पार्टी नेता जगदीश देवड़ा और राजेंद्र शुक्ला ने राज्य के उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली।

राहुल गांधीपर केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने की तीखी टिप्पणी

नई दिल्ली । बीते 22दिसम्बर गुरुवार को कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक आयोजित की गई थी। इस दौरान कांग्रेस के नेताओं ने आगामी लोकसभा चुनावों को लेकर रणनीति तैयार करने पर चर्चा की। साथ ही कई नेताओं, कांग्रेस सांसदों ने राहुल गांधी से भारत जोड़ो यात्रा 2.0 की शुरुआत करने का आग्रह किया, जिसमें नेताओं ने अनुरोध किया कि वह पूर्व से पश्चिम तक एक भारत जोड़ो यात्रा का आयोजन करें। वहीं भाजपा उन्हें सभापति जगदीप धनखड़ मिमिक्री मामले में घेरते नजर आ रही है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने तीखी टिप्पणी की है। पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने राहुल गांधी को अपरिपक्व, अलोकतांत्रिक, अगंभीर व्यक्ति करार दिया है। उन्होंने कहा कि चाहे वे संसद के अंदर हो या बाहर हर जगह वे अपरिपक्वता दिखाते हैं। साथ ही उनके कार्य और भाषण अलोकतांत्रिक होते हैं। उनकी कई बार आलोचना हो चुकी है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी संसद में ही नहीं आते थे, सिर्फ मोबाइल पर ही रहते थे। टीएमसी सांसद द्वारा सभापति की मिमिक्री का वीडियो रिकॉर्ड किए जाने पर राहुल गांधी को लेकर केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि राहुल गांधी ने जो किया उसके लिए देश उन्हें कभी माफ नहीं करेगा। अगर एक सांसद ने गलत काम किया है तो आपको उन्हें रोकना चाहिए था, लेकिन वह भी उन लोगों के साथ शामिल हो गए जिन्होंने गलत काम किया था। हद तो तब हो गई जब उन्होंने माफी मांगने के बजाए उन्हीं पर गंभीर आरोप लगा डाले। उन्होंने कहा कि जो नहीं करना चाहिए था वो राहुल गांधी ने किया।

दो घरों का ताला तोड़कर 20 लाख की भीषण चोरी

वाराणसी । रोहनिया स्थानीय थाना क्षेत्र के नरऊर गांव में गत 19 दिसम्बर की रात दो घरों का ताला तोड़कर लगभग 20 लाख के गहनों व हजारों रुपए की नकदी पर चोरों ने हाथ साफ कर लिया।बता दे की घटना रोहनिया क्षेत्र के नरऊर गांव में बीती रात की है, जहां चोरों ने खेत की जाली काट कर खेतों से होते हुए दिवाल फांदकर एक घर में चढ़े, जहां से रामजनम सिंह के घर से अलमारी में रखें तीन मंगलसूत्र, दो सोने की चेन, एक अंगूठी, 5000 रुपये नकदी पर हाथ साफ कर लिया,तो वहीं दूसरी घटना ठीक उसी के बगल की है जहां एक ही घर के दो परिवारों आशीष सिंह (डीबू) पत्नी जया सिंह व स्व अनूप सिंह पत्नी आरती सिंह के घर से 40 हजार नकदी सहित 15 लाख के गहनों पर चोरों ने हाथ साफ कर लिया। साथ ही चोरों ने घर में घुसकर बाहर से कुछ पत्थरों को छत पर इकट्ठा करके भी रख लिया था, जिससे किसी के किसी आने पर हमला भी किया जा सके । चोर जया सिंह व आरती सिंह के अलग अलग कमरों में रखे आलमारी की चाबी खोलकर और तिजोरी को तोड़कर व छोटे-छोटे हैंड बैग में रखे कीमती गहनो को भी ले गए।साथ ही चोरों ने घर में रखे बक्सा, संदूक को भी तोड़कर सारा सामान उलट पलट कर काफी खोजबीन करके जो भी हाथ लगा माल समेटकर चंपत हो

गए हैं। पीड़िता आरती सिंह व जया सिंह ने कयास लगाया कि स्लाइडर डोर को खोल कर कमरे में किसी प्रकार का स्प्रे कर घटना को अंजाम दिया गया क्यों कि जिस कमरे में हम लोग सोए थे उसका दरवाजा चिपका हुआ था प्रति दिन मोबाइल में 5 बजे सुबह उठने का अलार्म लगा है, अलार्म बजा लेकिन सुबह 5 बजे नींद नहीं खुला और जब 7 बजे सो कर उठी तो देखा कि एक दरवाजे का कुंडी कटा हुआ था ताला टूटा हुआ था व अलमारी बक्से संदूक की सामाने पूरी तरह कमरे में बिखरी पड़ी हुई थी। तभी बाहर पड़ोस रामजनम सिंह के यहां भी हल्ला होने लगा कि पड़ोस के घर में चोरी हुई है वहीं घटना के बाद सूचना पर पहुंचे एसीपी विदुष सक्सेना सहित डॉग स्क्वाड व फॉरेंसिक ने घटनास्थल का निरीक्षण किया एसीपी विदुष सक्सेना ने बताया कि चार-पाच लोगों को आते हुए सीसीटीवी कमरे में देखा गया है, जिनको चिन्हित किया जा रहा है वही एसीपी विदुष सक्सेना कयास लग रहे हैं कि हो ना हो घर का ही कोई सदस्य घटना में शामिल हो।बताते चले की आरती के पति की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी व ससुर की गंभीर बीमारी के चलते मौत हो गई थी सांस कुंडल व बहू आरती खेती कर अपना जीवन यापन करते हैं।बीते महीने अखरी चौकी क्षेत्र में वृद्ध महिला व पुरुष को बंधक बनाकर की गई लूट की घटना का खुलासा भी नहीं हुआ कि नरउर गांव में दो घरों को चोरों ने निशाना बनाकर लगभग 20 लख रुपए के नगदी समेत गहनों पर चोरों ने हाथ साफ कर दिया ।

आने वाले समय में सड़कों के मामले में भारत करेगा अमेरिका की बराबरी- गडकरी

तिरुवनंतपुरम। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने ऐलान कर दिया है कि भारत आने वाले समय में सड़कों के मामले में अमेरिका की बराबरी कर लेगा। उन्होंने कहा है कि भारत का लक्ष्य अगले पांच साल में अपने सड़क बुनियादी ढांचे को अमेरिका के बराबर करने का है। उन्होंने कहा कि एक व्यापक रणनीति के तहत सरकार महानगरों की भीड़ को कम करने, यात्रा के समय को घटाने और सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए काम कर रही है।गडकरी ने बताया कि पिछले नौ साल में उनके मंत्रालय ने 50 लाख करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाएं आवंटित की हैं और मौजूदा नीतियों को बेहतर कर अनुबंध मंजूरी प्रक्रिया को सुव्यवस्थित किया है। मंत्री ने कहा, ''किसी भी ठेकेदार को अनुबंध की मंजूरी के लिए मेरे पास आने की जरूरत नहीं है। हम पारदर्शी, समयबद्ध, परिणामोन्मुख और गुणवत्ता के प्रति जागरूक हैं और तेजी से निर्णय लेते हैं। हम मंत्रालय, ठेकेदारों और बैंकरों को एक परिवार मानते हैं।

'मनोरमा ईयरबुक-2024 में प्रकाशित एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा, ''हम अच्छे काम को प्रोत्साहित करते हैं और यही कारण है कि हमारे पास सात विश्व रिकॉर्ड हैं। यह मंत्रालय की बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा, ''मुझे विश्वास है कि पांच साल बाद हमारा सड़क बुनियादी ढांचा अमेरिका के बराबर हो जाएगा। उन्होंने कहा कि बुनियादी ढांचे का भविष्योन्मुखी विकास देश की जरूरत है। भारत को घरेलू और विदेशी दोनों स्रोतों से पूंजी निवेश आकर्षित करने के लिए मजबूत बुनियादी ढांचे की जरूरत है। इससे गरीबी दूर होगी और रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

राजनीति में कब, किसको किसकी जरूरत पड़े, कहा नहीं जा सकता- मायावती

लखनऊ । बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) से दूरी बनाने वाले दलों के बारे में अनावश्यक टीका—टिप्पणी नहीं करने की सलाह देते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि भविष्य में कब, किसको, किसकी जरूरत पड़ जाए, यह कहा नहीं जा सकता। मायावती ने यहां एक बयान में किसी का नाम लिये बगैर कहा, विपक्ष के गठबंधन में बसपा सहित अन्य जो भी पार्टियां शामिल नहीं हैं उनके बारे में किसी का भी फिजूल की टीका—टिप्पणी करना उचित नहीं है।

मेरी उन्हें सलाह है कि वह इससे बचें, क्योंकि भविष्य में, देश में, जनहित में कब किसको, किस की जरूरत पड़ जाए, कुछ भी कहा नहीं जा सकता। बसपा प्रमुख ने कहा, टीका—टिप्पणी करने वाले ऐसे लोगों और पार्टियों को बाद में काफी शर्मिंदगी उठानी पड़े यह ठीक नहीं है। इस मामले में समाजवादी पार्टी खासतौर पर इस बात का जीता जागता उदाहरण है।मायावती की अगुवाई वाली बसपा विपक्षी गठबंधन इंडिया में शामिल होने से साफ इंकार करते हुए अपने बलबूते अगला लोकसभा

चुनाव लड़ने का ऐलान कर चुकी है। मायावती ने राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ का संसद परिसर में निलंबित विपक्षी सांसदों द्वारा मजाक उड़ाए जाने का वीडियो बनाने को अशोभनीय करार देते हुए कहा कि सरकार और विपक्ष के बीच जबरदस्त मतभेद, तनाव और टकराव वाली घटनाओं से देश के लोकतंत्र एवं संसदीय परंपराओं को शर्मसार होने से बचाना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि यह जिम्मेदारी किसी एक की नहीं बल्कि सभी की है। उन्होंने हाल ही में लोकसभा की सुरक्षा में चूक को भी गंभीर चिंता का विषय बताते हुए कहा कि इस मामले में सभी को मिलकर संसद की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देना चाहिए और आरोप—प्रत्यारोप के बजाय सभी को इस मामले को गंभीरता से लेना चाहिए। मायावती ने कहा कि इस मामले के जो भी दोषी और षड्यंत्रकारी हैं उनके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई भी होना बेहद जरूरी है। बसपा प्रमुख ने कहा कि उनकी पार्टी पूर्ण रूप से धर्मनिरपेक्ष दल है और उसे अयोध्या में नवनिर्मित राम मंदिर के अगले महीने होने जा रहे उद्घाटन पर कोई भी ऐतराज नहीं है ।

फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों होंगे गणतंत्र दिवस पर मुख्य अतिथि

नई दिल्ली । इस साल 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों होंगे। बता दें, भारत ने अगले वर्ष जनवरी में क्वाड नेताओं के शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने के तहत गणतंत्र दिवस समारोह के लिए राष्ट्रपति बाइडन को आमंत्रित किया था। हालांकि, उन्होंने कुछ कारणों के चलते जनवरी में यहां आने में असमर्थता जताई। इसके बाद फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों को गणतंत्र दिवस के मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया गया। गौरतलब है, इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मैक्रों के आमंत्रण पर जुलाई में फ्रांस गए थे। बैस्टिल डे परेड में भाग लेने के दौरान दोनों नेताओं ने मुलाकात की थी। पीएम मोदी ने बैस्टिल दिवस समारोह में सम्मानित अतिथि के रूप में भाग लिया था। भारत और फ्रांस के बीच रणनीतिक साझेदारी की 25 वीं वर्षगांठ को मनाने के लिए पीएम मोदी ने फ्रांस का दौरा किया था। सूत्रों ने बताया कि भारत में क्वाड शिखर सम्मेलन 2024 के अंत में आयोजित होने का प्रस्ताव हैं। सूत्रों ने कहा, हम संशोधित तारीखों पर निर्णय लेने पर विचार कर रहे हैं।

शाकुंभरी देवी मंदिर से कांग्रेस ने शुरू की यूपी जोड़ो यात्रा

लखनऊ(न्यूज एजेंसी)। कांग्रेस की यूपी जोड़ो यात्रा बुधवार को सहारनपुर से शुरू हो

गई है। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने शाकुंभरी देवी मंदिर में दर्शन पूजन के बाद यात्रा की शुरुआत की। कांग्रेस की ओर से निकल जा रही इस यात्रा को लेकर जिला प्रशासन को सूचना दी गई है। हालांकि जिला प्रशासन ने यात्रा निकालने की अनुमति देने से इनकार कर दिया साथ ही शांति व्यवस्था और सुरक्षा कारणों से यात्रा न निकालने की अपील की है।कांग्रेस नेताओं का कहना है कि उन्होंने यात्रा के संबंध में सप्ताह भर पहले ही सूचना दे दी थी और निर्धारित रूट पर यात्रा निकालेंगे। यात्रा शाकुंभरी देवी मंदिर से शुरू होकर कुरेसन चौक पर पहुंची। यहां पार्टी के स्थानीय नेताओं ने प्रदेश अध्यक्ष सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं का स्वागत किया। जनसभा के दौरान अजय राय ने कहा कि जनता के हितों की रक्षा करने के लिए कांग्रेस मैदान में उतर आई है। उन्होंने मांग की है कि गन्ना किसानों को कम से कम 500 रुपये प्रति क्विंटल दाम मिलना चाहिए।कांग्रेस ने यात्रा से लोगों को जोड़ने के लिए टोल फ्री नंबर भी जारी कर दिया है। नंबर पर मिस कॉल देकर यात्रा से जुड़ा जा सकता है। यूपी जोड़ो यात्रा से जुड़ने के लिए नीचे दिए गए नम्बर पर मिसकॉल करें... 18002124288

दाऊद इब्राहिम के मरने की खबर को पाकिस्तानी मीडिया ने किया खारिज

नई दिल्ली (न्यूज एजेंसी)। अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम, जिसे 1993 के मुंबई विस्फोटों में उसकी भूमिका के लिए भारत खोज रहा था वह पाकिस्तान में छुपा बैठा था। सालों से पाकिस्तान की सरकार ने दाऊद को पनह दे रही थी लेकिन अब किसी ने दाऊद को खलास करने की प्लानिंग रच दी। कथित तौर पर पाकिस्तान में जहर दे दिया गया और उसे कराची के एक अस्पताल में ले जाया गया। हालाँकि, इस खबर की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और कथित जहर के पीछे के स्रोत और उद्देश्य स्पष्ट नहीं हैं। पाकिस्तान की कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दाऊद को उसके किसी करीबी ने जहर दे दिया था और वह अस्वस्थ हो गया था। इसके बाद उन्हें कराची के एक अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया है कि दाऊद की हालत गंभीर है और उसे कड़ी सुरक्षा में रखा गया है।

सांसदों के निलंबन पर एक जुट हुए सभी विपक्षी दल

नयी दिल्ली । कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ का नाम लिए बगैर कहा कि उन्हें यह जानकर बहुत धक्का लगा कि संवैधानिक पदों पर बैठे लोग संसद में जाति का नाम लेकर कहते हैं कि उनका अपमान किया गया है। उन्होंने शीतकालीन सत्र में 146 विपक्षी सांसदों के निलंबन के खिलाफ जंतर-मतर पर आयोजित विपक्षी दलों के विरोध प्रदर्शन में यह दावा भी किया कि विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) के घटक दलों के सभी नेता एकजुट हो गए हैं और अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अकेले कुछ नहीं कर सकते।

उक्त अवसर पर खरगे ने कहा कि ''मुझे इस बात का बहुत धक्का लगा कि संवैधानिक पद पर बैठे लोग यह कहते हैं कि वो किसी जाति से संबंध रखते हैं और उनका अपमान किया गया। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा, अगर आपकी यह हालत यह है तो मेरे जैसे दलित की क्या हालत होगी। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने संसद परिसर में उनकी, तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी द्वारा नकल उतारे जाने पर नाराजगी जाहिर करते हुए उच्च सदन में बुधवार को कहा था कि संसद परिसर में उनकी नकल उतारकर किसान समाज और उनकी जाति (जाट) का अपमान किया गया है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, सभी विपक्षी दल एकजुट हो गए हैं। अब मोदी जी अकेले कुछ नहीं कर सकते। विरोध प्रदर्शन में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार ने कहा कि देश की संसद को, प्रजातंत्र को बचाने के लिए जो कुछ कीमत देनी पड़ेगी, वो कीमत चुकाने के लिए सभी विपक्षी दल तैयार हैं। उन्होंने दावा किया कि दलित, आदिवासी, युवा और किसान सभी दुखी हैं तथा भारतीय जनता पार्टी सभी समस्याओं की जड़ है। पवार ने कहा, ''प्रजातंत्र पर हमला करने वाली सांप्रदायिक शक्ति को हम सत्ता से दूर करेंगे।

नोटबंदी के बाद कांग्रेस के पंजे में चंदा की पर्ची और पाकिस्तान के दोनों हाथों में कटोरा- डिप्टी सीएम

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शुक्रवार को कांग्रेस और पाकिस्तान की तुलना करते हुए कहा कि नोटबंदी के बाद कांग्रेस के पंजे में चंदा की पर्ची और पाकिस्तान के दोनों हाथों में कटोरा है। उन्होंने तंज के अंदाज में पूछा ''यह रिश्ता क्या कहलाता है। ग़ज़ब का योग है कि नोटबंदी के बाद से ही पाकिस्तान और कांग्रेस की आर्थिक हालत ख़स्ता होना शुरू हो गई। कांग्रेस के पंजे में चंदा की पर्ची और पाकिस्तान के दोनों हाथों में कटोरा है।

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि ग़ज़ब का योग है कि नोटबंदी के बाद से ही पाकिस्तान और कांग्रेस की आर्थिक हालत खस्ता होना शुरू हो गई। कांग्रेस के पंजे में चंदा की पर्ची और पाकिस्तान के दोनों हाथों में कटोरा है। उन्होंने तंज के अंदाज में पूछा ''यह रिश्ता क्या कहलाता है। बता दें कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने इसी वर्ष 19 मई को 2,000 रुपए के नोट को चलन

से बाहर करने की घोषणा की। हालांकि इस मूल्य के नोट बैंकों में जाकर 30 सितंबर तक जमा करने या बदले जाने की छूट की भी घोषणा की गई थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसके पहले 8 नवंबर, 2016 को 500 और 1000 रुपए के नोटों का चलन बंद करने की घोषणा की थी और इनकी जगह 2 हजार रुपए के नोट चलन में लाए गए थे। बाद में 500 रुपए के नए नोट भी जारी किए गए थे। उत्तर प्रदेश के अयोध्या जिले में सरयू नदी पर प्रदेश का सबसे लंबा पुल बनेगा। यह पुल पूरा बाजार ब्लाक के सरायराशी गांव के पास बनाया जाएगा। रिंग रोड पर प्रस्तावित पुल की लंबाई 42 सौ मीटर है, हालांकि पुल के सर्वे में इसकी लंबाई, घटने या बढ़ने की संभावना राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के परियोजना निदेशक जताते हैं। बता दें कि सोहावल ब्लॉक में ढेमवाघाट के बाद मंगलसी एवं सदर तहसील के पूरा बाजार ब्लॉक में सरायरासी गांव के पास सरयू नदी पर पुल बनेंगे। सरयू नदी के ये दोनों पुल 65 किमी. लंबे रिंग रोड के प्रस्ताव का हिस्सा है।

लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा ने बनायी नयी रणनीति

हर जिले में बनेंगे कॉल सेंटर, लाभार्थियों से सीधा संवाद कर लेंगे फीडबैक

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में होने वाले लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर भारतीय जनता पार्टी तैयारियों में जुटी हुई है। भाजपा इस चुनाव में सभी 80 की 80 सीटों पर जीत हासिल करना चाहती है। इसके लिए पार्टी ने नई रणनीति बनाई है। जिसके तहत पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार की हर योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद करने का मन बना रही है। पार्टी हर जिले में योजनाओं के लाभार्थियों से बातचीत करेगी और उनसे प्रतिक्रिया लेगी। इस तरह बीजेपी उन लोगों को अपने साथ जोड़ने की कोशिश करेगी।

बता दें कि लाभार्थियों से संवाद करने के लिए भाजपा हर जिले में कॉल सेंटर बनाएंगी। इन कॉल सेंटर के लिए पार्टी प्रदेश में 11000 कॉलर की टीम तैनात करने जा रहे है। ये टीम उत्तर प्रदेश में हर महीने लगभग 3 करोड़ कॉल के जरिए लाभार्थियों और पार्टी के कार्यकर्ताओं से संवाद करेगी। पार्टी प्रदेश मुख्यालय पर हुई संवाद योजना के तहत बनाए गए प्रभारी को उनके जिले में सभी योजनाओं के लाभार्थियों, बूथ कमेटियों के साथ ही पार्टी के संगठनात्मक डाटा सौंपा गया है। इस डाटा को सौंपने के पीछे मंशा यह है कि इन सभी से पार्टी कार्यकर्ता संपर्क कर सके। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि इस रणनीति के तहत भाजपा प्रदेश में सरकार द्वारा चलाई जा रही है अलग-अलग योजनाओं के लाभार्थियों पर विशेष फोकस करेगी। विशेष तौर पर फोकस किया जाएगा कि ग्रामीण क्षेत्रों में किन लोगों को इन योजनाओं का लाभ मिल रहा है और जिन को लाभ नहीं मिल रहा उन्हें भी योजनाओं का लाभ मिल सके। लोग सरकार की योजनाओं और नीतियों को जान सके और समझ सके। इससे पार्टी भी ज्यादा से ज्यादा लोगों तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचा सकेगी।

प्रदेश के हर गांव में होगा स्टेडियम-योगी

बस्ती। बस्ती जिले में सांसद खेल महाकुंभ के जिला स्तरीय आयोजन का शुभारंभ 20 दिसंबर को शहीद सत्यवान सिंह स्टेडियम परिसर में हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रसाद नड्डा थे। जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी थे। कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करीब एक घंटे विलंब से सांसद खेल महाकुंभ कार्यक्रम में पहुंचे। कार्यक्रम में उद्घाटन के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश से इंसेफेलाइटिस समाप्त हो रहा है। 40 वर्ष में पूर्वी उत्तर प्रदेश के 50 हजार बच्चों को निगल लिया था। उसे प्रधानमंत्री मोदी के संकल्पों के अनुरूप समाप्त कर दिया गया है। पीएम के साथ खेल कूद महाकुंभ प्रत्येक संसदीय क्षेत्र में आयोजित हो रहे हैं। पीएम मोदी खिलाड़ियों से मिल रहे हैं। प्रधानमंत्री ने इस आयोजन को प्रोत्साहित किया है। प्रदेश ने संकल्प लिया है कि खेल व खिलाड़ियों को आगे बढ़ाएंगे। हर गांव में होगा स्टेडियम। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछले साढ़े नौ वर्षों में हम एक नए भारत का दर्शन कर रहे हैं। जहां चेहरा देखकर नहीं बल्कि सभी वर्ग को शासन की योजनाओं का भागीदार बनाया जा रहा है। देश के अंदर सामर्थ्य प्रदान किया जा रहा है। पांच सौ खिलाड़ियों को डिप्टी एसपी, नायब तहसीलदार जैसे पदों पर नौकरी दी गई है। खेल कोटे से पांच सौ पद के लिए जल्द आवेदन मांगे जाएंगे। जो खिलाड़ी मेडल प्राप्त करेगा उसे सरकारी नौकरी और आजीवन भरण पोषण की व्यवस्था की जाएगी। कहा कि प्रत्येक जिले में एक खेल सेंटर बनाने का काम चल रहा है।

अनिवार्य प्रश्न
हर कलम बिकती नहीं !
www.anivaryaprashna.in
सरकारी विभागों के लिए सूचना
सभी पीआरओ / सूचना-अधिकारियों के लिए विवरण
कहाँ भेजें विज्ञप्ति या विज्ञापन
अपनी विज्ञप्ति या विज्ञापन या अपने समाचार व लेख निम्नलिखित पते पर भेजें!
कैसे करें आवेदन
हर प्रकार का विज्ञप्ति या विज्ञापन, समाचार, लेख अन्य जानकारी इत्यादि हमें नीचे के लिंक/पते पर साझा करें अथवा हमारे नजदीकी / जनपदीय कार्यालय पर संपर्क करें।
News Line : 9161099088
anivaryaprashna@gmail.com
PRESS
अगर पढ़िए, तो सिर्फ सच पढ़िए!

आम आदमी वहीं है, लेकिन सरकार 150 गुना अमीर हो गयी, यह उल्टी धारा क्यों?

“ आम आदमी वहीं खड़ा है जहाँ 50 साल पहले था। सिर्फ सरकारी सेवाओं में सम्मिलित और सरकार के स्वामी लोग उड़ान पर हैं। यह उड़ान आम आदमी के खून से सिंचित जान की जमींन पर नहीं होनी चाहिए। प्रजातंत्र मतलब सबके साथ राष्ट्र के अंतिम व्यक्ति की वृद्धि और उसकी उन्नति है। ऐसा विचार व्यक्त कर रहें हैं वरिष्ठ लेखक पं. छतिश द्विवेदी ‘कुण्ठित’ ”

विकास की आँधी, बिजली की चकाचौंध, सजावटों का सामान शहर के बीच के वातावरण को छोड़कर बाहर स्थित किसी गांव तक आते-आते अपनी सड़कों की तरह उखड़ जाता है और उदास व बेढब हो जाता है।

अपने जीवन में हम सभी लोगों ने देखा है और देख रहे हैं कि गांव आज भी गरीबों से भरे पड़े हैं। शहर भी अभी मजदूरों से पटे पड़े हैं। चूने के खराब सामग्री से मिलकर बने कुछ अधूरे शौचायलयों से ज्यादा गांव तक कोई और विकास शत प्रतिशत नहीं पहुँचा है। गरीबी आज भी गरीबों के लिए ना दूर कर पाने वाली समस्या है, लेकिन विकास के स्वप्नदर्शी अभियानों में सरकारों ने सिर्फ यही किया है कि लोगों के जीवन की दुश्वारियां बड़ी हुई हैं।

ऐसा क्या किया गया है, आज हम लोग इसी तथ्य पर विचार विमर्श करेंगे। हालांकि अर्थशास्त्री अपनी जगह अपने आंकड़ों और तर्कों के साथ सही हो सकते हैं, लेकिन उनसे अलग आम आदमी अपनी मुसीबतों की बुनियाद पर वहीं अटका हुआ है जहां आज से 50-60 साल पहले पड़ा हुआ था। उसकी भूख आज भी वैसे ही धधक रही है, और अपनी तड़प लिए हुए है। उसके लिये रोटी आज भी दिवा स्वप्न है।

अर्थशास्त्रियों के विकास और सामाजिक गरीबी उन्मूलन के दावों को छोड़कर अगर तथ्य पर बात करें तो पाएंगे की सरकार की संपूर्ण आय लोगों पर लगाए गए करों, नैसर्गिक संसाधनों, सरकारी स्वामित्व वाली कंपनियों व विदेशी अनुदानों या सहायता से मिलती है। जिसमें 80 प्रतिशत राजस्व कर से 10 प्रतिशत संसाधनों से जो नैसर्गिक हैं, जैसा कि सब लोग जान रहे हैं कि सरकारी सार्वजनिक संस्थाओं की संख्या दिन-ब-दिन कम होती जा रही है उससे 5 प्रतिशत और विदेशी सहायता से भी सिर्फ 5 प्रतिशत का राजस्व 2023 में प्राप्त हो सका है। अब यहाँ अचरज की बात यह है कि आम आदमी की आय कितनी गुना अधिक हुई यह परवाह तो सरकार कभी नहीं की। वर्ष 1970 में सरकार का पूरा राजस्व 21000 करोड रुपए जो 2023 में 30 लाख करोड रुपए हो गया है। यह वृद्धि 150 गुनी है। राजस्व में इतना बड़ा इजाफा आश्चर्य में डाल सकता है। एकाध अपवाद को छोड़कर दूर दूर तक नजर डालकर देखने पर भी ऐसी व्यक्तिगत आय वृद्धि किसी भी व्यक्ति की नहीं हुई।

150 गुनी यह बढ़त मनमानी और वाकई बड़ी है। जितना की सरकार ने अपने करों को बढ़ाकर राजस्व प्राप्त कर लिया है। कर सुधार के नाम पर एवं राष्ट्रीय विकास का दावा करने वाली विगत कई सरकारों द्वारा राजकर इतना बढ़ा दिया गया है कि आम आदमी जो वस्तु 10 रुपये में खरीद सकता था, अब उसे उसके लिए 1000 से अधिक रुपए खर्चने पड़ रहे हैं। उसे अधिक समय काम करना पड़ रहा है। उसके पास रिश्तों व खुद के स्वास्थ्य के लिये समय नहीं है। वह हतास और बीमार होता जा रहा है। भीतर से टूटकर एक टूटे हुए समाज को रेखांकित कर रहा है।

1970 के दशक का आंकड़ा देखा जाए तो भारत में गरीबी का अनुपात 50 प्रतिशत था लेकिन वही 2010 के दशक में घटकर सरकारी आंकड़ों में 15 प्रतिशत रह गया और 2020 के बाद वर्तमान समय में यह आंकड़ा सरकारी घोषणाओं में मात्र 16 प्रतिशत बचा है। सरकार के बढ़ाए गए राजस्व और धन के अधिक इकट्ठा हो जाने के बाद उसे भारत में गरीबी दिख ही नहीं रही। लेकिन आम आदमी नीरीह जिन्दगी जीते हुए खुब जान व समझ रहा है कि गांव आज भी वैसे ही हैं, शहर आज भी मजदूर और गुमटियों से पटे जा रहे हैं। जिसे नगर पालिकाएं आए दिन अतिक्रमण साफ करने के नाम पर उखाड़े जा रही हैं। अनेकों के सपनों को विखेरा जा रहा है। अतिक्रमण सही नहीं है। लेकिन उजाड़ना कब सही है? विस्थापन व पुनर्वासन में क्या मजबूरी है?

सरकारी आय के स्तर के पहलू पर बात करें तो सरकारों की आय में वृद्धि अप्रत्याशित रूप से हो गई है। बात चाहे किसी भी सरकार की हो लेकिन आयकर सुधार के नाम पर सरकारी आय को कई गुना बढ़ा दिया गया। आदमी की खरीद या उपभोग की सामग्रियों का मूल्य इतना बढ़ा है या सेवा की चीजों में कितनी मूल्यात्मक वृद्धि हुई है यह समझना जितना सहज है उतना जटिल बना दिया गया है। सरकारी सूचनाओं के संकलन से यह पता चलता है कि विगत 50 वर्षों में भारत के राजस्व में लगभग 150 गुना वृद्धि हुई है । आप समझ लें कि जब सरकार के पास पहुंचने वाला धन जो 2017 में जिस मात्रा में पहुंचता था 2023 में उसका 150 गुना अधिक पहुँच रहा है।

जैसा कि ऊपर मैंने बताया है कि सरकार के राजस्व का 80 प्रतिशत भाग लोगों के करों से उसे जाता है। मतलब लोगों का भार 150 गुना बढ़ गया है। आप विश्वास करें कि जो कर व सीमा भारत में प्रजातंत्र के बाद आई है वह क्रूर राजतंत्र में भी इस उच्च सीमा तक नहीं हुआ करती थी। चाणक्य ने भी कहा है कि कर खाने में नमक की तरह होना चाहिए। जिससे हमारी जिंदगी स्वाद से भर जाए। अगर कर नमक के अनुपात से ज्यादा हो जायेगा तो सामाजिक जीवन कड़क और राजकीय जीवन मीठा हो जाता है।

मैं सरकार का विद्रोही नहीं ना ही प्रजातंत्र का विरोधी हूँ, लेकिन आप गौर करें कि सरकारी महकमों से जुड़े व सरकारों में काबिज लोग जनता के धन पर जो सुख कर रहे हैं वह सुख और किसी आमजन को नसीब क्यों नहीं है?

बेहद जरूरी है कि आज के समय में सरकारी सेवाओं में कर सुधार के नाम पर कर बढ़ाने और नए पहलू बनाने की जगह कर छूट और कुछ गैर जरूरी करों को हटाना चाहिये। उचित समय आ गया है। क्योंकि समाज का अन्तिम आदमी समाज से छूट रहा है। सरकार की कोरी कल्पनायें उस तक अभी पहुँच नहीं बना पायीं हैं। ऐसे में सरकारी योजनाओं पर पड़ने

वाले अतिरिक्त भार को कम करने के लिए सरकारी सेवाओं में लगे हुए समस्त लोगों की आय को कम करने की जरूरत है, क्योंकि आम आदमी आज अपनी मजदूरी से बिस्कुट खरीद कर भी पेट भरने की स्थिति में नहीं है। फिर आटा, दाल, गैस, चूल्हा, नेग व नेमत जैसी रीतिकारियाँ नहीं निभ पा रहीं हैं। आत्म हत्या करने वालें कारणों में यह कारण भी अपना योगदान देता है।

जीवन की एक-एक चीज काफी महंगी हो गई है। आमजन की दुस्वारियाँ सांसों को गाढ़ा कर रहीं हैं, और गरीबों की आंखों को भर दे रही हैं। एकांगी विकास की हवा रोकनी होगी। आम आदमी वहीं खड़ा है जहाँ 50 साल पहले था। सिर्फ सरकारी सेवाओं में सम्मिलित और सरकार के स्वामी लोग उड़ान पर हैं। यह उड़ान आम आदमी के खून से सिंचित जान की जमींन पर नहीं होनी चाहिए। प्रजातंत्र मतलब सबके साथ राष्ट्र के अंतिम व्यक्ति की वृद्धि और उसकी उन्नति है। उसके लिए समान मानवता के अधिकार हैं ना कि कुछ लोगों की उड़ान और कुछ लोगों के लिए खाई। सरकारी सेवक, सत्तावाले व बिचौलिये समाज को दीपम व घून की तरह खा रहे हैं। बहुतों के हिस्से गरीबी नहीं टली। सरकार अमीर और अमीर और अमीर होती जा रही है। सरकारी योजनाओं और सेवाओं से जुड़े लोगों की तमाम सुबिधा लगातार बढ़ रही है। आम आदमी रोटी-दाल को मोहताज था और आज भी है। अनिवार्य प्रश्न यह है कि कर कितने और कितने ऊंचे होने चाहिए? क्या गैर जरूरी कर भी हम लोगों के बीच में लगाए जा रहे हैं?लोगों के लिए राजनीति तथा सरकारी सेवाओं में शामिल होना समाज सेवा की तरह बनाया जाना चाहिए ना कि अमीर होने के विकल्प की तरह। सरकार को दृष्टिकोण बदलना होगा, सेवा का, रोजगार का संतुष्टि का व निजी सम्मान का। सच्चा राष्ट्र प्रेम यही है।

मेरी एक कविता की कुछ पंक्तियाँ-

थालियों पर एक जादू कर रहा वो किस तरह?
खा रहा मैं, पेट उसका भर रहा है किस तरह?

लेखक ‘अनिवार्य प्रश्न’ अखबार, ‘उद्गार’ संस्था और ‘स्याही प्रकाशन’ के संस्थापक हैं।

महिलाओं के सशक्तिकरण के माध्यम

डा. डी. आर.विश्वकर्मा
लेखक मुख्य विकास अधिकारी रहे है

शिक्षा से ही हम अपने अंतर्निहित शक्तियों का विकास करते हैं, तथा शिक्षा के माध्यम से ही हम विपरीत परिस्थितियों से निपटने का प्रयास करते हैं। किसी भी परिवार में बालिकाओं को शिक्षित करने का मतलब होता है, पूरे परिवार को शिक्षित करना, इससे पुरुष सदस्यों की सोच में भी बदलाव आता है, देखा जाए तो शिक्षा से एक स्वतंत्र सोच का निर्माण होता है, जिससे आत्म सम्मान के साथ जीने व अन्याय के खिलाफ मुखर होने का साहस पैदा होता है। शिक्षित होकर नारी आज आजीविका पाकर आत्म निर्भर हो रही है, स्वावलंबी होकर आत्म निर्भरता प्राप्त कर रही हैं। राज्य/केंद्र सरकार द्वारा भी महिलाओं को सशक्त बनाने हेतु कई योजनाएं जैसे कौशल विकास मिशन के अंतर्गत कई कार्यक्रमों में प्रशिक्षण प्रदान कर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का भरसक प्रयास किया जा रहा है। पिछले दो दशकों में महिलाएं आत्म निर्भर हुई हैं आत्मनिर्भरता सिर्फ आजीविका नही, बल्कि स्वाभिमान व आत्म गौरव की अनुभूति भी है। आज समाज का भी दायित्व है की उन्हें आजीविका का विकल्प देकर उनके विकास में नए पंख लगाने का कार्य करें। महिलाओं के योगदान से न सिर्फ समाज का निर्माण होता है, बल्कि पालन पोषण भी होता है, समाज को एक दिशा भी मिलती है। महिलाओं के प्रसन्न रहने से ही किसी कुल, परिवार, समाज, देश की प्रगति होती है, क्योंकि पढ़ी लिखी महिलाएं धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष की आधारशिला हैं। महिलाओं के साहचर्य से ही समाज में सुख, समृद्धि व आनंद की परिकल्पना की गई है, इसलिए ऋग वेद में नारी को स्वम गृह कहा गया है, न गृहम गृहम मित्याहम गृहणी गृह मुच्यते। शतपथ नामक ग्रंथ में नारी को अर्धांगिनी की संज्ञा दी गई है। वराहमिहिर ने इसी कारण नारी को एक रत्न ही नहीं बल्कि सर्वश्रेष्ठ रत्न कहा है। मनुस्मृति में तो यहां तक वर्णित है कि जहां नारियों की पूजा होती, वहां देवताओं का वास होता है,यस्तु नार्यस्तु पूज्यंते रमंते तत्र देवता। नारियों को चरित्रवान भी होना चाहिए, क्योंकि चरित्र ही उनकी जमा पूंजी है, इतिहास साक्षी है की माता सीता ने अपने चरित्र के बल से लंकापति रावण से अपने कुल की रक्षा की थी। जब हम इतिहास के पन्नों को पलटते हुए वैदिक युग में प्रवेश करते हैं, तो पाते है की तत्समय नारियों के साथ अच्छा बर्ताव होता था, उन्हें ज्यादा अधिकार प्राप्त थे, वे पुरुषों के साथ यज्ञ करती, युद्ध में भाग लेती थीं। अदिति, लोपमुद्रा, गार्गी, मैत्रेयी, अपाला जैसी असाधारण विदुषी महिलाओं ने तत्समय अपने समाज का मार्गदर्शन भी किया था। स्वतंत्रता आंदोलन एवं समाज सुधारकों के समन्वित प्रयासों द्वारा पिछले कई शताब्दियों से महिला सशक्तिकरण हेतु सार्थक प्रयास किए जा रहें है, जिसका परिणाम सकारात्मक मिल रहा है, पश्चिमी शिक्षा, उदार आदर्शों के कारण, ज्ञान के विस्फोट से महिलाओं के ज्ञान व चेतना में वृद्धि परलक्षित है, जिससे लिंग भेद व अनेका नेक भेदभाव दूर हो रहे है, इक्कीसवी सदी के आगमन ने देश के नियोजित विकास से महिलाओं को केंद्र मानकर, अनेकानेक योजनाओं का शुभारंभ हुआ, नौवी दशवी पंचवर्षीय योजनाओं के दौरान उनके स्वास्थ्य, पोषण व रोजगार सृजन हेतु कई कार्यक्रम शुरू किए गए, जिनमे प्रशिक्षण के साथ साथ उन्हें आर्थिक गतिविधि शुरू करने हेतु लघु ऋण देने का प्रबंध हुआ फलस्वरूप महिलाओं ने अपना व्यवसाय शुरू कर आत्मनिर्भरता को प्राप्त किया। इसी कारण से महिलाओं में राजनैतिक जागरूगता लाने के फलस्वरूप केंद्र सरकार/राज्य सरकारें,उन्हें स्थानीय निकायों, ग्रामों में 33 प्रतिशत आरक्षण देने हेतु संविधान संशोधन किया। आज हर जगह उससे ज्यादा संख्या में महिलाएं चुनकर जनप्रतिनिधि हो रही हैं। उत्तर प्रदेश में तो लगभग 50 प्रतिशत से अधिक प्रधान महिलाएं चुनी जा रही हैं। जब हम महिलाओं के सशक्तिकरण की बात करते है तो, बिना बालिका शिक्षा के महिला सशक्तिकरण की बातें करना एक गलत अवधारणा होगी। सर्वविदित है कि महिलाएं सामाजिक स्तर पर पत्नी, मां, एवं गृहणी के रूप में पहचानी जाती हैं। शहरों में महिलाओं का सशक्तिकरण ग्रामीण परिवेश की महिलाओं से ज्यादा हुआ है, क्योंकि आज भी ग्रामीण परिवेश की महिलाओं की पहचान शहरों की महिलाओं से कम हैं। हमारा पुरुष समाज, महिलाओं के सशक्तिकरण को एक अलग बिंदु से देखता है, जिसमें वह मानता है कि स्त्री सशक्तिकरण का अर्थ पुरुष समाज को शक्तिविहीन करना, इस प्रकार की विचारधारा महिलाओं के सशक्तिकरण के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा हैं। समाज में स्त्री पुरुष दोनों मिलकर परिवार रूपी गाड़ी चलाते हैं, आज आवश्यकता इस बात कि है कि दुनिया की आधी आबादी को उनकी स्वयं की ताकत के बारे में जागरूक बनाया जाए, एवं उन्हें शिक्षित्कीय जाए, जिससे वे विश्व पटल पर सामाजिक व आर्थिक विकास की प्रवर्तक बन सकें। महिलाएं जब तक शिक्षित नहीं होगी, तब तक उनका राष्ट्रीय विकास की धारा में शामिल होना संभव नहीं होगा। महिलाओं के मानसिक शक्ति विस्तार हेतु शिक्षा एक अनिवार्य आवश्यकता हैं। शिक्षा द्वारा ही व्यक्ति में आत्म विश्वास, शक्ति एवं क्षमताओं का विकास होता, वैसे शिक्षित महिलाएं ही अपने हित व अहित की बातें सोच सकती है। आज प्रत्येक न्याय पंचायत स्तर पर उच्च प्राथमिक पाठशाला होने के बावजूद भी बालिकाएं आठवी तक की शिक्षा ग्रहण करने में असमर्थ है, अब प्रत्येक परिवार का अनिवार्य दायित्व है कि बालिकाओं को आठवी तक की शिक्षा अवश्य दिलवाएं। आज शासन स्तर से भी बालिका शिक्षा पर प्रयास तीव्र किया गया है, अब अभिवावकों का यह दायित्व है कि वे बालिकाओं को शिक्षित करने में कोई कोर कसर न छोड़े।

क्योंकि डॉक्टर एनी बेसेंट ने कहा है कि एक बालक की शिक्षा, एक व्यक्ति की शिक्षा है, जब कि एक बालिका की शिक्षा पूरे परिवार की शिक्षा है। अतः आज आवश्यकता इस बात की है कि बालिकाओं को शिक्षित किया जाए, उन्हें संस्कारवान बनाया जाय, जिससे कालांतर में वे संस्कार की संवाहिका बन अपने परिवार को संस्कारवान बना सके। आज महिलाएं अपने श्रम, संघर्ष एवं सहकारी प्रयत्नों से अपने को सबल बनाने में आशातीत सफलताएं अर्जित कर रही है। कहा भी गया है, ह्यपढ़ी लिखी लड़की, रोशनी घर की। महिलाओं को कौशल विकास का प्रशिक्षण बहुत आवश्यक है, कौशल विकास व शिक्षा द्वारा बालिकाएं वा जगत की कार्यप्रणाली को सिखती है, जिससे वे क्रय विक्रय, बैंक से लेन देन, विद्युत बिलों, टेलीफोन बिल्स का भुगतान, कंप्यूटर संचालन का ज्ञान इत्यादि प्राप्त कर समाजोपयोगी बनती है, साथ ही सामाजिक विकास में अपनी भूमिका का बखूबी निर्वहन भी करती है, तथा उनमें आत्म विश्वास, आत्म संयम, आत्म सम्मान व संवेदनशीलता का भी विकास होता है।

आठवी व दशवी में पढ़ने वाली बालिकाओं को व्यावसायिक शिक्षा देने का भी प्रबंध किया जाना चाहिए, जैसे लघु एवं कुटीर उद्योगों की जानकारी जैसे वाल हैंगिंग बनाना, फ्लावर एंड डाल मेकिंग, मूर्ति निर्माण, टेरेकोटा के कार्य, ड्रेस डिजाइन, ब्यूटी पार्लर, ब्यूटी कल्चर, कंप्यूटर जॉब वर्क्स जिससे उनके परिवार में आय वृद्धि में भी सहायक हो सके।

विज्ञान व प्रौद्योगिकी विकास में आज कंप्यूटर प्रशिक्षण के सुअवसर बालिकाओं को उपलब्ध कराया है। महिलाओं को आय सृजन हेतु डेस्क टॉप पब्लिशिंग कार्य, कंप्यूटर एड-ेड डिजाइन, कोरल ड्रा, फोटो सॉफ्ट, कंप्यूटर एडेड मैन्युफैक्चरिंग कार्य का प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्म निर्भर बनाया जा सकता है। आज महिलाएं उक्त पाठ्य क्रमों में प्रशिक्षित होकर अपनी जीविका का अर्जन कर रही है, इंटीरियर डिजाइनिंग, बोटिक आर्ट,साड़ी प्रिंटिंग वर्क के कार्यों से भी अनेक महिला बहने अपने पैरों पर खड़ी होने में समर्थ हुई है। आज के उपभोक्तावादी, वैज्ञानिक युग में महिलाएं कई तरह के व्यवसायिक शिक्षा प्राप्त कर, कला संगीत में भी अपना जल्वा बिखेर रही है। आज बालिकाएं किसी भी क्षेत्र में बालकों से कम नहीं है।

भारत सरकार द्वारा महिलाओं के आर्थिक विकास हेतु महिला स्वयं सहायता समूह का गठन कर, उन्हे आर्थिक मदद दी जा रही है। आज गांव की महिलाएं, मसाला उद्योग, दालों की पैकेटिंग, मूर्ति निर्माण, बिंदी निर्माण, टेंट व्यवसाय, मोती निर्माण, आर्टिफिशियल ज्वेलरी निर्माण ब्यूटी पार्लर, झालर निर्माण, सब्जी उत्पादन, हस्त शिल्प के कार्य, वाल हैंगिंग के कार्य, कर रही है, जिससे उनका आर्थिक विकास हो रहा है। सरकारी प्रयासों के अलावा हम सभी को सामाजिक प्रयास कर बालिकाओं को महिलाओं को सशक्त बनाने की महती आवश्यकता है।

ऑलिव आयल, स्वास्थ्य के लिये इसका इस्तेमाल कितना सही?

रविन्द्र प्रजापति

अन्य तेलों के मुकाबले काफी मंहगा और लगभग रइसों और बीमारों के यहाँ ज्यादा प्रयोग किया जाने वाला ऑलिव ऑयल क्या है तथा इसका फायदा क्या है यह आम आदमी नहीं जानता। स्वास्थ्य के लिहाज से ये कॉफी फायदे का तेल है।

ऑलिव ऑयल ऑलिव या जैतून के फलों से प्राप्त किया जाता है। यह प्राकृतिक तौर पर भारतीय, मेदितेरेनियन और पश्चिमी खाद्य पदार्थों में उपयोग किया जाता है और इसके स्वास्थ्य लाभ काफी प्रमुख हैं।

ऑलिव ऑयल का उपयोग विभिन्न सांस्कृतिक और आयुर्वेदिक संस्कृतियों में हजारों वर्षों से किया जा रहा है। यह तेल जैतून के फलों को प्रेस करके प्राप्त किया जाता है और इसमें विटामिन्स, एंटीऑक्सिडेंट्स और हेल्दी फैट्स होते हैं।

एक्सट्रा वर्जिन ऑलिव ऑयल (Extra Virgin Olive Oil):

यह सबसे प्राकृतिक रूप होता है, जिसमें तेल से तेल निकालने वाली प्रक्रिया के दौरान न केवल जैतून के गुण संरक्षित रहते हैं, बल्कि इसका रंग, स्वाद, और गंध भी उत्कृष्ट होता है।

वर्जिन ऑलिव ऑयल (Virgin Olive Oil):

इसमें भी जैतून के फलों का रस निकाला जाता है, लेकिन यह सामान्यतः एक्सट्रा वर्जिन से कम प्राकृतिक होता है।

रेग्युलर या ब्लेंडेड ऑलिव ऑयल (Regular or Blended Olive Oil):

यह तेल अधिक मात्रा में प्रसिद्ध और बजार में आसानी से मिलता है, लेकिन इसमें प्राकृतिक गुणों का कमी हो सकता है।

ऑलिव ऑयल में मोनोयूनसैचुरेटेड फैट्स होते हैं, जो हृदय स्वास्थ्य को सुधारने में मदद कर सकते हैं। ऑलिव ऑयल में पाया जाने वाला एक प्राकृतिक तत्व, जिसे ऑलेक्यूरानोल कहा जाता है, शरीर में दर्द को कम करने में मदद कर सकता है। नियमित सेवन मधुमेह के लिए भी फायदेमंद हो सकता है। ऑलिव ऑयल में विटामिन ए होता है, जो शरीर को ऊर्जा प्रदान करने और शक्ति देने में मदद कर सकता है।

स्वास्थ्य के लिए ऑलिव ऑयल की सलाह दी जाती है, लेकिन मात्रा में संतुलन बनाए रखना जरूरी है। प्रति दिन 2-3 टेबलस्पून की मात्रा में इस्तेमाल करना लाभदायक हो सकता है, लेकिन इसे भोजन में शामिल करने से पहले चिकित्सक से परामर्श लेना बेहतर होता है।

इसमें मौजूद फैट्स के कारण, इसे अधिक मात्रा में सेवन करने से नुकसान हो सकता है, विशेष रूप से जिन लोगों को उच्च कोलेस्ट्रॉल या अन्य सेहत सम्बंधित समस्याएं हैं।

ऑलिव ऑयल एक प्राकृतिक तेल है जो स्वास्थ्य लाभ प्रदान कर सकता है, जैसे कि हृदय स्वास्थ्य में सुधार, शरीर में दर्द की कमी, मधुमेह का नियंत्रण, और ऊर्जा प्रदान करना। इसे मात्रा में उपयोग करना उत्तम होता है, और सबसे बड़ा ध्यान रखना चाहिए कि हर

व्यक्ति का शरीर अलग होता है, तो उन्हें अपने चिकित्सक से परामर्श भी ले लेना चाहिए।

‘माँ सरस्वती चालीसा’ एवं ‘धरणीसुता’ पुस्तक का लोकार्पण संपन्न

अनिवार्य प्रश्न। ब्यूरो संवाद।

वाराणसी। गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित हनुमान चालीसा को पूरा विश्व पढ़ता व पूजता है। इसी क्रम में काशी से वरिष्ठ कवि व कथाकार राजेंद्र प्रसाद गुप्त बावरा द्वारा ‘माँ सरस्वती चालीसा’ और ‘धरणीसुता’ नामक दो भोजपुरी ग्रन्थों की भेंट मिली है।

गत माह दिवस ‘स्याही प्रकाशन’ द्वारा प्रकाशित व ‘उद्गार’ संगठन के सहयोग से प्रकाशित पुस्तक ‘माँ सरस्वती चालीसा’ और ‘धरणीसुता’ का लोकार्पण भोजूबीर, सरसौली स्थित ‘स्याही प्रकाशन’ के ‘उद्गार सभागार’ में संपन्न हुआ। इस पुस्तक को वरिष्ठ साहित्यकार राजेंद्र प्रसाद गुप्त ‘बावरा’ ने लिखा है एवं ख्यात प्रकाशक व संपादक पण्डित छतिश द्विवेदी ‘कुण्ठित’ ने संपादित किया है। उल्लेखनीय है कि हनुमान चालीसा के बाद इस काव्य रचना ‘माँ सरस्वती चालीसा’ के लोकार्पण की खूब सराहना की जार ही है।

कार्यक्रम में बतौर अध्यक्ष सेवानिवृत न्यायाधीश डॉक्टर चंद्रभाल ‘सुकुमार’, मुख्य अतिथि आचार्य आलोक द्विवेदी, बतौर प्रकाशक पण्डित छतिश द्विवेदी ‘कुण्ठित’ के साथ अतिथिजनों में उदय प्रताप इंटर कॉलेज के प्रधानाध्यापक रमेश सिंह एवं उसरी चकिया महाविद्यालय के डॉक्टर अभिषेक पाण्डेय प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। लोकार्पण कार्यक्रम का संचालन डा. लियाकत अली ने किया। अवसर विशेष पर कवि डॉ. महेन्द्र नाथ तिवारी अलंकार व कवि बावरा का नागरिक अभिनन्दन भी किया गया।

कार्यक्रम में अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में डॉक्टर चंद्रभाल ‘सुकुमार’ ने कहा की बावरा जी ने धरणीसुता व मां सरस्वती चालीसा लिखकर एवं इस संसार को सौंप कर संसार का बड़ा भला किया है, साथ ही विगत 15 वर्षों से मोदी जी जैसे बनारस को भौतिक रूप से संवार रहे हैं वैसे ही प्रकाशक व सम्पादक ‘कुण्ठित’ जी भी सांस्कृतिक, आध्यात्मिक, शैक्षिक व साहित्यिक रूप से काशी सहित देश को संवार रहे हैं। हम इन दोनों मनीषियों को बहुत-बहुत बधाई देते हैं। साथ ही यह कृति हनुमान चालीसा व मानस की तरह ही समाज में आदृत की जाए ऐसी शुभकामना देते हैं। अपने प्रकाशकीय वक्तव्य में पण्डित छतिश द्विवेदी ‘कुण्ठित’ ने कहा की ‘स्याही प्रशासन’ द्वारा प्रकाशित सैकड़ों ग्रन्थों और पुस्तकों में कवि ‘बावरा’ जी की ये दोनों पुस्तकें भक्ति मार्ग की अनोखी पुस्तकें हैं। ‘बावरा’ जी की रचनाएं भक्ति मार्ग की होने के साथ-साथ दुनिया के ईश्वर प्रार्थना के रीति में प्रयोग आयेंगी। साथ ही इससे ईश्वर की प्रार्थना की जा सकेगी। लेखक भोजपुरी, अवधी व ठेठ जैसी अनेक लोक प्रयुक्त

मनोरम भाषाओं का मिश्रित शैली में लिखी है। हालांकि भोजपुरी के अधिक शब्द प्रयोग होने के कारण यह रचना भोजपुरी काव्य की सूची में ही सम्मिलित की गई है। शीघ्र ही दोनों ग्रन्थ पाठकों के लिये ऑन लाइन प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हो जायेंगे।

कार्यक्रम के बाद हुए कवि सम्मेलन में चन्दौली, जौनपुर व वाराणसी के सैकड़ों कवियों ने भाग लिया, जिसमें दयाशंकर प्रसाद ‘करूण’, सुनिल सेठ, नंदलाल राजभर, डॉक्टर शरद श्रीवास्तव, बुद्धदेव तिवारी, सिब्बी ममगाई, विंध्यवासिनी मिश्र, जीएल पटेल, संध्या मौर्या, आनंदपाल, रामनरेश पाल, शिवदास जी, आशिक बनारसी, खलील अहमद राही, अजफर बनारसी, समीम गाजीपुरी, सिद्धनाथ शर्मा, गोपाल केसरी, गोपाल कृष्ण सेठ, शारदा पाल, चंद्र भूषण सिंह, विजय चंद्र तिवारी, तेजबली अनपढ़, आलियार प्रधान, डॉक्टर आरती सिंह, प्रियांशु मिश्रा, अरुण कुमार केसरी, दीपक शर्मा, अंजली मिश्रा, अचला पाण्डेय सहित सैकड़ों साहित्यकार प्रमुख रूप से शामिल रहे।

अमृत कलश

मैं अमृत की एक कलश सी
कभी धरा तो कभी तो कभी गगन सी
मैं राम की सीता सी पावन
तो कृष्ण की राधा सी मन भावन
मैं शिव की दुर्गा का सार लिये
काली सा विस्तार लिये
मैं चंचल मन की तीतली सी
तो चकवा सी स्थीर भी
मैं द्रौपदी की प्रतीशोध बनू
अहिल्या सी तप को साधु
मैं उर्मिला की त्याग लिये
मीरा सा सन्यास रखु
मैं नर में भी,नारी में भी
मैं एक जटील तारीख सी भी
मैं गीता में कुरान में भी
मैं रामायण की मान मे भी
मैं भारत माता की शान बनु
महादेवी जी के गीतो की मैं
करुण पुकार बनु
मैं झासी की रानी सी हुंकार भरू
रजिया सुल्तान सी राज करू
मैं धारा भी तो किनारा भी
सागर के विस्तार का सहारा भी
मेरे पाव में बेड़ी सोने की
हाथों में हीरे की जंजीर बंधी
पर हौसले की जब उड़ान भरू
सुनीता कल्पना का रूप धरा,
मैं गाय में भी ग्वालो में भी
मैं कुल की मयार्दा में भी
जग की पहली किताब भी मैं
बालक की प्रथम पाठशाला भी मैं
मन में मेरे दर्द मोती की माला सी
पर तन में दूध की अमृत की धारा भी
मैं सूर के वात्सलता की बीज बनी
मीरा के प्रेम की फूलवारी सी मैहकु
गोपी के विरह के गीत बनी
मैं जग की माता सी कही पूजी गयी
तो कभी निर्भया
प्रियंका सी कुचली भी गयी,
मन में मेरे दर्द अपार भरा
पर हौसलो का विस्तार बढ़ा
मैं रावण की मृत्यु का रूप बनी
दुर्योधन के वध का काल भी मैं
मैं राह पर सबरी सी बैठी
कुब्जा सी जग का उपहास सहू
मैं रात की रानी दिन की कहानी
जीवन का सारांश कहु
मै एक आम नारी को
अपने शब्दो से हर बार कहु...

(अर्चना त्रिपाठी)

ब्याह – जैनेन्द्र कुमार

बड़े भाई के बाद अब घर का बोझ मुझ पर पड़ा, लेकिन मुझे इसमें दिक्कत नहीं हुई। सेशन जज हूँ, ७०० रु. मासिक पाता हूँ और घर में मुकाबले को कोई नहीं है। माँ सेवा और आज्ञानुसारण के अतिरिक्त और कुछ नहीं जानती, और पत्नी जितनी ही कम शिक्षिता है, उतनी ही ज्यादा प्रतिप्राण है।

किंतु भाई साहब जिसे अपने अंतिम समय में खास तौर से बोझ बताकर मुझे सौंप गये, इसके सम्बन्ध में मुझे अवश्य सतर्क और चिंतित रहना पड़ता है। ललिता मैट्रिक पास करने के साथ अपना सोलहवाँ साल पार कर चुकी है। भाई साहब अपने जीवन-काल में इसे जहाँ तक हो, वहाँ तक पढ़ाना चाहते थे। शायद कारण यह हो कि खुद बहुत कम पढ़े थे। किन्तु आखिरी समय, आश्चर्य है, उन्होंने ललिता की शिक्षा के बारे में तो कुछ हिदायत न दी, कहा तो यह कहा कि देखो ललिता का ब्याह जल्दी कर देना। मेरी बात टालना मत भूलना मत। अब भाई साहब की अनुपस्थिति में ललिता को देखते ही, उनके उपयुक्त शब्द बड़ी बेचैनी के साथ भीतर विद्रोह करने लगते हैं। मैं उन्हें भीतर-ही-भीतर खूब उलटता-पलटता हूँ, जानना चाहता हूँ यह क्यों कहा? मेरा क्या कर्तव्य है।

ललिता को बड़ी जिज्ञासा बड़ी चिन्ता से देखता हूँ। शायद उन शब्दों का ललिता के व्यक्तित्व से कोई सामंजस्य है। फिर रह-रहकर यह बात मन में आती हैझसंभव है, भाई साहब ने समझा हो, मैं पीछे ललिता को ठीक प्यार, सँभाल और अपनेपन के साथ नहीं रख पाऊँगा, और इसलिये ऐसा कहा हो? जब यह बात मन में उठती है तो भाई साहब पर बहुत क्रोध आता है। उन्होंने बे-भरोसे का आदमी समझाझजैसे उनका सगा, उन्हीं का पाला पोसा और पढ़ाया-लिखाया नहीं हूँ! परन्तु ऐसी बात सोचकर मैं ललिता के ब्याह के बारे में व्यग्र और उद्विग्न नहीं हो उठता। सोचता हूँ, भाई साहब की मंशा पूरी करने का काम अब मुझ पर हैझललिता को खूब पढ़ाऊँगा और खूब धूम-धाम से उसका विवाह करूँगा। दीया लेकर ऐसा लड़का ढूँढूगा जो दुनिया में एक हो। हमारी ललिता ऐसी जगह जायगी कि भैया स्वर्ग में खुशी से फूले उठेंगे पर जल्दी नहीं।

इस तरह ललिता का पढ़ना जारी रहा है। बी. ए. में पहुँचेगी, तब कहीं ब्याह की बात सोचूँगा।

ललिता भी हमारे घर में एक अजीब लड़की है। कुछ समझ में नहीं आता। जाने कैसे मैट्रिक फर्स्ट क्लास में पास कर गयी। जब पढ़ने में इतनी होशियार है तब व्यवहार में क्यों इतनी अल्हड़ है। उसे किसी बात कि समझ ही नहीं है। लोग कुछ कहें, कुछ समझें, जो मन में समाया उसे वह कर ही गुजरती है। नौकर हो सामने, और चाहे अतिथि बैठा हो, उसे जोर की हँसी आती है; तब वह कभी उसे न रोक सकेगी। गुस्सा उठेगा तब उसे भी बेरोक निकाल बाहर करेगी। सबके सामने बेहिचक मुझे, चाचा को चूमकर प्यार करने लगती है। और मेरी ही तनिक-सी बात पर ऐसा तनक उठती है कि बस! हँसती तो वह खूब है, गुस्सा तो उसका आठवाँ हिस्सा भी नहीं करती होगी, हाँ जब करती है तब करती ही है, फिर चाहे कोई हो, कुछ हो!

मैं चाहता हूँ, वह कुल-शील का, सभ्यता-शिष्टता का, अदब कायदे का, छोटे-बड़े का व्यवहार में सदा ध्यान रखे। पर उससे इन सब बातों पर निबन्ध चाहे मुझसे भी अच्छा लिखवा लो, इन सबका वह ध्यान नहीं रख सकती। नौकरों से अपनापन जोड़ेगी, हमसे जैसी बची-बची रहेगी। सहपाठियों और अंग्रेजी जानने वालों से हिन्दी के सिवा और कुछ न बोल सकेगी, पर नौकरों और देहातियों से अँगरेजी में ही बोलेगी। नौकरों को तो कभी-कभी अंग्रेजी में पाँच-पाँच मिनट के लेक्चर सुना देती है, मानो दुनिया में यही उसकी बात को हृदयंगम करने वाले हों! समकक्षियों और बड़ों में घोर-गम्भीर और गुमसुम रहती है, जैसे सिर में विचार ही विचार हैं, जबान नहीं है। छोटों में ऐसी खिली-खिली और चहकती फिरती है, जैसे उसका सिर खाली है, कतरने को बस जबान ही है।

मिसरानी को बहुत ही तंग करती है। पर मुश्किल यह है कि मिसरानी को इस बात की बिलकुल शिकायत नहीं है। इस कारण मुझे उसको डाँटते-धमकाने का पूरा मौका नहीं मिलता। वह बे-मतलब चौके में घुस जाती है, कभी उँगली जला लेती है, कभी नमक अपने हाथ से डालने की जिद करके दाल में अधिक नमक डाल देती है। आटा सानते-सानते जब बहा-बहा फिरने के लायक हो जाता है,

तब मिसरानी से सहायता की प्रार्थना करती है और मिसरानी उसके दायें कान को हँसते-हँसते अपने बायें हाथ से जरा टेढ़ा-तिरछा करके आटा ठीक कर देती है। मालकिन के मुलायम कानों को मसलने का जब अधिकार-संयोग मिले तब उस अवसर को मिसरानीजी जान-बूझकर क्यों खोये? उन्हें दिक होना पड़ता है तो हों। लेकिन मुझे यह सब अच्छा नहीं लगता, जैसे जहाँ जायगी वहाँ इसे रोटी ही बनानी पड़ेगी? फिर क्यों फिजूल ऐसे कामों में हाथ डालती है? यह तो होता नहीं कि टेनिस का अभ्यास बढ़ा ले, शायद उसी में चमक उठे और अखबारों में नाम हो जाये, क्या ताज्जुब कोई कप ही मिल जाय। इसलिए मैं उसे काफी गुरु-मुद्रा के साथ धमका देता हूँ। पर वहीं जवाब दे देती है, अगर मेरी निज की लड़की इस तरह मुझे जवाब देती तो मैं थप्पड़ से उसका मुँह लाल कर देता। फिर ललिता के मुँह से जवाब सुनकर न मुझे ज्यादा गुस्सा होता है, न बहुत अचरज! गुस्सा होता भी तो मैं कुछ कर भी तो नहीं सकता। मेरे समीप वह भाई साहब की स्मृति है। उसकी प्रतिमूर्ति है, इसलिए उसका जवाब सुनकर मैं चुप रह जाता हूँ।यह लड़की जरा भी दुनिया नहीं समझती। वह समझती यह है कि उसकी कोर्स की किताबों में, उसके कल्पना क्षेत्र में ही सारी दुनिया बन्द है। उससे बहस कौन करे? कुछ समझती ही नहीं, करें अपने जी का। पर डिक?

डिक हमारे जिले के डिप्टी कमिश्नर का लड़का है। अभी एक वर्ष से विलायत से आया है। आक्सफोर्ड में पढ़ता है। पिता ने हिन्दुस्तान देखने के लिए बुलाया है। पिता की राय है, डिक आई० सी० एस० में जाय। बड़ा अच्छा है। डिक को घमंड नाम को भी नहीं है। बड़ा मृदुभाषी, सुशील, शिष्ट। यह हर तरह से सुन्दर जँचता है।

लेकिन ललिता तो डिक से सदा दूर-दूर रहती है। यह नहीं कि उससे बोलती नहीं, मौके पर खूब बोलती है। पर उस बोलने को बीच में लाकर ही वह अपने और डिक के बीच अनुल्लंघनीय अंतर डालने का उपक्रम करती रहती है। डिक से ही सुना है। यह भी जानता हूँ कि डिक इस अंतर को जितना ही अनुल्लंघनीय पाता है, उतना ही देखता है कि एक अनिश्चित चाह उसे और विवशता से चाबुक मार-मारकर भड़का रही है।

इधर ललिता में एक अंतर देख पड़ने लगा है। एक ओर हँसना एकदम कम हो गया है, दूसरी ओर वक्त-बेवक्त पढ़ना-लिखना होने लगा है। अब वह बहुत पढ़ती है। मानो जी उचाट रहता हो, और उसी को जबर्दस्ती लगाये रखने के लिए ये सब प्रयत्न और प्रपंच किये जाते हों।

इधर एक खबर डिक के बारे में भी लगी है, कुछ दिनों से उसका एक हिन्दी ट्यूटर लगा लिया है और हिंदी प्रवेशिका के पहले भाग को खतम कर डालने में दत-चित्त है।

ये लक्षण बड़े शुभ मालूम होते हैं, दोनों में कुछ खटपट हो गयी है। एक दूसरे को नजदीक लाने में कलह की उन छोटी-छोटी बातों से अचूक और अमोघ चीज कोई नहीं। मालूम होता है, ललिता ने अपनी झिड़की से डिक को ठीक मार्ग दिखा दिया है। इसी से डिक उस पर चलने की तैयारी कर रहा है।

इतना सब कुछ समझने पर भी ललिता की ओर से मुझे डर ही लगा रहता है। मालूम नहीं, उसके जी में कब क्या समा उठे। मालूम नहीं वह किस-किस लोक में रहती है, किस प्रणाली से सोचती है। उसके जी का भेद मैं नहीं समझ पाता।

मैं कचहरी से आकर पूरे कपड़े तक नहीं उतार पाया कि ललिता बेधड़क मेरे कमरे में आकर अपनी मेज की शिकायत करने लगी।

चाचा जी, मैंने कितनी बार आपसे मेज ठीक करवा देने के लिए कहा? आप ध्यान नहीं देते, यह कैसी बात है?

मैं जानता हूँ, मुझसे कई बार कहा गया है, फिर भी मैंने कहा अच्छा, अच्छा, अब मैं करवा दूँगा।

कहानी

कब से अच्छा ही अच्छा हो रहा है। अभी करवा के दीजिए।

अभी? अच्छा अभी सही।

ह्यसही-वही नहीं। मैं अभी करवा लूँगी। आप तो यों ही टालते रहते हैं।ह्न

अब नहीं टालूँगा। बस!

नहीं।

अभी मिस्त्री काम से लौटे होंगे? अभी कौन मिलेगा?

मिस्त्री दस मिल जायेंगे। मिल जाय तो लगा लूँ?

हाँ-हाँ, लगा लो। यह कहकर उसे टाला, कपड़े उतारे, हाथ-मुँह धोया और अखबार लेकर ईजी चेयर पर पड़ गया।

कुछ देर बाद खुट-खुट की आवाज कानों में पड़ी। नेशन के अग्रलेख का तर्क मुझे ठीक नहीं लग रहा था। उसे पढ़ते-पढ़ते ऊँघ-सी आने लगी थी, तभी खुट-खुट का शब्द सुनकर अंदर पहुँचा।

क्या है, ललिता? कहता हुआ मैं उसके कमरे में चला गया, देखा एक बढ़ई काम में लगा है।

आपने कहा था न कि मिस्त्री को काम में लगा लेना।

कहा था तो कहा होगाझपर मुझे उसकी याद नहीं थी। बोलाझह्यतो तुम लपककर उसे बुला भी लायीं। मानो तैयार ही बैठा था।

नहीं। जाते देखा बुला लिया।

दिन भर काम करके घर लौट रहा होगा-सो तुमने बुला लिया। बेचारे मजदूर पर कोई दया नहीं करता। तुम्हारा क्या होगा?

कोई बेगार थोड़े ही है। उजरत भी तो दी जायगी। यह तो इसमें खुश ही होगा।मुड़कर उसने मिस्त्री से पूछा क्यों बाबा?

मिस्त्री बूढ़ा सिक्ख था। बड़ी लम्बी सफेद दाढ़ी थी। सफेद ही साफा था आँखों में स्नेह और दीनता का रस था। ललिता का प्रश्न सुनकर उसने ऐसे देखा, मानो उसकी आँखों में की दीनता और स्नेह एक-दम छलक आये हैं। ललिता सिहर-सी लहरा दी। उसने कहाझ

नहीं, बेटी! मुझे सबेरे से कोई काम नहीं मिला। मेरा घर यहाँ नहीं है। बहुत दूर है। पेशावर तुमने सुना होगा, उसके पास अटक है, अटक के पास मेरा घर है। दरिया सिंध इसको छूकर बहता है। मैं यहाँ आज ही आया हूँ। काम न मिलता तो जाने मेरा क्या होता?

दरिया सिंध के किनारे वाले हिंदुस्तान के छोर पर के गाँव से यह बुडढ़ा सिख, नर्मदा के किनारे के हिंदुस्तान के बीचों-बीच बसे हुए इस होशंगाबाद में, इस प्रकार बे-पैसे किस आफत का मारा आ पहुँचा, यह सब जानना मुझे आवश्यक न जान पड़ा। अब ललिता ने कुरेद-कुरेदकर उसकी कहानी पूछी। मैंने भी सुनी। .जब वह बुड्ढा नहीं था। जवान था। तब की बात है। दरिया में बाढ़ आ गयी। झोपड़ा बह गया, खेत डूब गये। वह, उसकी घरवाली और उसका एक छोटा लड़का इन तीनों ने एक दूर गाँव में जाकर आश्रय लिया। पर खायें कहाँ से? जो थोड़ा-बहुत नकद बाढ़ के मुँह से बचाकर ले आ सके थे, उससे ही बैठ-कर कब तक खायेंगे? ऐसी ही चिन्ता के समय उसे एक तरकीब सुझायी गयी मदरास चला जाय तो वहाँ बहुत आदमियों की जरूरत है, खूब तनख्वाह मिलती है, और सहूलियतें हैं। खूब आराम है। थोड़े ही दिनों में मालामाल होकर लौट सकेगा। मदरास पहुँचा-वहाँ से फि जी। घर से निकलने पर यह सब उसके बस का नहीं रह गया था कि वह फि जी न जाय। तब फि जी न जाता तो शायद जेल जाना पड़ जाता, ताज्जुब नहीं जान से हाथ धो बैठने का मौका आ जाता। फि जी में काम किया। पीछे से वहाँ कमाने का मौका हो सकता था। पर बच्चे की घर वाली की याद ने वहाँ रहने न दिया। जहाज के टिकट भर का पैसा पास होते ही वह चल दिया। मदरास आया। आरी और बसूलों की सहायता से उसने मदरास में एक महीने तक अपना पेट भरा और उनसे ही एक महीने में बम्बई जाने तक का किराया जुटाया। बम्बई में जैसे-तैसे पेट तो भर सका, लाख कम खाने हजार ज्यादा करने पर भी वह ऊपर से कुछ न जुटा सका। आखिर लाचार बे-टिकट चल दिया। होशंगाबाद में टिकट वालों ने उतार दिया। वहाँ से वह अपने औजार सँभाले चला आ रहा था। बहुत समझो, उसकी वह पूँजी रेलवालों ने छोड़ दी।

कहानी सुनकर बूढ़े पर दया करने को मेरा जी चाहा। पूछाझ ललिता, इसे कितने में तय किया था।

ठहराया तो कुछ नहीं।

नहीं ठहराया?

नहीं।

अच्छा जो ठहराया जाय उससे एक आना ज्यादा देना।

मुझसे ह्यअच्छा कहकर सिक्ख से उसने पूछाझ

बाबा तुम यहाँ रहोगे?

ना, बेटी।

क्यों बाबा?

घर तो अपना नहीं है। घर क्या छोड़ा जाता है? फिर बच्चे को कब से नहीं देखा। बीस साल हो गये।

बाबा क्या पता वह मिलेगा ही। बीस बरस थोड़े नहीं होते।

हाँ, क्या पता! पर मैंने अपने हिस्से की काफी आफत भुगत ली है। परमात्मा अब इस बुढ़ापे में उसका बचा-खुचा नहीं छीन लेंगे। मुझे पूरा भरोसा है वह मुझे जरूर मिलेगा, हाँ उसकी माँ तो शायद ही मिले।

ललिता के ढंग से जान पड़ा, वह इतनी थोड़ी-सी बात करके संतुष्ट नहीं हुई वह उस बुढ्ढे से और बात करना चाहती है। पर मुझे तो समय वृथा नहीं गँवाना था। मैं फिर एक आना ज्यादा देने की हिदायत देकर चला आया।

यह बुड्ढा तो धीरे-धीरे मेरे घर से हिलने लगा। ज्यादातर घर पर दीखता। किसी न किसी चीज को ठीक करता उसने घर के सारे बक्शों को पॉलिश से चमकाकर नया बना दिया। नयी-नयी चीजें भी बहुत-सी बना दीं। वह ललिता का विशेष कृपापात्र था, और ललिता उसकी विशेष कृतज्ञता पात्र थी। उसने एक बड़ा सिंगारदान ललिता को बनाकर ललिता को दिया और कैश-बक्श मेरे लिए हैट-स्टैंड, खूँटियाँ वगैरह चीजें बना कर दीं। मैंने भी समझा कि वह अपने लिए इस तरह ख्वामख्वाह मजदूरी बढ़ा लेता है, चलो इसमें गरीब का भला ही है।

लेकिन हर एक चीज की हद होनी चाहिए। गरीब की भलाई की जहाँ तक बात है, वहाँ तक तो ठीक। पर उनसे दोस्तीझसी पैदा कर लेना, उसको अपना ही बना बैठना,झयह भी कोई बुद्धिमानी है! पर अल्हड़ ललिता यह कुछ नहीं समझती। उसका तो अब ज्यादा समय उस बुड्ढे से ही छोटी-मोटी चीजें बनवाने में, उससे बातें करने में बीतता है।

मैं यह भी देखता हूँ कि बुड्ढा दीनता और उम्र के अतिरिक्त और किसी बात में बुड्ढा नहीं है। बदन से खूब हट्टा-कट्टा है। खूब लम्बा-चौड़ा है। दाढ़ी-मूछों से भरा हुआ उसका चेहरा एक प्रकार की शक्ति से भरा है। यह मुझे अच्छा नहीं लगता इसलिए मैंने उसे एक दिन बुलाकर, कहा बुड्ढे, अब गाँव कब जाओगे?

गाँव? झकैसे जाऊँगा जी, गाँव?

क्यों?

जी।

देखो, थोड़ी-बहुत मदद की जरूरत हो, मैं कर दूँगा। पर तुम्हें अब अपने बच्चे के पास जाना चाहिए। और यहाँ जब काम होगा बुला लूँगा, तुम्हारा फि जूल आना-जाना ठीक नहीं।

बुड्ढा इस पर कुछ नहीं बोलाझमानो उसे स्वीकार है।

उसके बाद वह घर पर बहुत कम दीखता। एक बार आया तब मैंने जवाब-तलब किया

बुड्ढे! क्यों आये? क्या काम है?जी, बिटिया ने बुलाया था।

बिटिया, झकौन बिटिया?

वही, आपकी।

देखो बुड्ढे, गुस्ताखी अच्छी नहीं होती।

इस पर बुड्ढा बहुत-कुछ गिड़गिड़ाया, ह्यगुस्ताखी नहीं, गुस्ताखीह्न और उसने बहुत-सी शपथें खाकर विश्वास दिलाया कि वह कभी अपने हमारे बराबर नहीं समझ सकता, आप तो राजा हो, हम किंकर नाचीज हैं, और वह तो मालकिन हैं, साक्षात राजरानी हैं आदिझऔर अन्त में धरती पर माथा टेककर वह चला गया।

बुड्ढे की ओर से मुझे मुक्ति मिली। पर उसी रात को मेरे पास आया डिक। उसने बताया कि वह हिंदी शिक्षावली दो भाग खतम कर चुका है; वह और भी जो ललिता की आज्ञा हो करने को तैयार है; वह अब जल्दी ही इंगलैंड वापस चला जाएगा, पर ललिता के बिना कैसे रहेगा; उसने अपने पैसे के, अपनी योग्यता के, अपनी स्थिति के, अपने बड़प्पन के वर्णन संक्षेप में पेश किये; अपना प्रेम बताया और उसके स्थायित्व की शपथ खायी; इस तरह अपना संपूर्ण मामला मेरे सामने रखने के बाद मेरी सम्मति चाही। पर मेरी सम्मति का प्रश्न नहीं था। मेरी तो उसमें हर तरह की सम्मति थी। मैंने उसे आश्वासन दिया

कल ललिता से जिक्र करूँगा।वह बोला देखिए, मैं नहीं जानता क्या बात है। पर मुझे ललिता अवश्य मिलनी चाहिए। मेरी उससे बातें हुई हैं खूब हुई हैं। वह मेरे गोरेपन से घबड़ाती है। पर मैं उससे कह चुका हूँ, आपसे कहता हूँ कि इसमें मेरा दोष तो है नहीं फिर मैं हिंदी सीखता जा रहा हूँ। वह कहती है मुझमें और उसमें बहुत अंतर है। मैं मानता हूँ न होता तो बात ही क्या थी? पर हम एक हुए तो मैं कहता हूँ, सब अंतर हवा हो जायगा, वह जो चाहेगी सो ही करूँगा।

मैंने उसे विश्वास दिलाया, ह्यमैं अपने भरसक प्रयत्न करूँगा।

उसने कहा, ललिता के भारतीय वातावरण में पले होने के कारण यह बिल्कुल स्वाभाविक है कि वह इस संबंध में अपने अभिभावक से आज्ञा प्राप्त करे। इसलिए उसने मुझसे कहना ठीक समझा। मैंने उसे फिर विश्वास दिलाया और वह मेरी चेष्टा में सफलता की कामना मनाता हुआ चला गया।

अगले रोज ललिता से जिक्र छेड़ा। मैंने कहा ललिता, रात में डिक आया था।

ललिता चुप थी।

तुम जानती हो, वह क्या चाहता है? तुम यह भी जानती होगी कि मैं क्या चाहता हूँ?

वह चुप थी। वह चुप ही रही।

मैंने सब ऊँच-नीच उसे बताया। अपनी स्पष्ट इच्छा यदि आज्ञा हो सके तो आज्ञा जतला दी, ऐसे संबंध का औचित्य प्रतिपादन किया, संक्षेप में सब कुछ कहा। मेरी बात खतम न हो गयी तब तक वह गम्भीर मुँह लटकाये, एक ध्यान, एक मुद्रा से, निश्चय खड़ी रही। मेरी बात खतम हुई कि उसने पूछाझ ह्यबाबा को आने से आपने मना किया था?

कहाँ कि बात कहाँ? मैं समझ नहीं पाया।

कौन बाबा?

वही बुड्ढा सिक्ख, मिस्त्री।

हाँ, मैंने समझाया था, उसे फिजूल आने की जरूरत नहीं।

तो उनसे (डिक से) कहिए, मैं अपने को इतना सौभाग्यवती नहीं बना सकती। मुझ नाचीज की फिक्र छोड़े, क्योंकि भाग्य में मुझे नाचीज ही बने रह कर रहना लिखा है।

मुझे बड़ा धक्का लगा। मुँह से निकला ललिता!

उनसे कह दीजिएगा बस। यह कह कर वह चली गयी। मैं कुछ न समझ सका।

अगले रोज कचहरी से लौटा तो घर पर ललिता न थी। कालेज में दिखवाया, उसके महिला-मित्रों के यहाँ पुछवाया, फिर उस बुड्ढे मिस्त्री के यहाँ भी ढुँढ़वाया, वह बुड्ढा भी गायब था।

पूरा यकीन है, पुलिस ने खोज में कमी न की। और पूरा अचरज है कि वह खोज कामयाब नहीं हुई। मैं समझता हूँ, वह सिक्ख सीधा आदमी न था। छटा बदमाश है और उस्ताद हैझपुलिस की आँख से बचाने का हुनर जानता है।

डिक को जब इस दुर्घटना की सूचना और ललिता का संदेश मैंने दिया तो वह बेचैन हो उठा। उसने खुद दौड़-धूप में कसर न छोड़ी। पर कुछ नतीजा न निकला। डिक खुद अटक हो आया, पर वहाँ से भी कुछ खबर न पा सका।

हम सब लोगों ने स्त्रियों के भगाये जाने और बेच दिये जाने की खबरों को याद किया, और यद्यपि इस घटना का उन विवरणों से हम पूर मेल न मिला सके, फिर भी समझ लिया कि यह भी एक वैसी ही घटना हो गयी है। यह बुड्ढा सिक्ख जरूर कोई इसी पेशे का आदमी है, न जाने कैसे ललिता को बहका ले गया। इसके कोई महीने भर बाद की बात है। एक दिन मेरे अदालत के ही कमरे में डिक ने आकर मुझे एक तार दिखाया। कैम्बेलपुर के कलक्टर का तार था। उक्त विवरण की लड़की के साथ एक बुड्ढा सिक्ख गिरफ़्तार किया गया है। वह गिरफ़्तार करके होशंगाबाद ही लाया जा रहा है। लड़की ने मुझसे (कलक्टर से) बोलने से इनकार कर दिया है, इससे मैं उसे समझाकर होशंगाबाद न भिजवा सका। हमें बड़ी खुशी हुई। डिक फौरन ही कैम्बेलपुर जाने को उतावला हो उठा। पर मैंने रोक दिया पहले तो उसे आ जाने दो। देखें, कौन है, कौन नहीं।इसके तीसरे रोज मुझे ललिता की एक चिट्ठी मिली। चिट्ठी बहुत संक्षिप्त थी। मैंने अब तक ललिता की कोई चिट्ठी नहीं पायी, कोई मौका ही नहीं आया। लिखा था-

चाचा जी,

पिताजी के बाद बहुत थोड़े दिन तक आप को कष्ट दिया। इसलिए पिता जी के नाते भी और अपने निज के नाते भी, मेरा आप पर बहुत हक है। उसके बदले में आपसे एक बात माँगती हूँ। उसके बाद और कुछ न माँगूगी। समझिए मेरा हक ही निबट जायगा। बाबा गिरफ़्तार कर लिये गये हैं। उन्हें छुड़वाकर घर ही भिजवा दे, खर्च उनके पास न हो तो वह भी दे दें।

आपकी-

ललिता

चिट्ठी में पता नहीं था, और कुछ भी नहीं था। पर ललिता की चिट्ठी मानो ललिता ही बनकर, मेरे हाथों में काँपती-काँपती, अपना अनुनय मनवा लेना चाहती है।

अगले रोज जेल सुपरिटेंडेंट ने मुझे बुलवा भेजा। वही बुड्ढा सिक्ख मेरे सामने हाज़िर हुआ। आते ही धरती पर माथा टेक कर गिड़गिड़ाने लगा

राजा जी

क्यों बुड्ढे, मैंने तुझ पर दया की और तूने शैतानी?

राजा जी और हुजूर ये ही दो शब्द अदल-बदलकर उसके मुँह से निकलते रहे।

अच्छा, अब क्या चाहता है?

हुजूर, जो मर्जी।

मर्जी क्या, तुझे जेल होगा। काम ही ऐसा किया है।

हुजूर, नहीं-नहीं-नहीं,झराजा जी!

क्यों रे, मेरी लड़की को ले भागनेवाला तू कौन था, बदमाश, पाजीनहीं-नहीं-नही

उसके बिना कहे मैं समझता जा रहा था कि वह किन्ही विकट लाचारियों का शिकार बनाया गया है। लेकिन उस घटना पर जो क्षोभ मुझे भुगतना पड़ा था, वह उतारना तो चाहिए किसी पर। इसलिए उसे मैंने काफी कह-सुन लिया। फिर उसे रिहा कर देने का बंदोबस्त कर दिया।

छूटकर वह मेरे ही घर आया।

मालिक, राजा जी

उसकी गड़बड़ गिड़गिड़ाहट में से मैंने परिणाम निकाला, वह खाली हाथ है, किराये का पैसा चाहता है, परंतु वह घर चला जायगा, नहीं तो उससे नौकरी या मजदूरी करवा ली जाय। मैंने उसे घर पर ही रहकर काम करने का हुक्म दिया।

डिक को मैंने सूचना दी वही बुड्ढा सिक्ख आ गया।

डिक ने कहाझह्यउसे छुड़ा लो। उसे साथ लेकर उसके गाँव चलेंगे।

हाँ, जरूर, अभी।

हम बुड्ढे को साथ लेकर चल दिये। हमने देखा, बुड्ढा बिलकुल मनहूस नहीं है। बड़प्पन के आगे तो वह निरीह दीन हो जाता है, पर अगर उससे सहानुभूतिपूर्वक बोला जाय तो वह बड़ा खुशमिजाज बन जाता है, उसने सफर में तरह-तरह से हमारी सेवा की, तरह-तरह के किस्से सुनाये, लेकिन उस खास विषय पर किसी ने जिक्र नहीं उठाया। मानो वह विषय सबके हृदय के इतना समीप है कि जरा उँगली लगी तो वह कसक उठेगा।

सिंध घहराता हुआ बह रहा है, और हम स्लेट के पत्थरों के बीच एक पगडंडी से चुपचाप जा रहे हैं, पैदल। एक छोटे से गाँव के किनारे हम आ गये। २५-३० घर होंगे। नीची छतें हैं, उनसे भी नीचे द्वार। शाम हो गयी है। हरित भीमकाय उत्तुंग पर्वतमालाओं की गोद में इस प्रशांत-सिंध संध्या में यह खेड़ा, इस अजेह प्रवाह से बहते हुए सिंध के किनारे, विश्व के इस एकांत शांत-अज्ञात और गुप-चुप छिपे कोने में, मानो दुनिया की व्यवस्था और कोलाहल के प्रतिवाद-स्वरूप विश्राम कर रहा है। प्रकृति

महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ का 45वां दीक्षांत समारोह सम्पन्न

वाराणसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को वाराणसी स्थित महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के विद्यार्थियों से कहा कि वे इस विद्यापीठ के पहले बैच के छात्र रहे दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जीवन मूल्यों को अपनाएं और अपने आचरण में इस पर अमल करें। राष्ट्रपति मुर्मू ने वाराणसी में महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के 45वें दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा,आपके शिक्षण संस्थान की अत्यंत गौरवशाली विरासत का एक प्रमाण यह है कि दो-दो भारत रत्न इस विद्यापीठ से जुड़े हैं। भारत रत्न डॉक्टर भगवान दास जी काशी विद्यापीठ के प्रथम कुलपति थे और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री इस विद्यापीठ के पहले बैच के छात्र थे। राष्ट्रपति ने कहा कि शास्त्री जी ने जनसेवक के रूप में सरलता, निष्ठा, त्याग और दृढ़ता के उच्चतम आदर्श

प्रस्तुत किए। इस विद्यापीठ के विद्यार्थियों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे शास्त्री जी के जीवन मूल्यों के अनुरूप अपने आचरण को ढालेंगे। हिंदी माध्यम में उच्च स्तरीय शिक्षा प्रदान करने के लिए बाबू शिव प्रसाद गुप्ता ने काशी विद्यापीठ की अपनी परिकल्पना की चर्चा महात्मा गांधी से की थी और गांधीजी ने उसे सहर्ष अनुमोदन प्रदान किया था। देश की स्वाधीनता के 26 वर्ष पूर्व गांधीजी की परिकल्पना के अनुरूप आत्मनिर्भरता तथा स्वराज के लक्ष्यों के साथ इस विद्यापीठ की यात्रा शुरू हुई थी। यह विद्यापीठ, असहयोग आंदोलन से उत्पन्न संस्था के रूप में हमारे महान स्वाधीनता संग्राम का जीवंत प्रतीक है। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के आप सभी विद्यार्थीगण, स्वाधीनता संग्राम के हमारे राष्ट्रीय आदर्शों के ध्वजवाहक हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि ब्रिटिश शासन की सहायता और नियंत्रण से दूर रहते हुए देशवासियों द्वारा पूर्णत: भारतीय संसाधनों से निर्मित काशी विद्यापीठ का नामकरण महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ करने के पीछे हमारे स्वाधीनता संग्राम के आदर्शों के प्रति सम्मान व्यक्त करने की भावना निहित है। यहां के विद्यार्थियों द्वारा उन आदर्शों पर चलना तथा अमृत-काल के दौरान देश की प्रगति में प्रभावी योगदान देना, विद्यापीठ के राष्ट्र-निर्माता संस्थापकों के प्रति उनकी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। यह एक प्रबल लोक मान्यता है कि काशी निरंतर अस्तित्व में बनी रहने वाली विश्व की प्राचीनतम नगरी है। बाबा विश्वनाथ और मां गंगा के आशीर्वाद से युक्त पुण्य-नगरी काशी सबको आकर्षित करती रही है और करती रहेगी। मुझे स्मरण है कि जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी का चयन अपने लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के रूप में किया था तो उन्होंने भी यही कहा था कि मुझे मां गंगा ने बुलाया है। राष्ट्रपति ने काशी नगरी को भारतीय संस्कृति की कालातीत धरोहर करार दिया। उन्होंने कहा, आप सब काशी में स्थित विद्यापीठ में विद्यार्जन कर रहे हैं। यह आप सब का परम सौभाग्य है। इसके लिए मैं आप सब को विशेष बधाई देती हूं।

राष्ट्रीय किसान दिवस कार्यक्रम सफलता पूर्वक सम्पन्न

अनिवार्य प्रश्न। ब्यूरो संवाद।

वाराणसी। गत माह को आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कुमारगंज, अयोध्या द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केन्द्र, कल्लीपुर, वाराणसी द्वारा केन्द्र पर राष्ट्रीय किसान दिवस का आयोजन सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. नरेंद्र रघुबंशी ने मुख्य अतिथि डॉ. सुनील पटेल माननीय विधायक, रोहनिया, वाराणसी का स्वागत तथा किसानों को सम्बोधित किया।

मुख्य अतिथि डॉ. सुनील पटेल ने बताया कि हमारे देश में प्रतिवर्ष 23 दिसंबर के दिन को राष्ट्रीय किसान दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन को किसानों के हिमायती और उनको सशक्त बनाने के लिए कई काम करने वाले पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चौधरी चरण सिंह की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। इस वर्ष इस दिन की थीम सतत खाद्य सुरक्षा और लचीलेपन के लिए स्मार्ट समाधान प्रदान करना है। कार्यक्रम में वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ नवीन कुमार सिंह

ने बताया कि आजादी के बाद वे समाज के किसानों की आवाज को जोर शोर से उठाने लगे। चौधरी चरण सिंह द्वारा तैयार किया गया जमींदारी उन्मूलन विधेयक राज्य के कल्याणकारी सिद्धांत पर आधारित था। एक जुलाई 1952 को यूपी में चौधरी चरण सिंह के बदौलत जमींदारी प्रथा का उन्मूलन हुआ और गरीबों को अधिकार मिला।

कार्यक्रम में केंद्र के सस्य वैज्ञानिक डॉ. अमितेश कुमार सिंह और बीज प्रोधौगिकी वैज्ञानिक श्रीप्रकाश सिंह ने अपने अपने विचार साझा किया। कार्यक्रम का संचालन गृह वैज्ञानिक डॉ. प्रतीक्षा सिंह ने किया। राष्ट्रीय किसान दिवस कार्यक्रम में विधायक रोहनिया वाराणसी द्वारा 11 किसानों जिसमें पूजा कुमारी, मीरा कुमारी, आरती कुमारी, अनीता कुमारी, कमलेश कुमार, मनीष, संजीत, अखिलेश सिंह, बबलू पटेल, रजनीश सिंह और मुकेश कुमार को विभिन्न विधाओं के लिए शाल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम मे केन्द्र के कर्मचारी राणा पियूष सिंह, अरविन्द कुमार गौतम, नगेंद्र कुमार एवं अशोक इत्यादि सहित पखस से अधिक किसानों ने भाग लिया।

नये भवनों को मकान नम्बर लेने पर नहीं लगेगा शुल्क

अनिवार्य प्रश्न। ब्यूरो संवाद।

वाराणसी। अब नये भवनों पर तत्काल नगर निगम के अभिलेखों में उनका नाम दर्ज करते हुए कर निर्धारण कर दिया जायेगा। अब कोई भी भवन स्वामी अपने मकान या फ्लैट का कर निर्धारण तत्काल करा सकता है, इस हेतु उन्हे कोई शुल्क नहीं देना होगा तथा उनका नाम नगर निगम के अभिलेखों में तुरन्त दर्ज होगा। बताते चलें कि महापौर अशोक कुमार तिवारी ने विगत दिनों गृहकर की समीक्षा बैठक में इस बात का परीक्षण कर निर्णय लेने हेतु निर्देशित किया गया था। नगर आयुक्त अक्षत वर्मा ने मुख्य कर निर्धारण अधिकारी कुमार असीम रंजन को परीक्षण कर प्रस्ताव प्रस्तुत करने हेतु कहा। मुख्य कर निर्धारण अधिकारी के द्वारा दिये गये प्रस्ताव में इस बात का उल्लेख किया गया है कि नगर निगम अधिनियम 1959 के सुसंगत प्रावधानों के अन्तर्गत नये भवन जो प्रथम बार धारा-173 व 174 के अन्तर्गत कराच्छादन व कर के दायरे में लाये जाते हैं, उन पर धारा-213 की कार्यवाही न कर मात्र कर निर्धारण

करते हुये (यथा स्वकर से प्रपत्र क-ख) कराच्छादन के दायरे में लाया जाना नियमानुसार उचित है, इससे नगर निगम की आय में बढ़ोत्तरी के साथ ही छूटे भवनों को कर के दायरे में लाया जाना सुविधाजनक है। मुख्य कर निर्धारण अधिकारी के द्वारा प्रेषित रिपोर्ट के आधार पर नगर आयुक्त अक्षत वर्मा के द्वारा इसे तत्काल सभी जोनो में लागू करने हेतु आदेशित किया गया है।

नगर निगम, वाराणसी के इस निर्णय के आधार पर कोई भी भवन स्वामी अपने नये भवन का विवरण यथा रजिस्ट्री पेपर, हलफनामा व अन्य आवश्यक अभिलेख लेकर सम्बन्धित जोन पर प्रस्तुत कर तत्काल नया नम्बर प्राप्त कर सकता है। निगम द्वारा उनके भवन पर नियमानुसार निर्धारित प्रारूप भरने के बाद गृहकर का निर्धारण कर दिया जायेगा। कोई भी भवन स्वामी अपना आवेदन नगर निगम वाराणसी के सम्बन्धित जोनल कार्यालय या नगर निगम मुख्यालय स्थित कंप्यूटर सेल/ मुख्य कर निर्धारण अधिकारी के कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है। हांलाकि जिन भवनों पर पूर्व से नगर निगम के द्वारा नम्बर दिया जा चुका है, ऐसे भवनों पर यह व्यवस्था लागू नहीं होगी।

सनातन संस्कृति के प्रतीक विश्वनाथ कॉरिडोर की उतारी आरती

वाराणसी। काशी विश्वनाथ धाम के लोकार्पण को दो साल पूरे होने पर नमामि गंगे ने महर्षि योगी विद्याश्रम के वेदपाठी बटुकों के साथ गंगा द्वार पर भव्य कॉरिडोर की आरती उतारी। नमामि गंगे टीम ने ललिता घाट स्थित भव्य गंगा द्वार से श्रीकाशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर तक शिवार्चन यात्रा निकाली। नमामि गंगे काशी क्षेत्र के संयोजक राजेश शुक्ला की अगुआई में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भी भाग लिया। भगवान शिव शंकर के प्रतिरूप संग ढोलक,झाज-मजीरों के ताल पर नम: शिवाय- हर हर महादेव के गगन भेदी उद्घोष से काशी विश्वनाथ धाम गूंज उठा । डमरूओं की गड़गड़ाहट के बीच माथे पर भष्म की त्रिपुंड लगाए अंकित भगवा ध्वज, बटुकों के शंखनाद ने काशी के कंकड़ कंकड़ में शंकर होने का सुखद एहसास किया। नमामि गंगे टीम ने गंगा द्वार पर स्वच्छता अभियान भी चलाया । नमामि गंगे काशी क्षेत्र के संयोजक राजेश शुक्ला ने कहा कि काशी में प्रवेश करते ही व्यक्ति सभी बंधनों से मुक्त हो जाता है।

काशीविश्वनाथ धाम के लोकार्पण पर दिखा महाशिवरात्रि का नजारा

नरमुंड पिशाच बने बाबा के गणों ने सड़क पर किया तांडव

अनिवार्य प्रश्न। संवाद।

वाराणसी। काशी एक बार फिर शिवमय हो गई। काशी विश्वनाथ

धाम के लोकार्पण उत्सव पर मंदिर परिसर में महाशिवरात्रि का नजारा दिखा। मंदिर परिसर से लेकर शहर की सड़कों तक हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष की गूंज रही। वहीं शहर की सड़कों पर भक्तों की टोली भगवान राम के आराध्य भगवान शिव की भक्ति में सराबोर नजर आयी। सामाजिक संस्थाओं की ओर से धाम क्षेत्र में दीप भी जलाए जलाए गए। काशी की सड़कों पर पांच किलोमीटर तक शोभायात्रा निकाली गई। अग्नि-शस्त्र लेकर मां काली के रूप में कलाकार ने जब सड़क पर तांडव किया तो सबके पैर थम गए। नरमुंड पिशाच बने बाबा के गणों ने सड़क पर तांडव किया तो हर तरफ अग्नि और राख का गुबार देखने को मिला। बता दें कि आज काशी विश्वनाथ धाम का दूसरा लोकार्पण उत्सव मनाया जा रहा है। मंदिर में भी लोकार्पण उत्सव पर रुद्राभिषेक, पूजन के साथ ही सांस्कृतिक आयोजन हो रहे हैं। मंदिर परिसर को फूलों से सजाया गया है और रुद्राभिषेक के बाद भक्तों में प्रसाद का वितरण भी हुआ। इस दौरान काफी संख्या में श्रद्धालु धाम आ रहे हैं। दुनिया भर के सनातनधर्मियों के आकर्षण का केंद्र बन चुके काशी विश्वनाथ धाम के निर्माण की कहानी भी अनोखी है। 463 वर्षों के बाद बाबा विश्वनाथ के धाम ने मूर्त रूप लिया। बाबा विश्वनाथ के मंदिर के पुनरुद्धार, निर्माण और कायाकल्प में महाराणा रणजीत सिंह, टोडरमल और अहिल्याबाई के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संकल्पना ने मूर्त रूप लिया, जो आज श्री काशी विश्वनाथ धाम के रूप में दुनिया के सामने है।

नोटिस सुनवाई एवं मानचित्र निस्तारण कैम्प का आयोजन

वाराणसी । विकास प्राधिकरण, वाराणसी द्वारा गुरूवार को प्राधिकरण कार्यालय स्थित सभागार में संयुक्त सचिव के नेतृत्व में नोटिस सुनवाई एवं मानचित्र निस्तारण कैम्प'' का आयोजन किया गया। कैम्प में पांच जोनों के सभी जोनल अधिकारी, अवर अभियन्ता एवं भवन लिपिक उपस्थित रहे। कैम्प के दौरान नियोजन अनुभाग से 16, आवासि-सीलिंग अनुभाग से 15 एवं विधि अनुभाग से 2 एन0ओ0सी0 जारी किया गया तथा कैम्प में 01 ले-आउट प्लान सहित कुल 11 नये मानचित्र आवेदन प्राप्त हुए। पूर्व से दाखिल किये गये कुल 16 मानचित्र स्वीकृत हुए, जिसमें कुल रू0 4,93,51,131.00 शमन शुल्क आरोपित किया गया। शमन शुल्क के मद में कुल रू0 12,98,320.00 प्राधिकरण कोष में जमा कराया गया। कैम्प में कुल 25 लोग मानचित्र के सन्दर्भ में एवं 28 लोग नोटिस सुनवाई हेतु उपस्थित हुए।

57 जोड़ों का सामूहिक विवाह कार्यक्रम विधि विधान से हुआ सम्पन्न

अनिवार्य प्रश्न। संवाद।

वाराणसी। राजातालाब,। 57 जोड़ों का विधि-विधान से हुआ विवाह, मिला प्रमाणपत्र आराजीलाईन ब्लाक परिसर में गत 15 दिसम्बर शुक्रवार को आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम में आराजीलाईन ब्लाक प्रमुख नगीना सिंह पटेल प्रतिनिधि डा महेंद्र सिंह पटेल, रोहनिया विधायक डा. सुनिल पटेल, सेवापुरी विधायक नीलरतन पटेल नीलू के प्रतिनिधि बंशराज पटेल, खंड विकास अधिकारी विजय जायसवाल, जिला युवा कल्याण अधिकारी अजय कुमार सिंह ने नव दम्पत्तियों को उपहार देकर सम्मानित किया। प्रमुख प्रतिनिधि डा. महेंद्र सिंह पटेल ने नव दम्पत्तियों को खुशहाल जीवन जीने का आशीर्वाद दिया।आराजीलाईन एडीओ एसके प्रमोद कुमार, सेवापुरी एडीओ एसके अभिषेक सिंह, एडीओ आईएसबी महेंद्र प्रताप, एडीओ पंचायत सुनिल कुमार श्रीवास्तव, राजकुमार पटेल, सचिव राहुल राम, अखिलेश कुमार सिंह, धर्मेंद्र नाथ सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता राजकुमार गुप्ता, पुरोहित सचिन मिश्रा शिवपुजन सिंह, जगनरायन पटेल, श्रीप्रकाश यादव सहित तमाम लोग मौजूद थे। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 57 पंजीकृत जोड़े को राजातालाब तहसील के ब्लाक आराजीलाईन और ब्लाक सेवापुरी के कुल 57 जोड़ों का विवाह विधि विधान से सम्पन्न हुआ। जिसमें अल्पसंख्यक वर्ग के 2 व अन्य वर्ग के 55 जोड़े शामिल रहे। नव दम्पत्तियों को जनप्रतिनिधियों ने शासन की ओर से उपलब्ध कराए गए सामग्री किट के साथ मिष्ठान व प्रमाण-पत्र वितरित किया। आराजीलाईन ब्लाक परिसर में आयोजित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह के मुख्य अतिथि रोहनिया विधायक डा. सुनिल पटेल ने कहा कि हमारी सरकार गरीबों की सच्ची हितैषी है।

मुख्यमंत्री ने लौह पुरुष वल्लभभाई पटेल की 74वीं पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन किए अर्पित

लौहपुरुष एक महान स्वाधीनता संग्राम सेनानी थे और इसके साथ ही स्वतंत्र भारत में उनका योगदान नए भारत के शिल्पी के रूप में रहा है

अनिवार्य प्रश्न। संवाद।

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ वाराणसी दौरे के दूसरे गत 15 दिसम्बर शुक्रवार को लौह पुरुष वल्लभभाई पटेल की 74वीं पुण्यतिथि के अवसर पर मलदहिया स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। उन्होंने देश के प्रति उनके योगदान को याद करते हुए कहा कि लौहपुरुष एक महान स्वाधीनता संग्राम सेनानी थे और इसके साथ ही स्वतंत्र भारत में उनका योगदान नए भारत के शिल्पी के रूप में रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरदार पटेल ने भारत के 563 रियासतों को भारत गणराज्य का हिस्सा बनाया। आज का जो भारत है वह सरदार वल्लभ भाई पटेल के

सपनों का भारत है। इसलिए पूरा देश भारत की अखंडता के शिल्पी लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल का स्मरण कर के उनके प्रति श्रद्धावनत होता है। लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के इन्ही मूल्यों और आदर्शों को ध्यान में रखकर काशी के सांसद और देश के प्रधानमंत्री ने केवड़िया गुजरात में सरदार सरोवर के तट पर नर्मदा नदी में दुनिया की सबसे बड़ी प्रतिमा स्थापित की है। आज वह एक तीर्थ बन गया है। सरदार पटेल के मूल्य और आदर्श हम सभी को एक नई प्रेरणा प्रदान करते हैं।इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजवन न्यायालय पंजीयन शुल्क राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार रविंद्र जायसवाल महापौर अशोक तिवारी विधायक सौरभ श्रीवास्तव विधायक टी राम, क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप सिंह पटेल, जिलाधिकारी एस. राजलिंगम सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

नगर निगम ने चलाया बृहद अतिक्रमण अभियान , जप्त किया बड़े पैमाने पर प्रतिबंधित प्लास्टिक

वाराणसी। आगामी गत 15 दिसम्बर शुक्रवार को नगर निगम वाराणसी की पूरी टीम इस समय वाराणसी शहर को स्वच्छ सुंदर और अतिक्रमण मुक्त करने की कार्रवाई तीव्र गति से चलाई जा रही है। इसी क्रम में गत माह जोनल अधिकारी ऋषि मांडवी, श्री जितेंद्र कुमार आनंद के नेतृत्व में बी एल डब्लू स्थित जलाली पट्टी में बृहद अतिक्रमण अभियान चलाया गया। इस अभियान में प्रवर्तन दल के द्वारा कार्यवाही करते हुए 100 किलो प्रतिबंधित प्लास्टिक जप्त किया गया तथा साथ ही 25000 रुपए का जुर्माना भी वसूला गया। कार्यवाही के समय क्षेत्रीय व्यापार मंडल के पदाधिकारी के द्वारा विरोध उत्पन्न करने का प्रयास किया गया, परंतु नगर निगम की टीम के द्वारा अपनी कार्रवाई जारी रखी। इस अभियान में, जोनल अधिकारी ऋषि मांडवी जून श्री जितेंद्र कुमार आनंद प्रभारी निरीक्षक अतिक्रमण श्री संजय श्रीवास्तव, प्रवर्तन दल के प्रभारी कर्नल राघवेंद्र मौर्य एवं उनकी टीम,क्षेत्रीय पुलिस बल सम्मिलित थे।

दस्तावेज चुराने का आरोप मुकदमा दर्ज

वाराणसी। चर्चित ज्ञानवापी में आदि विश्वेश्वर मंदिर से जुड़े मुकदमें के दस्तावेज समेत 50 हजार रूपये चोरी के मामले में अधिवक्ता एसके द्विवेदी ने सुद्धीपुर (शिवपुर) निवासी रोहित गिरि के खिलाफ कैण्ट थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। अधिवक्ता ने गाजीपुर के धरमपुर (डेहरा कलां) निवासी रोहित पर आरोप लगाया है कि प्रतापगढ़ के शैलेंद्र योगी की ओर से दाखिल वाद में ज्ञानवापी में अंतिम निर्णय तक पूजा की मांग की गई है। सिविल कोर्ट के अधिवक्ता एसके द्विवेदी ने कैंट पुलिस को दी गई तहरीर में बताया है कि रोहित गिरि 22 नवंबर को उनकी चौकी से बैग से आदि विश्वेश्वर की दो दस्तावेजों सहित 50 हजार रुपये, संगीता और चांदनी सेठ से संबंधित रजिस्ट्री सेल डीड भी चुरा ले गया।चौकी पर मौजूद अन्य अधिवक्ता ने बैग से सामान निकालने की बात कही तो उसने बहाना बना दिया।अधिवक्ता ने उसके किसी आतंकी संगठनों से जुड़ाव की आशंका जताते हुए पुलिस से शिकायत की है। कैण्ट पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ऊर्जा संरक्षण एक महत्वपूर्ण विषय-बासुदेव पांडा

अनिवार्य प्रश्न। संवाद।

वाराणसी। बनारस रेल इंजन कारखाना में दिनांक 08 से 14 दिसंबर तक ऊर्जा संरक्षण सप्ताह का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत आम जनमानस को ऊर्जा संरक्षण के लिए जागरूक करने हेतु विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया । जिसमें दिनांक 08 दिसम्बर को ऊर्जा संरक्षण जागरूकता रैली, 09 दिसम्बर को क्यूज़ि प्रतियोगिता, 11 दिसम्बकर को निबंध प्रतियोगिता, 12 दिसम्बतर को नुक्कड़ नाटक, 13 को ड्राइंग प्रतियोगिता तथा आज दिनांक 14 दिसम्बर को समापन समारोह का आयोजन किया गया। समापन समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि महाप्रबंधक श्री बासुदेव पांडा ने कहा कि ऊर्जा संरक्षण एक महत्वपूर्ण विषय है। एक यूनिट ऊर्जा की खपत करने के लिए हमें डेढ़ यनिट ऊर्जा जेनरेट करना पड़ता है। 33 प्रतिशत ऊर्जा लोगों को जानकारी के अभाव में नष्ट हो जाता है । हम जरूरत के चीज का उपयोग करके सही तरीके से ऊर्जा का उपयोग कर ऊर्जा की बचत कर सकते हैं । हमें जागरूक होना होगा कि हम किस प्रकार ऊर्जा का उपयोग करें एवं किस उपकरण का उपयोग करें ताकि ऊर्जा की बचत कर सकें । महाप्रबंधक ने आगे कहा कि ए.सी. को 24-25 डिग्री सेट एवं पंखा को स्लो चला कर हम ठंढक प्राप्त कर सकते हैं, जिससे ऊर्जा की काफी बचत हो सकती है । विद्युत से चलने वाली अन्य उपकरणों के विषय में भी ऊर्जा की बचत करने के उपाय से लोगों को अवगत कराये। इसके साथ ही उन्हों ने कहा कि वाटर लिकेज रोक कर भी हम ऊर्जा की बचत कर सकते हैं। ऊर्जा की बचत करने से क्लाइमेट चेंज पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ता है । महाप्रबंधक ने कहा कि हमें गर्व है कि, हम बरेका के कर्मचारी हैं जहां इस प्रकार के लोकोमोटिव बना रहें है, जो 12 से 15 प्रतिशत तक ऊर्जा रि-जेनरेट करते हैं। अंत में महाप्रबंधक ने सप्ताह के दौरान ऊर्जा संरक्षण हेतु लोगों को जागरूक करने के लिए बरेका द्वारा किये गये विभिन्नब कार्यक्रमों के लिए प्रसन्नता जाहिर करते हुए विद्युत विभाग को बधाई दी तथा ऊर्जा संरक्षण सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न् प्रतियोगिता परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं एवं बरेका कर्मचारियों को महाप्रबंधक ने पुरस्कृत कर सम्मानित भी किया । इस अवसर पर प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर एस.के. श्रीवास्तव, प्रमुख मुख्य? सामग्री प्रबंधक रजनीश गुप्ता, प्रमुख मुख्य इंजीनियर विनोद बमपाल, प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त् रणवीर सिंह चौहान, प्रमुख मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. देवेश कुमार, मुख्यं सतर्कता अधिकारी प्रमोद कुमार चौधरी, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक विजय, मुख्य विद्युत इंजीनियर/एस.ई. एम.के.सिंह, के साथ ही समस्त् विभागाध्यक्षगण एवं काफी संख्या में अधिकारीयों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया ।

विकसित भारत संकल्प यात्रा का मुख्यमंत्री ने किया संबोधित

वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वाराणसी में विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि देश की जनता की खुशहाली से ही भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बनेगा। उन्होंने सेवापुरी ब्लॉक के बरकी ग्राम सभा स्थित किसान इंटर कॉलेज में आयोजित विभिन्न योजनाओं से संबंधित प्रदर्शनियों का अवलोकन किया और वहां हो रहे ऑन दि स्पॉट रजिस्ट्रेशन की जानकारी भी ली। अपने उद्बोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाता था, मिलता था तो केवल चूरन। योजनाओं में भ्रष्टाचार और बंदरबांट होता था, जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने खत्म कर दिया। यही मोदी की गारंटी है और इसी संकल्प को आगे बढ़ाने के लिए विकसित भारत संकल्प यात्रा का आयोजन प्रदेश की हर ग्राम सभा में किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि काशीवासियों का सौभाग्य है कि उन्होंने 2014 में एक ऐसी विभूति को अपना जनप्रतिनिधि बनाकर देश की संसद में भेजा जो आज देश के प्रधानमंत्री भी हैं और वैश्विक दुनिया को मार्गदर्शन भी दे रहे हैं।

समस्त ग्राम पंचायतों पर टीबी स्क्रीनिंग, जांच, निदान पर हो ज़ोर- डीटीओ

अनिवार्य प्रश्न। संवाद।

वाराणसी, । - प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान व राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग व पीरामल फ़ाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधन में बृहस्पतिवार को सिगरा स्थित एक होटल में टीबी मुक्त पंचायत अभियान को लेकर बैठक आयोजित की गई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ संदीप चौधरी के निर्देशन में आयोजित इस संयुक्त संगठन बैठक में सीनियर ट्रीटमेंट सुपरवाइज़र (एसटीएस) और स्थानीय गैर सरकारी संस्थाओं (एनजीओ) के प्रमुख प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया। बैठक का उद्देश्य एक ही छत के नीचे स्वास्थ्य विभाग के साथ - साथ विकास स्वास्थ्य संगठन, संस्था व स्थानीय संस्थाओं को जोड़कर टीबी मुक्त पंचायत अभियान को सफल बनाना है। बैठक में ज्यादा से ज्यादा टीबी नोटिफिकेशन, सम्पूर्ण उपचार व जन जागरूकता को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

इस मौके पर जिला क्षय रोग अधिकारी (डीटीओ) डॉ पीयूष राय ने बताया कि देश में टीबी मुक्त पंचायत अभियान की शुरुआत वाराणसी से ही इसी साल विश्व क्षय रोग दिवस 24 मार्च पर की गई। शुरुआत में पीरामल फ़ाउंडेशन के सहयोग से चोलापुर ब्लॉक के 89 ग्राम पंचायतों में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर अभियान चलाया गया। लेकिन वर्तमान में यह अभियान सभी आठ ब्लाक की 694 ग्राम पंचायतों में स्वास्थ्य विभाग व संस्थाओं के सहयोग से संचालित किया जा रहा है। जनपद की सभी 23 टीबी यूनिट के एसटीएस के द्वारा इस अभियान के पर्यवेक्षण व मॉनिटरिंग को लेकर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने अभियान को सफल बनाने के लिए सभी एनजीओ से नि:स्वार्थ भाव से कार्य करने की अपेक्षा व्यक्त की। उन्होंने स्वास्थ्य, आईसीडीएस, शिक्षा विभाग समेत पंचायती राज विभाग, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) और एनजीओ को समन्वय बनाकर कार्यक्रम की कार्य योजना तैयार करने के लिए कहा। साथ ही इसको पंचायत स्तर पर लागू करने के लिए भी कहा। उन्होंने सभी सहयोगी संस्थाओं से अपील की है कि समस्त ग्राम पंचायतों पर स्क्रीनिंग, जांच, निदान व सम्पूर्ण उपचार पर पूरा ज़ोर दें। इसके साथ ही ग्राम प्रधान, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ), पंचायत सचिव व सहायक समेत आशा-आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से समन्वय स्थापित कर समुदाय में लोगों को जागरूक करें। जन जागरूक गतिविधियों के साथ ही विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन जाए।

बैठक में पीरमल फ़ाउंडेशन के कोर टीम मेम्बर संजय कुमार सिंह, सीनियर प्रोग्राम मैनेजर संतोष सिंह, आशीष अशावा, काजल, एसपीएल रूबी सिंह, डीपीएल अरविंद गुप्ता समेत अन्य सदस्यों ने समस्त प्रतिभागियों को आश्वस्त किया कि हम सब मिलकर टीबी को वर्ष 2025 तक खत्म करने में सरकार व स्वास्थ्य विभाग का पूर्ण सहयोग करेंगे। इस दौरान एम एंड ई आइहैट से हिमांशु, स्टेट टेक्निकल सपोर्ट यूनिट (एसटीएसयू) से शैलेंद्र उपाध्याय, स्टेट टीबी/एचआईवी समन्वयक डॉ नरेंद्र सिंह, डब्ल्यूएचओ कंसल्टेंट डॉ वीजे विनोद व डॉ सौरभ ने संयुक्त रूप से कहा कि टीबी मुक्त पंचायत अभियान के सफल संचालन को लेकर पूरा ज़ोर दिया जा रहा है। सभी ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त पंचायत के किए चिन्हित किया जा रहा है।

नगर आयुक्त ने किया करसड़ा प्लाण्ट का निरीक्षण

अनिवार्य प्रश्न। संवाद

वाराणसी। नगर आयुक्त अक्षत वर्मा गत पांच दिसम्बर को पूर्वान्ह करसड़ा व माना प्लांट का निरीक्षण किया गया। करसड़ा प्लाण्ट में स्थित कूड़े के निस्तारण हेतु कार्यरत प्रोसेसिंग प्लाण्ट के निरीक्षण के समय प्लांट की संरचना एवं शेड लगाये जाने के सम्बन्ध में सम्बन्धित परियोजन प्रबन्धक को निर्देशित किया गया। साथ ही कूड़े से निकलने वाले लीचेड के लिये संशोधन संत्र, नाली एवं सी0सी0 रोड बनाये जाने हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। नगर आयुक्त के द्वारा उसी परिसर में स्थित सी0एण्ड0डी0 वेस्ट प्लाण्ट का निरीक्षण किया गया जो एन0टी0पी0सी0 संस्था के द्वारा तैयार किया जा रहा है। इस सम्बन्ध में नगर आयुक्त के द्वारा मौके पर उपस्थित एन0टी0पी0सी0 के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि शीघ्र ही कार्य पूर्ण कर संचालित किया जाय। इसके बाद नगर आयुक्त के द्वारा करसड़ा में तैयार कारकस प्लाण्ट का निरीक्षण किया गया जो मृत पशुओं के निस्तारण हेतु तैयार किया जा रहा है। निरीक्षण में पाया गया कि प्लाण्ट में सभी मशीने उपलब्ध हैं परन्तु क्रियाशील नही है, इस सम्बन्ध में नगर आयुक्त श्री अक्षत वर्मा ने सम्बन्धित अधिकारियों एवं ठेकेदार को निर्देशित किया गया कि सभी

मशीनों को तत्काल इन्स्टाल कर कार्य पूरा किया जाय, जिससे इस प्लाण्ट को लोकार्पित करते हुये क्रियाशील किया जा सके इसके बाद नगर आयुक्त श्री अक्षत वर्मा रमना प्लाण्ट का निरीक्षण किया गया, जहॉ पर एन0टी0पी0सी0 के सहयोग से भारत का पहला वेस्ट टू चारकोल प्लाण्ट तैयार किया जा रहा है का परीक्षण व निरीक्षण किया गया।। निरीक्षण में पाया गया कि प्लाण्ट में अभी विद्युत कनेक्शन नही हो पाया है, इस सम्बन्ध में उपस्थित परियोजना प्रबन्धक को निर्देशित किया गया कि वे शीघ्र ही विद्युत विभाग से सम्पर्क कर विद्युत कनेक्शन करा लें। निरीक्षण में पाया गया कि प्लाण्ट के पहुँच मार्ग का निर्माण लोक निर्माण विभाग के द्वारा कराया जाना है, इस समबन्ध में निर्देशित किया गया कि सभी सम्बन्धित विभागों के साथ शीघ्र ही बैठक कर इसका निस्तारण कराया जाय। प्रोजैक्ट मैनेजर के द्वारा बताया गया कि वेस्ट टू चारकोल प्लाण्ट 30 दिसम्बर तक पूर्ण कर लिया जायेगा, जिसके पश्चात लोकार्पित किया जा सकता है।

विधायक ने किया कम्बल वितरण

वाराणसी। मां नकटेश्वरी देवी मंदिर प्रांगण में ग्राम सभा कठिरांव निवासी तीर्थराज रामनरेश दुबे ने अपनी पत्नी की स्मृति में विधायक पिंडरा डॉ. अवधेश सिंह के कर कमलों द्वारा समाज के कमजोर, दुर्बल, असहाय लोगो को कम्बल वितरण करावाया।

अपने सम्बोधन में पिंडरा विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की सरकार हर परिस्थिति में प्रत्येक जरुरतमंद के हितो का खयाल करती है। उपस्थित पवन सिंह जिलाउपाध्यक्ष भाजपा, अजय पटेल मण्डल अध्यक्ष, सुरेंद्र सिंह, रमेश वंशनारायण दुबे, हौशीला पाण्डेय, ग्राम प्रधान धनंजय सिंह, संजय पाण्डेय, राजू, साहब शुक्ला, अभिषेक राजपूत, राजनाथ, अमन पटेल संतोष दुबे, प्रमोद दूबे, अभिषेक,अतुल रावत बेलवाँ भाजपा कार्यकर्ता एवं गणमान्य रहें।

आंगनबाड़ी केन्द्रों का हुआ कायाकल्प

अनिवार्य प्रश्न। संवाद

वाराणसी, । सामुदायिक स्तर पर स्वास्थ्य व पोषण सेवाओं को लगातार सुदृढ़ीकरण किया जा रहा है। इसके लिए जनपद प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग हर संभव प्रयास कर रहा है। इसी क्रम में जिलाधिकारी एस राजलिंगम के निर्देशन व मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु नागपाल* की पहल से प्रथम चरण में नगरीय क्षेत्र के 405 आंगनबाड़ी केन्द्रों पर शहरी स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण दिवस (यूएचएसएनडी) सत्र संचालित किए जा रहे हैं। इसके लिए समस्त तैयारियां पूरी कर ली गईं हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ संदीप चौधरी* ने बताया कि मुख्य विकास अधिकारी की इस पहल का उद्देश्य मातृ-शिशु मृत्यु दर में कमी लाना तथा घर के नजदीक ही लाभार्थियों को बेहतर व गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान कराना है। इससे पहले यह यूएचएसएनडी सत्र ऐसे स्थानों पर आयोजित किए जाते थे। जहां समस्त सुविधाओं को लाभार्थियों तक पहुंचाना आसान नहीं था, लेकिन इस पहल से अब लाभार्थियों को एक निर्धारित स्थान पर ही बच्चों व गर्भवती के टीकाकरण, प्रसव पूर्व जांच (एएनसी) सुविधा, परिवार नियोजन परामर्श आदि सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। उन्होंने बताया कि यूएचएसएनडी, पोषण सहित मातृ एवं शिशु देखभाल के प्रावधान के लिए एक पहुंच (आउटरीच) गतिविधि है जिसमें एएनएम के द्वारा गर्भवती व बच्चों का टीकाकरण, एएनसी के शीघ्र पंजीकरण, नियमित एएनसी, पोषण संबंधी सेवाएं जैसे बच्चों का वजन, लंबाई और गर्भावस्था के दौरान देखभाल, रेफरल आदि के लिए नियमित सूचना, शिक्षा व संचार (आईईसी) व व्यवहार परिवर्तन संचार (बीसीसी) गतिविधियां संचालित की जाती हैं। गर्भवती महिलाओं को पोषण आहार, देखभाल, गर्भावस्था के खतरे के संकेत, लाभप्रद स्वास्थ्य योजनाओं और संस्थागत प्रसव के बारे में परामर्श व शिक्षित किया जाता है। इसके साथ ही मातृ-शिशु सुरक्षा (एमसीपी) कार्ड के बारे में विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

सीएमओने बताया कि 405 आंगनबाड़ी केन्द्रों पर पूर्व की तरह हर बुधवार व शनिवार को यूएचएसएनडी सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। जहां एएनएम व आशा कार्यकर्ताओं द्वारा स्वास्थ्य सुविधाएं और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिका के द्वारा पोषण संबंधी सेवाएं प्रदान कर रही हैं। ई-कवच और आरसीएच पोर्टल पर इसकी नियमित फीडिंग की जाएगी। समय-समय पर विभागीय समीक्षा व मॉनिटरिंग भी की जाएगी। शेष 245 आंगनबाड़ी केन्द्रों को भी तैयार किया जा रहा है। आईसीडीएस विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी (डीपीओ) दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि इन सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों पर संचालित की जा रहीं यूएचएसएनडी पर सामुदायिक आधारित जनजागरूक गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। साथ ही लाभार्थियों को स्वस्थ व संतुलित पोषण आहार के लिए मोबिलाइज भी किया जा रहा है। महत्वपूर्ण जानकारी से परिपूर्ण है एमसीपी कार्ड - सीएमओ ने बताया कि एमसीपी कार्ड 40 पेज की एक पुस्तिका है। इसे स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय एवं महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की ओर से जारी किया गया है। एमसीपी कार्ड सभी गर्भवती महिलाओं को गर्भावस्था के पंजीकरण के समय दिया जाता है। इसमें गर्भावस्था से संबंधित सभी आवश्यक सलाह व सूचनाओं का विवरण दर्ज रहता है। इसमें गर्भावस्था के दौरान समय-समय पर किए जाने वाले सभी चेक-अप से लेकर प्रसव में बरती जाने वाली सावधानियां दर्ज होती हैं। प्रसव के बाद बच्चे का उम्र के हिसाब से ध्यान रखने के महत्वपूर्ण जानकारियां भी उपलब्ध हैं। इसमें शिशु के टीकाकरण की भी संपूर्ण जानकारी होती है।

श्री काशी नरेश महाराज के साथ नगर में तीन महापुरूषों की स्थापित होंगी प्रतिमायें

अनिवार्य प्रश्न । ब्यूरो संवाद।

वाराणसी। नगर निगम की ओर से पूर्व काशी नरेश स्वर्गीय विभूति नाराण सिंह की प्रतिमा लगवाई जाएगी। इस निर्णय का काशीराज परिवार के साथ ही काशीवासियों ने स्वागत किया है। पूर्व काशीराज की पुत्री कृष्ण प्रिया ने वाराणसी नगर निगम की इस पहल की सराहना की है। उ0प्र0 सरकार के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या व उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक की मंशानुसार नगर निगम सीमान्तर्गत तीन महापुरूषों की मुर्तियां लगाये जाने हेतु अपनी मंशा जाहिर की गयी थी, जिसका प्रस्ताव कार्यकारिणी के सदस्य मदन मोहन दूबे के द्वारा कार्यकारिणी की बैठक में रखा गया था। कार्यकारिणी की दिनांक 21 दिसम्बर 2023 की बैठक में प्रस्तुत इस प्रस्ताव पर महापौर अशोक कुमार तिवारी व अन्य सदस्यों ने सर्वसम्मति से निर्णय लेते हुये इसे पास कर दिया। पूर्व काशीराज की पुत्री कृष्ण प्रिया ने कहा कि प्रशासन ने काशी के गौरव को सम्मान दिया है। डॉ. विभूति नारायण सिंह को काशी की जनता साक्षात महादेव का स्वरूप मानती थी। उनके अभिवादन में हर हर महादेव का उद्घोष होता था। काशी नरेश स्वर्गीय विभूति नारायण सिंह जीवन भर काशी हिंदू विश्वविद्यालय के कुलाधिपति रहे। उसके साथ काशी विश्वनाथ परिषद के अध्यक्ष भी रहे। उन्होंने कहा कि सरकार से यह भी कहना चाहूंगी कि जहां लोगों से उनकी मुलाकात होती थी वहां पर, यानी हाथी पर बैठे हुए मूर्ति मैदागिन चौराहे पर लगाई जाए। वहां बहुत बड़ी जगह है। हम बहुत दिन से वहां पर चाहते थे उनकी मूर्ति लगे। साथ ही उन्होंने काशी विश्वनाथ धाम को सरकार के कारिडोर नाम देने पर दुःख जताया। कहा कि काशी विश्वनाथ मंदिर मनोरंजन का साधन नहीं है, वह तो आध्यात्मिक स्थान है।

हिस्सेदारी मानव समाज की हकदारी : प्रेमचंद

अनिवार्य प्रश्न। संवाद

वाराणसी। नवगठित 'प्रगतिशील मानव समाज पार्टी' का स्थापना दिवस रविवार दिनांक 10 दिसम्बर 2023 को मानव अधिकार दिवस के उपलक्ष्य में मनाया गया। यह आयोजन औराई के काशीराज इण्टर कॉलेज में हुआ।

वहीं पर एक जनसभा को संबोधित करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रेमचंद बिंद ने कहा कि हिस्सेदारी मानव समाज का हक है और इस हक को कोई किसी भी कीमत पर उससे छीन नहीं सकता। उन्होंने कहा कि सात दशक से गरीबों, मजदूरों, किसानों के हक की लड़ाई सिर्फ प्रगतिशील मानव समाज पार्टी ही लड़ रही है। मिशन-2024 के लोकसभा चुनाव में 'प्रगतिशील मानव समाज पार्टी' की भागीदारी, हक और हिस्सेदारी प्राप्त कराने के लिए पूरी मजबूती से उतरेगी। पूर्व की सरकारों ने वंचित समाज का जितना दुरुपयोग किया है उसका हिसाब लेने का समय सन्निकट आ गया है। पार्टी को मजबूती तभी मिलेगी जब समाज और हर वर्ग एक मंच की ताकत दिखाएगा। इस मौके पर महेंद्र बिंद, जवाहर, जयप्रकाश, रामप्रसाद, रामनाथ समेत सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित रहे।

काशी को छोड़ अब बलिया से चलेगी कामायनी एक्सप्रेस

अनिवार्य प्रश्न। संवाद।

वाराणसी। महाकवि जयशंकर प्रसाद की कालजई व विश्वविख्यात कृति 'कामायनी' के नाम पर चलने वाली ट्रेन कामायनी अब वाराणसी से मुंबई के लिए न जाकर बलिया से मुंबई के लिए रवाना होगी और मुंबई लोकमान्य तिलक टर्मिनस से अब वाराणसी के लिए नहीं बल्कि बलिया के लिए चलेगी। रेलवे द्वारा लिया गया यह निर्णय काशी पर काफी भारी पड़ने वाला है।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुरूप अब वाराणसी में वो केवल 1 मिनट ही रुकेगी। हालांकि रेलवे के अधिकारियों का कहना है कि अभी इस पर विचार चल रहा है कि वह यहां 5 से 10 मिनट रुक सकती है। अभी तक वाराणसी के महाकवि जयशंकर प्रसाद की रचना के नाम पर चलने वाली 'कामायनी' वाराणसी से ही मुंबई के लिए छूटती थी। इससे कासीवासियों को सुनिश्चित टिकट मिलने की संभावना अधिक रहती थी। अब काशी के लोगों को मुंबई के लिए आना जाना पहले से कुछ कठिन हो जाएगा। रेलवे के शेड्यूल के मुताबिक 10 दिसंबर से कामायनी एक्सप्रेस काशी अर्थात बनारस से ना जाकर बलिया से मुंबई के लिए निकलेगी। बलिया चलकर बनारस कैंट में इस ट्रेन का समय 3:39 पर पहुंचने का रहेगा।

सूचना के मुताबिक जो अभी वर्तमान शेड्यूल है उसमें 3:40 पर बनारस से मुंबई के लिए छूट जाएगी। रेलवे की बड़ी भूल यह मानी जा रही है कि पहले के स्टेशनों पर यह ट्रेन सिर्फ एक मिनट रूकेगी और वाराणसी से पहले के कई स्टेशनों पर इसका ठहराव 5 मिनट से ज्यादा रखा गया है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जहां से कामायनी ट्रेन पहले स्टार्ट होती थी वहां अब इसके ठहरने का समय सिर्फ 1 मिनट कर दिया गया है।

नगर निगम ने शिकायतों के लिये जारी किया व्हाट्सएप नम्बर

अनिवार्य प्रश्न । ब्यूरो संवाद।

वाराणसी। नगर निगम, वाराणसी द्वारा अनूठी पहल करते हुये नगर निगम से जुड़ी आम नागरिकों के शिकायतों का त्वरित गति से निस्तारण करने हेतु व्हाटसएप नम्बर- 8601872688 जारी किया गया है, जो आज से चालू हो जायेगा। नगर आयुक्त अक्षत वर्मा के निर्देश पर नगर निगम, वाराणसी द्वारा आम नागरिकों के शिकायतों को त्वरित गति से निस्तारण हेतु नगर स्वास्थ्य अधिकारी डा0 एन0पी0 सिंह को कार्ययोजना तैयार किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। इस हेतु नगर निगम के द्वारा कोर यूनिट टीम का गठन किया गया है। नगर आयुक्त के द्वारा दिये गये निर्देश के अनुसार काशी इन्टीग्रेटेड कमांड सेन्टर में प्रातः 6 बजे से रात्रि 10 बजे तक संचालित होगा, जिसमें व्हाटसएप नम्बर 8601872688 पर प्राप्त नगर निगम से सम्बन्धित शिकायतों व सुझावों यथा-सड़क, गली मरम्मत/ निर्माण, सफाई व्यवस्था, सीवर पेयजल, मार्ग प्रकाश, पशुओं के निस्तारण, अतिक्रमण इत्यादि शिकायतों का कम्प्यूटराइज्ड दर्ज करते हुये 24 घंटे के भीतर शिकायतों का निस्तारण कराया जायेगा।

मत्स्य संपदा योजना के अन्तर्गत 23.48 करोड़ रुपए जारी

अनिवार्य प्रश्न । संवाद

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 हेतु महिला वर्ग प्राविधानित धनराशि 6900.00 लाख के सापेक्ष वित्तीय वर्ष 2022-23 तथा वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए भारत सरकार द्वारा अवमुक्त केन्द्रांश के सापेक्ष 2347.6659 लाख रुपए की वित्तीय धनराशि प्रदान की गयी है। इस सम्बंध में मत्स्य विभाग ने शासनादेश जारी कर दिया है कि निर्गत शासनादेश के अनुसार स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण/व्यय भारत सरकार द्वारा अनुमोदित कार्ययोजना एवं मदों में भारत सरकार द्वारा निर्धारित गाइडलाइन्स का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करते हुए उपलब्ध धनराशि की सीमा के अन्तर्गत किया जायेगा। प्राप्त धनराशि का व्यय उन्हीं मदों में किया जायेगा, जिस मद के लिए धनराशि स्वीकृत की जा रही है। किसी अन्य मद में न ही उसका व्यय किया जायेगा और न ही एक मद से दूसरे मद में इसका व्यावर्तन किया जायेगा। आंकड़ों की शुद्धता का दायित्व निदेशक मत्स्य/ सम्बंधित अधिकारी का होगा।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नौगढ़ में न्यू बोर्न स्टेपलाईजेशन यूनिट की हुई स्थापना

चंदौली। न्यू बोर्न स्टेपलाईजेशन यूनिट की स्थापना सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नौगढ़ में हुआ है जिसका दीप प्रज्वलित व फीता काटकर जिलाधिकारी निखिल टी फुंडे द्वारा शुभारंभ किया गया। जिलाधिकारी ने बताया कि इस यूनिट के अर्न्तगत चार रेडिएण्ट वार्मर दो फोटो थेरेपी यूनिट एवं चार आक्सिजन कान्सनटेटर की सुविधा है इस यूनिट का इस्तेमाल शिशु जिनका अत्यधिक कम वजन पीलिया इत्यादि के इलाज करने के लिए किया जायेगा। जिलाधिकारी ने उसके अलावा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का भ्रमण कर व्यवस्थाओं को देखा। उन्होंने अस्पताल की आपरेशन रूम, ओपीडी सहित अन्य का निरीक्षण कर मरीजों से मिल रहे उपचार के संबंध में जानकारी ली, साथ ही चिकित्सकों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक, मुख्य चिकित्साधिकारी एवं अपराजिता सिंह डिविजनल कोआर्डिनेटर, एन.आई. एवं आलोक कुमार राय डिविजनल हेल्थ कोआर्डिनेटर यूनिसेफ के द्वारा संपन्न किया गया।

रामनगर औद्योगिक क्षेत्र में श्रमिकों के हितार्थ जागरूकता शिविर का आयोजन संपन्न

रामनगर । औद्योगिक क्षेत्र में श्रमिकों के हितार्थ जागरूकता शिविर का आयोजन श्रीमान सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण/ अपर जनपद न्यायाधीश ज्ञान प्रकाश शुक्ल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। उक्त शिविर में रामनगर स्थित औद्योगिक क्षेत्र के अध्यक्ष देव भट्टाचार्य, औद्योगिक क्षेत्र के उपाध्यक्ष हरिवंश सिंह, महामंत्री एवं भारी संख्या में श्रमिकगण उपस्थित रहे। पूर्णकालिक सचिव ज्ञान प्रकाश शुक्ल द्वारा उपस्थित श्रमिकों को उनके अधिकारों के बारे में जानकारी

देते हुए बताया गया कि एक सुरक्षित और स्वस्थ कार्य वातावरण प्रत्येक श्रमिक का मूल अधिकार है। कारखाना अधिनियम, 1948 के अनुसार नियोक्ता के लिए यह अनिवार्य है कि वे कारखानों में साफ-सफाई सुनिश्चित करें, कारखानों में अपशिष्ट प्रबंधन की उचित व्यवस्था होनी चाहिए। सचिव महोदय ने आगे बताते हुए कहा कि पारिश्रमिक अधिनियम के अनुसार वेतन या मजदूरी को लिंग के आधार पर किसी के साथ भी भेदभाव नही किया जा सकता ,समान काम के बदले समान पारिश्रमिक प्रत्येक श्रमिक का अधिकार है । इसी क्रम में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा उपस्थित समस्त उद्योगपतियों से श्रमिकों के हित संवर्द्धन हेतु तत्पर रहने की अपील की गई । इस सम्बन्ध में सचिव महोदय द्वारा अलग से उद्योग बन्धुगण के साथ एक मीटिंग भी की गई एवं उन्हें श्रमिकों की जीवन दशा को और उन्नत बनाए जाने के लिए आवश्यक सुझाव व दिशा निर्देश दिए गए।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना लाभान्वित हुए 170 जोड़े

भदोही। शासन के अति महत्वांकाक्षी योजना के अन्तर्गत मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा दिये गये निदेर्शों के क्रम में जनपद के समस्त विकास खण्डो में सभी नगरीय निकायों को सम्मिलित करते हुए मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत कुल 170 जोड़ों की शादी सम्पन्न कराई गयी। शादी समारोह के दौरान मुख्य विकास अधिकारी यशवंत कुमार सिंह की उपस्थिति में विकास खण्ड डीघ में कुल 39 जोडों की मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह सम्पन्न कराई। इस अवसर पर मा0 जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने उपस्थित रहकर नवदम्पत्ति जोडों को आशीर्वाद प्रदान किया गया। विकास खण्ड भदोही में अन्य पिछड़ा वर्ग के 03तथा 16अनुसूचित जाति कुल 19 जोड़ों की मुख्यमंत्री सामूहिक शादी करायी गयी। विकास खण्ड सूरियावॉ में अल्पसंख्यक विवाहित 01, अन्य पिछड़ा वर्ग 02 तथा अनुसूचित जाति के 13 कुल 16 जोड़ें। विकास खण्ड अभोली में अन्य पिछड़ा वर्ग 08 व अनुसूचित जाति के 09 कुल 17 जोडें। विकास खण्ड ज्ञानपुर में अन्य पिछड़ा वर्ग से 05, अनुसूचित जाति के 26,अल्पसंख्यक 01 कुल 32 जोडें। विकास खण्ड औराई में अनुसूचित जाति के 28 व अन्य पिछड़ा वर्ग से 01 कुल 29 जोडे। नगर पालिका परिसर भदोही में अनुसूचित जाति 07 , अन्य पिछड़ा वर्ग से 03 कुल 10 जोडें.। नगर पंचायत सुरियावॉ में अन्य पिछड़ा वर्ग के 01 तथा अनुसूचित जाति के 03 कुल 04 जोड़ें। नगर पंचायत घोसिया में अनुसूचित जाति के 01 कुल 01 जोड़े। नगर पंचायत ज्ञानपुर व नई बाजार में एक भी नहीं। नगर पालिका परिसर गोपीगंज में पिछड़ा वर्ग 01जोडे की शादी कराई गई। अल्पसंख्यक वर्ग के 03, अन्य पिछड़ा वर्ग के 44, अनुसूचित जाति के 122, सामान्य वर्ग के 01 जोड़ों की मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह के लाभार्थियों की वर्गवार जनपद में कुल 170 नव दाम्पत्य जोड़ों को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह की इस पुनीत और पावन बेला पर आशीर्वाद एवं शुभकामना देते हुए उत्तरोत्तर वृद्धि करने की कामना किया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि शुभ विवाह / पाणिग्रहण संस्कार जीवन का एक पवित्र गठबंधन है जिसमें पति पत्नी एक दूसरे के साथ समर्पित जीवन जीते हुए समाज एवं देश में अपना योगदान देते हैं यह सामूहिक विवाह समाज की समरसता एवं समरूपता का प्रतिफल है।समस्त ब्लॉक प्रमुख व समस्त खण्ड विकास अधिकारी, समस्त अधिशासी अधिकारियों ने सामूहिक विवाह की पावन बेला पर नव युगल को पवित्र गठबंधन के दाम्पत्य सूत्र के आत्मीय संबंधों के साथ गृहस्थ आश्रम में प्रवेश कर जन्म जन्मांतर के पारिवारिक एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के कर्तव्य निर्वहन हेतु जीवन की नई पारी पर वर वधू को आशीर्वाद एवं शुभकामना दिया। जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी ने विकास खंड सुरियावां में उपस्थित होकर कहा कि सामूहिक विवाह योजना द्वारा शादी पर होने वाले अपव्यय पर रोक लगती है जिससे गरीब आदमी भी अपनी बहन, बेटा की शादी खुशहाली के साथ संपन्न कर सकते हैं।

आयोजित हुआ समाधान दिवस

चंदौल। जिलाधिकारी निखिल टी फुंडे की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन तहसील नौगढ़ में किया गया। इस दौरान कुल 52 शिकायतें आई, जिनमें से आठ का तत्काल निस्तारण किया गया। संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर जन सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी ने भूमि विवाद से संबंधित समस्त शिकायतों का पुलिस तथा राजस्व विभाग की संयुक्त टीम बनाकर मौके पर शिकायतों के तत्काल निस्तारण के प्रयास करने का निर्देश दिया। जन सुनवाई के दौरान प्रायः राजस्व विभाग से संबंधित शिकायतें ज्यादा होती है, जिसके मद्देनजर जिलाधिकारी ने राजस्व विभाग के संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पुलिस के साथ संयुक्त टीम बनाकर राजस्व विभाग से संबंधित शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण ढंग से यथा शीघ्र निस्तारण का निर्देश दिया।

मिट्टी में मिली माफिया मुख्तार की 'सल्तनत'

लखनऊ ।यूपी को माफिया मुक्त प्रदेश बनाने का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का संकल्प लगभग पूरा हो चुका है। कभी पूरे उत्तर भारत को अपने माफिया नेक्सस से आतंकित रखने वाले मुख्तार अंसारी की पूरी सल्तनत मिट्टी में मिल चुकी है। योगीराज में माफिया के खिलाफ ना सिर्फ अदालतों में प्रभावी पैरवी चल रही है और एक के बाद एक उसके जघन्य अपराधों की सजा मिल रही है, बल्कि कोर्ट से बाहर भी मुख्तार के पूरे माफिया साम्राज्य को तहस नहस करने की कार्रवाइयां लगातार चल रही हैं। इसी का नतीजा है कि मुख्तार अंसारी द्वारा अवैध तरीकों से बनाई गई 605 करोड़ से अधिक की संपत्ति को योगी सरकार ने जब्त और ध्वस्त करा दिया है। बता दें कि योगी सरकार द्वारा मुख्तार अंसारी के खिलाफ प्रभावी पैरवी का ही नतीजा है कि बीते 15 महीने में माफिया को 7 मामलों में सजा सुनाई जा चुकी है। इसमें उम्रकैद जैसी अधिकतम सजा भी शामिल है। मुख्तार के खिलाफ कुल 65 मामले दर्ज हैं। वहीं माफिया के नेक्सस को तोड़ने के लिए उसके पूरे गैंग के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाइयों को अंजाम दिया गया, जिसमें उसके 292 सहयोगियों के खिलाफ अबतक 160 मुकदमे दर्ज किये गये हैं। इतना ही नहीं उसके 186 सहयोगियों की अबतक गिरफ्तारी भी हो चुकी है। कानून व्यवस्था को लेकर योगी सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति का ही परिणाम है कि मुख्तार के गैंग के 18 सदस्य ने तो सरेंडर करने में ही अपनी भलाई समझी। मुख्तार के माफिया नेक्सस को तोड़ने की कार्रवाई में पुलिस ने 175 अवैध हथियारों को भी जब्त किया है। अपने माफिया नेटवर्क के जोर से राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बने मुख्तार गैंग पर एनएसए के तहत 6 मामले दर्ज हैं। वहीं माफिया के पांच शूटर्स पुलिस मुठभेड़ में पहले ही ढेर किये जा चुके हैं। माफिया के आर्थिक साम्राज्य को नेस्तनाबूद करने के लिए धारा 14(1) के तहत 317 करोड़ 97 लाख 90 हजार 709 रुपये की सम्पत्ति अबतक जब्त की जा चुकी है। यही नहीं 287 करोड़ 56 हजार 810 रुपए की अवैध संपत्ति को कब्जामुक्त और ध्वस्तीकरण की कार्रवाई को भी योगी राज में अंजाम दिया जा चुका है। यानी अबतक कुल 604 करोड़ 98 लाख 47 हजार 519 रुपए की माफिया की संपत्ति को जब्त, ध्वस्त और कब्जामुक्त कराया जा चुका है। सबसे अहम बात ये कि माफिया के आतंक से चलने वाले ठेका, टेंडर और अवैध व्यवसायों पर भी योगी सरकार ने जबरदस्त चोट पहुंचाई है। परिणामस्वरूप प्रतिवर्ष माफिया के अवैध धंधों को 215 करोड़ से अधिक की चपत लग रही है।

जरूरतमंदों को किया गया कंबल वितरण

रसड़ा। स्थानीय विकासखंड सिंगाही में स्थित उद्गम जन कल्याण संस्था द्वारा ठंड व शीतलहर से बचने के लिए जरूरतमंदों को कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्राधिकारी रसड़ा मो0 फहीम कुरैशी उपस्थित रहें । संस्था के संस्थापक सुजीत कुमार ने सभी का आभार व्यक्त किया,संस्था द्वारा चिन्हित जरूरतमंद दिव्यांगजन, विधवा माता, वृद्ध जनों को ठंड से बचने के लिए उपस्थित मुख्य अतिथि के हाथों से सभी जरूरतमंदों को कम्बल वितरित किया गया इस दौरान क्षेत्राधिकारी रसड़ा मो0 फहीम कुरैशी ने सभी को सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक किया गया, इस मौके पर श्रीमती सरिता देवी सामाजिक कार्यकर्ता, उपाध्यक्ष ऋषि कुमार, प्रमोद कुमार यादव, सुमन प्रताप, नरसिंह कुमार बिजली रीडर व अन्य उपस्थित रहें।

2024 में होगा 1319360 पौधरोपण

भदोही। कलेक्ट्रेट के सभागार में मंगलवार को जिलाधिकारी गौरांग राठी के कुशल मार्गदर्शन में व मुख्य विकास अधिकारी यशवंत कुमार सिंह की अध्यक्षता में वन विभाग की समीक्षा बैठक आहूत की गई ' विशेष वृक्षारोपण अभियान 2024 के अन्तर्गत विभागवार लक्ष्यों का निर्धारण किया गया है। जिला वृक्षारोपण समिति की विभिन्न बैठकों में विचार-विमर्श के अनुसार जनपद में विभागवार लक्ष्य आवंटित किया गया है। समस्त कार्यदायी विभागों द्वारा आवंटित लक्ष्य के अनुसार स्थल चयन कर सभी संबंधित तैयारी पूर्ण करने के निर्देश सीडीओ ने दिए ' वृक्षारोपण 2024 के अन्तर्गत प्रत्येक विभाग को आवंटित लक्ष्य के क्रम में समय से सारी तैयारियां पूर्ण करें। वृक्षारोपण कार्य को सम्पन्न कराने हेतु सभी सम्बन्धित / कार्यदायी विभाग के कार्यालयाध्यक्ष अपने विभाग के नोडल अधिकारी होंगे। अपने विभाग को आवंटित लक्ष्य के सापेक्ष पौध रोपण कार्य पूर्ण करायेंगे । वृक्षारोपण 2024 के अंतर्गत मुख्य विकास अधिकारी यशवंत कुमार सिंह व डीएफओ नीरज आर्य के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा की। सीडीओ ने सीएमओ को निर्देशित करते हुए कहा कि हेल्थ केयर फैसिलिटी का ऑथराइजेशन पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड से कर लिया जाए ' वर्ष 2024 में वृक्षारोपण हेतु जनपद में वन विभाग के साथ जनपद के अन्य लगभग 24 विभागों - पर्यावरण विभाग, ग्राम विकास, पंचायती राज, नगर विकास, लोक निर्माण सिंचाई विभाग नहर , रेशम, कृषि, पशुपालन, सहकारिता, उद्योग, माध्यमिक शिक्षा, बेसिक शिक्षा, श्रम विभाग, परिवहन, उद्यान,पुलिस, स्वास्थ्य, कारागार जिला पंचायत भदोही, रेलवे विभाग व अन्य विभागों के विभागाध्यक्षों के साथ वर्षा काल 2024 में कराए जाने वाले वृक्षारोपण के सुचारू संचालन हेतु क्रियान्वयन के विभिन्न बिंदुओं पर बल दिया। सीडीओ ने कहा कि वृक्षारोपण 2024 को लेकर समाज के सभी लोगों का सक्रिय सहयोग एवं सहभागिता प्राप्त करते हुए इसे व्रहद जन आंदोलन कर दिया जाए। जनपद में ऐसा वातावरण सृजित किया जाए कि आम जनमानस भी स्वयंमेव से जुड़ जाए। वृक्षारोपण 2024 के तहत उत्तर प्रदेश शासन द्वारा वृक्षारोपण करने का आवंटित लक्ष्य दिया गया है, जिसके अंतर्गत वन विभाग 510000, पर्यावरण 35000, ग्राम विकास विभाग 466000, पंचायती राज विभाग 44000, नगर विकास विभाग 11000, लोक निर्माण विभाग 7000, सिंचाई विभाग (नहर) 8000, रेशम विभाग 19000, कृषि विभाग 90600, पशुपालन विभाग 4000, सहकारिता विभाग 2380,उद्योग विभाग 5500, माध्यमिक शिक्षा विभाग 3000, बेसिक शिक्षा 15000, श्रम विभाग 1900, परिवहन 1800, उद्यान विभाग 56000, पुलि

जैकी श्रॉफ और नीना गुप्ता की बेहतरीन अदाकारी की अनोखी झलक

फिल्म समीक्षा

मां बाप अपने बच्चों की परवरिश इस उम्मीद में करते हैं कि जब उनकी वृद्धवास्था आएगी तो वह उनके बुढ़ापे का सहारा बनेंगे लेकिन ऐसा होता बहुत ही कम है । बच्चे बड़े होकर अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों में इस कदर व्यस्त हो जाते हैं कि उन्हें अपने माता पिता की चिंता नहीं होती हैं। ऐसे में अकेलापन इंसान को अंदर ही अंदर खोखला करता रहता है। जिंदगी तब और बोझ बन जाती है जब पति पत्नी में से कोई एक नहीं रहता है। ऐसे में जिंदगी को कैसे जिया जाए। फिल्म में छोटी-छोटी खुशियां दुख, भूली बिसरी यादें जैसे हर पहलू को बहुत ही बारीकी से दिखाया गया है। फिल्म 'मस्त में रहने का' में दो समानांतर कहानियां चलती हैं। एक कहानी मिस्टर कामत और प्रकाश कौर की है और दूसरी नन्हे और रानी की। मिस्टर कामत की पत्नी की मृत्यु हो चुकी है। जिंदगी उनको बोझ लगने लगी है। प्रकाश कौर बेटे के साथ कनाडा में रहती रही हैं, लेकिन वह कनाडा से अब मुंबई आ गई हैं। पति के जाने के बाद अंदर से वह भी टूट चुकी हैं, लेकिन कभी जाहिर नहीं करती। नन्हे एक लेडीज ट्रेलर है लेकिन वह इतने कर्जे में डूब गया है कि अकेले घर में रह रहे बुजुर्गों के घर चोरी करके अपना कर्ज चुका रहा है। नन्हे को ट्रैफिक सिगनल पर भीख मांगने वाली लड़की रानी से प्यार हो जाता है। दोनों कहानियां का कब, कैसे और कहां मिलन होता है, इसी पर टिकी फिल्म 'मस्त में रहने का' की कहानी। फिल्म 'मस्त में रहने का' के लेखक-निर्देशक विजय मौर्या 'गली बॉय' और 'तुम्हारी सल्लू' जैसी फिल्में लिख चुके हैं। इस फिल्म में उन्होंने 'गली बॉय' जैसी ही दुनिया रचने की कोशिश की है। नन्हे और रानी के किरदार के जरिए जहां उन्होंने मुंबई जैसे महानगर की झोपड़पट्टी में रहने वाले लोगों की मनोदशा दिखाई है, वहीं मिस्टर कामत और प्रकाश कौर के किरदार मुंबई के पॉश इलाकों में अकेले रहने वाले बुजुर्गों की मजबूरी और उनके अकेलेपन को दशार्ते हैं। कामत के घर जब नन्हे चोरी करने जाता है तो वह चोर से कहते हैं कि उनको जान से मार दे। लेकिन जैसे ही उनकी मुलाकात प्रकाश कौर से होती है, उनको लगता है कि जिंदगी को फिर से एक नए सिरे से जी जा सकती है। मिस्टर कामत की भूमिका में जैकी श्राफ का अभिनय काफी प्रभावशाली रहा है। कहीं न कहीं उनके किरदार में फिल्म 'लाइफ इज गुड' की झलक दिखाई देती है, लेकिन अकेले रहने वाले बुजुर्ग की भूमिका में उनका अभिनय कमाल है। प्रकाश कौर की भूमिका में नीना गुप्ता ने भी अपनी छाप छोड़ी है। मिस्टर कामत को बात - बात में मद्रासी बुलाना और मद्रासी बोले जाने पर मिस्टर कामत का सफाई देना, फिल्म के बहुत ही भावुक प्रसंग हैं। फिल्म में छोटे छोटे ऐसे क्षण आते रहते हैं कि लगता है जिंदगी में सब दुख दर्द भूलकर मस्त में ही रहना चाहिए।

इंसान के जीवन में एक दौर ऐसा आता है जब इंसान जिंदगी जीता है, लेकिन जब जिंदगी इंसान को जीने लगे तब किस तरह से समय के साथ अपने जीवन को अनुकूल बनाया जा सकता है। यही, इस फिल्म में दिखाया गया है। नन्हे की भूमिका में अभिषेक चौहान और रानी की भूमिका में मोनिका पवार का भी काम सरहानीय है। पंचायत सीरीज में उप प्रधान की भूमिका निभा चुके फैसल मालिक ने फिल्म में फल बेचने वाले बाबूराम की भूमिका में जान फूंक दी है। फिल्म में राखी सावंत का ट्रैक थोड़ा सा डिस्टर्ब जरूर करता है, लेकिन फिल्म की कहानी में उनके किरदार को इस तरह से जोड़ा गया है कि उनकी भी भूमिका को नजर अंदाज नहीं कर

कलाकार- जैकी श्रॉफ , नीना गुप्ता , अभिषेक चौहान , मोनिका पवार, राखी सावंत और फैसल मलिक
लेखक- विजय मौर्या
निर्देशक- विजय मौर्या
निमार्ता- पायल अरोड़ा और विजय मौर्या
रिलीज - 8 दिसंबर 2023
रेटिंग- 2/5

मां की मौत के बाद आज भी इस बात को लेकर पछताती हैं जान्हवी ?

दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी और बोनी कपूर की लाड़ली बेटी अपने फिल्म्स के अलावा अपने लुक्स को ले कर भी चर्चा में रहती हैं। इसके अलावा जान्हवी कपूर अपने साउथ डेब्यू के लिए भी पूरी तरह तैयार हैं। जान्हवी कपूर के स्टारडम का अनुमान हम इसी बात से लगा सकते हैं कि वे आने वाले दिनों में ऑस्कर विजेता और 'आरआरआर' अभिनेता जूनियर एनटीआर के साथ स्क्रीन साझा करने वाली हैं। इन सब के बीच जान्हवी को आज भी उनकी मां से जुड़ी एक बात बहुत सताती है, जिसका अभिनेत्री ने हाल ही में खुलासा किया है। आइए जानते हैं। हाल ही में, एक इंटरव्यू में, जान्हवी ने खुल कर अपनी मां श्रीदेवी और उनके साथ अपने रिश्ते का खुलासा किया है। इसके साथ ही अपनी पहली फिल्म 'धड़क' से जुड़ी काफी बातें साझा की हैं। अभिनेत्री ने इस बात का भी खुलासा किया है कि अपनी मां की कौन सी बात को लेकर आज भी उन्हें पछतावा महसूस होता है।जाह्नवी कपूर ने हालिया इंटरव्यू में कहा, 'जिन दिनों मैं 'धड़क' को शूट कर रही थीं। मॉम मेरे साथ सेट पर आना चाहती थीं। वे कई बार खुद से आ भी जाती थी, लेकिन फिर मैंने उन्हें सेट पर आने से रोकना शुरू कर दिया। मुझे लगने लगा था कि लोगों को यह न लगे कि मैं सुपरस्टार श्रीदेवी की बेटी होने का फायदा उठा रही हूं। वैसे भी सबको यही लगता था कि 'धड़क' फिल्म भी मुझे इसीलिए मिली क्योंकि मैं उनकी बेटी हूं।' जाह्नवी ने आगे कहा, 'मुझे अब उस वक्त अपनी मां को सेट पर न आने देने के फैसले पर बहुत पछतावा होता है। मुझे आज यह लगता है कि क्यों मैंने लोगों की बातों को इतनी तवज्जो दी। मैं श्रीदेवी की बेटी हूं और इसमें मैं कुछ नहीं कर सकती हू। वे भारत की बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक थीं। काश, तब मैंने उन्हें सेट पर आने दिया होता और उनसे एक्टिंग से जुड़े कुछ टिप्स ले पाती। अब जब मैं पीछे मुड़ कर देखती हूं तो लगता है कि मैंने क्यों मॉम की बात नहीं सुनी।' वर्क फ्रंट की बात करें तो जान्हवी कपूर की पहली फिल्म 'धड़क' जुलाई 2018 में रिलीज हुई थी और उसी साल अभिनेत्री ने अपनी मां श्री देवी को फरवरी में खो दिया था। अपनी मां को खो देने के बाद जान्हवी कपूर को लगा कि वे अपने करियर में अपनी मां का अहम योगदान ले सकती थीं और अपनी फिल्मों में अच्छा प्रदर्शन कर सकती थीं। अपनी बात को समाप्त करते हुए जाह्नवी कहती हैं, 'कभी-कभी लगता है मॉम को कॉल करूं और कहूं यह फिल्म शूट कर रही हूं, प्लीज सेट पर आ जाइये।' बता दें कि जाह्नवी कपूर की पिछली फिल्म 'बवाल' थी, जिसमें वे वरुण धवन के साथ नजर आई थीं और उनकी आने वाली फिल्मों में, 'बड़े मियां, छोटे मियां' और 'देवारा' जैसी बड़ी फिल्में शामिल हैं।

रेड कारपेट पर पूरे साल अभिनेत्रियों का रहा जलवा

हिंदी सिनेमा की अभिनेत्रियां फिल्मों में अपने शानदार प्रदर्शन के साथ साथ रेड कारपेट पर भी अपने जलवे बिखेरने के लिए मशहूर रही हैं। चाहे कान फिल्म फेस्टिवल के दौरान रेड कारपेट पर शिरकत करना हो या फिर फैशन मेट गाला के दौरान। रेड कारपेट पर अपने शानदार लुक और पहनावे को लेकर इन्होंने हर किसी को प्रभावित किया। आइये जानते हैं इन 10 अभिनेत्रियों के बारे में जिन्होंने साल 2023 में रेड कारपेट पर जलवा बिखेरा और खूब सुर्खियां बटोरीं।अभिनेत्री ऐश्वर्या राय कान फिल्म फेस्टिवल में पहली बार 2002 में संजय लीला भंसाली और शाहरुख खान के साथ अपनी फिल्म 'देवदास' के लिए वहां गई थीं। इसके बाद से लगभग हर साल ऐश्वर्या कान में अपने जलवे बिखरेती आ रही हैं। इस साल कान फिल्म फेस्टिवल के दौरान रेड कारपेड पर उनका एक अलग ही अंदाज देखने को मिला। वह इस बार घूंघट पहने में पहुंची थी। रेड कार्पेट पर ऐश्वर्या राय बच्चन का यह अंदाज लोगों को खूब पसंद आया। अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा जोनास फैशन नाइट मेट गाला 2023 के दौरान रेड कारपेट पर पति निक जोनस के साथ एंट्री की। फैशन नाइट मेट गाला के रेड कारपेड पर दोनों ब्लैक एंड व्हाइट लुक में नजर आए। प्रियंका ने ब्लैक कलर का वैलेंटिनो थाई-हाई स्लिट गाउन पहना था। इस दौरान प्रियंका चोपड़ा जोनास के डायमंड नेकलेस पर सभी की निगाहें टिक गईं। तो वहीं निक जोनास ब्लैक सूट और व्हाइट शर्ट में नजर आए। कान फिल्म फेस्टिवल में डायना पेंटी सबसे अलग नजर आई। फिल्म फेस्टिवल के लिए जहां बाकी अभिनेत्रियों ने गाउन या पारंपरिक परिधान को चुना, वहीं डायना पेंटी ने पैंट्स और क्रॉप जैकेट में रेड कारपेट पर वॉक किया। डायना पेंटी ने मिनिमल लुक और खुले बालों में एंट्री ली। डायना पेंटी का यह लुक बाकी अभिनेत्रियों के लुक से सबसे जुदा और हटकर रहा। अभिनेत्री आलिया भट्ट ने पहली बार फैशन नाइट मेट गाला 2023 के दौरान रेड कारपेट पर शिरकत की। आलिया भट्ट ने फैशन नाइट मेट गाला के दौरान रेड कारपेट पर व्हाइट गाउन में शिरकत की। गाउन में वह काफी आकर्षक लग रही थी। बताया जाता है कि उस ड्रेस को बनाने में एक लाख से ज्यादा मोतियों का इस्तेमाल किया गया है, जिसे भारत में बनाया गया था। मोतियों से सजी पूरी सफेद पोशाक ने उनकी अनूठी शैली को प्रदर्शित किया। अभिनेत्री सनी लियोन कान फिल्म फेस्टिवल के दौरान रेड कार्पेट पर मैरून वेलवेट गाउन में नजर आई। सनी लियोनी के लिए के लिए ये फिल्म फेस्टिवल इस बार बहुत खास था क्योंकि उनकी फिल्म 'कैनेडी' को इस साल कान फिल्म फेस्टिवल में मिडनाइट स्क्रीनिंग के लिए चुना गया है। अनुराग कश्यप की यह फिल्म अनिद्रा से पीड़ित एक पूर्व पुलिसकर्मी की कहानी के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म में सनी लियोन और राहुल भट्ट मुख्य भूमिका में हैं। अभिनेत्री उर्वशी रौतेला भी कान फिल्म फेस्टिवल के दौरान रेड कार्पेट पर एकदम अलग ही अंदाज में नजर आई। उन्होंने गुलाबी रंग का गाउन पहना हुआ था। उर्वशी रौतेला ने अपने गले में कोई हीरे-मोती का जड़ हार नहीं पहना था बल्कि अजीब आकृतियों वाला नेकलेस पहन रखा था।

खलनायक का किरदार निभाने पर प्रकाश राज का बड़ा बयान

अभिनेता प्रकाश राज अपनी फिल्मों के साथ-साथ बयानों को लेकर भी चर्चा में रहते हैं। अब उन्होंने अपनी फिल्मों और किरदारों का चयन करने के बारे में खुलकर बात की है। अभिनेता से अक्सर व्यावसायिक फिल्मों में उनकी खोखली नकारात्मक भूमिकाओं के बारे में सवाल किया जाता है, क्योंकि वे उनके व्यक्तित्व से मेल नहीं खाते हैं। अब हाल ही में दिए साक्षात्कार में प्रकाश ने स्वीकार किया कि वह इस तरह की बेवकूफी भरी फिल्में केवल पैसों के लिए करते हैं। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता ने कहा, 'मैं कुछ बेवकूफी भरी फिल्में केवल पैसे के लिए भी करता हूं। लोग मुझसे पूछते हैं कि आप इतने जोर से क्यों चिल्लाते हो मैं कहता हूं कि अगर मैं ओवरएक्टिंग कर सकता हूं तो मैं एक्टिंग भी कर सकता हूं। मुझे व्यावसायिक फिल्मों से नफरत नहीं है, क्योंकि उनके लिए भी दर्शक हैं, निमार्ता हैं और उनमें भी उतनी ही मेहनत लगती है। फिर, वहां उन्हें खलनायक के रूप में मेरी जरूरत है।'अभिनेता ने इस बात का भी खुलासा किया कि वे कुछ फिल्में मुफ्त में क्यों करते हैं। प्रकाश ने कहा, मेरी बुद्धि मुझसे कहती है कि मुझे कुछ पैसे की जरूरत है तो मैं वो करूंगा। कभी-कभी कोई यह भी कहता है कि आप वह फिल्म मुफ्त में क्यों कर रहे हैं तो मैं कहता हूं कि मेरा भुगतान दिखना चाहिए या नहीं, उसका फैसला मैं करूंगा। मुफ्त में फिल्म करने से मुझे जो इनाम मिल रहा है, उसे आप नहीं देख पा रहे हैं। आप इसे सिर्फ पैसे से माप रहे हैं और मैं ऐसा नहीं करता हूं। मैंने हमेशा अपनी शर्तों पर जीवन जिया है।' वहीं बात करें अभिनेता की आने वाली फिल्मों के बारे में तो प्रकाश राज अगले साल चार सबसे प्रतीक्षित तेलुगु फिल्मों में दिखाई देंगे। इनमें महेश बाबू की मसाला फिल्म 'गुंटूर कारम' है, जूनियर एनटीआर और जान्हवी कपूर की एक्शन ड्रामा 'देवरा', पवन कल्याण और इमरान हाशमी की एक्शन थ्रिलर 'ओजी' और अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा 2' शामिल हैं।

अक्षरा सिंह ने राजनीति की दुनिया में रखा कदम

लोकप्रिय भोजपुरी अभिनेत्री और पूर्व बिग बॉस ओटीटी प्रतियोगी अक्षरा सिंह ने राजनीति में एंट्री कर ली है। वे सोमवार (27 नवंबर) को पटना में चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर के अभियान 'जन सुराज' में शामिल हुईं। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए अभिनेत्री ने आधिकारिक तौर पर राजनीति में कदम रखने और 'जन सुराज' आंदोलन में शामिल होने के अपने फैसले की घोषणा की। बातचीत के दौरान अक्षरा ने चुनाव लड़ने की इच्छा भी जाहिर की। कार्यक्रम में अभिनेत्री ने कहा कि अगर उन्हें लोगों का समर्थन मिला तो वे चुनाव जरूर लड़ेंगी। यह पूछे जाने पर कि वे कहां से चुनाव लड़ेंगी? इसका जवाब देते हुए अक्षरा ने कहा, आगे का तो वक्त बताएगा। अभी कोई सीट नहीं है, अभी मैंने पहल की है। अगर यह मेरी किस्मत में है और अगर लोगों ने मेरा समर्थन किया तो मैं चुनाव लड़ सकती हूं। एएनआई के साथ एक इंटरव्यू के दौरान अक्षरा ने राजनीति की दुनिया में कदम रखने के पीछे अपने मकसद के बारे में खुलकर बात की। प्रशांत किशोर की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा,मैं उन्हें पिछले 15 महीनों से देख रही हूं और वह किस तरह सक्रिय रूप से प्रचार कर रहे हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वह शिक्षित हैं और समाज और युवाओं के लिए अच्छी सोच रखते हैं। अक्षरा ने कहा बिहार की बेटी होने के नाते मैं भी कुछ पहल करना और योगदान देना चाहती हूं, यही मेरा इरादा है। प्रशांत किशोर ने कहा है कि उनका 'जन सुराज' आंदोलन एक सामाजिक पहल है। हालांकि, अक्षरा के अभियान में शामिल होने के समय को देखते हुए अटकलें लगाई जा रही हैं कि अभिनेत्री को 2024 के लोकसभा चुनावों में उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतारा जा सकता है। उनके इस फैसले को भविष्य में राजनीति में बड़ी चीजों के लिए अपने लिए राजनीतिक जमीन तैयार करने के कदम के रूप में भी देखा जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में कई भोजपुरी हस्तियां जिन्होंने सफलता पूर्वक राजनीति में कदम रखा, उनमें रवि किशन, मनोज तिवारी और दिनेश लाल यादव उर्फ 'निरहुआ' शामिल हैं। ये तीनों ही बीजेपी से सांसद हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक श्री सतीश कुमार द्विवेदी द्वारा यादव प्रिंटर्स, प्रह्लाद घाट, वाराणसी, से मुद्रित एवं प्रधान, पंजीकृत व पत्राचार कार्यालय-चोड़सारी, पोस्ट-अमिलिया, शाहगंज, चकिया, चन्दौली, उ.प्र., पिन - 232118 से प्रकाशित किया गया।
प्रधान संपादक : सतीश कुमार द्विवेदी, RNI No. UPHIN/2019/80493, बाई लाइन समाचारों, विचारों व साक्षात्कारों के लिये प्रकाशक जिम्मेदार नहीं है। सभी विवादों के लिए वाराणसी न्यायालय ही मान्य होगा।
समाचार कार्यालय : 1/253, नारायनपुर, भोजूबीर, वाराणसी-221003 एवं मुख्यालय कटरा, जी.टी. रोड, चन्दौली-232304, वेब संपर्क : www.anivaryaprashna.in, ईमेल संपर्क : anivaryaprashna@gmail.com व दूरध्वनि क्रमांक : 9161099088